जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 13 संख्याः 274 प्रभात चूरू, मंगलवार 1 फरवरी, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

एक शोध में सामने आया है कि पृथ्वी पर मौजूद ''अंतिम'' जंगली घोड़े विशुद्ध जंगली नहीं हैं। मंगोलिया में मिलने वाले शिवाल्स्की घोड़े, जिन्हें अब तक जंगली घोड़ों की आखिरी बची हुई प्रजाति माना जाता था, असल में जंगली नहीं हैं बल्कि भाग कर जंगल में आए पालतू घोड़ों के वंशज हैं। इसका अर्थ है कि जंगली घोड़े पूरी तरह से लुप्त हो चुके हैं। इस रिसर्च ने पालतू घोड़ों के उद्गम के रहस्य को उलट कर रख दिया है। वर्तमान में मंगोलिया में 2000 शिवाल्स्की घोड़े हैं। फ्रैंच नैशनल सैंटर फॉर साइंटिफिक रिसर्च के मॉलिक्यूलर आर्कियोलॉजिस्ट, प्रोफेसर लुडोविक ऑरलैण्डो ने कहा कि ''हमारे नतीजों ने घोड़ों के उद्गम में वर्तमान सिद्धांतों को पलट दिया है। नए शोध का दावा है कि शिवाल्स्की घोड़े, जिन्हें 20 वीं सदी में लुप्त होने से बचाया गया था, असल में उन घोड़ों के वंशज हैं जिन्हें साढ़े पांच हजार साल पहले उत्तरी कज़ाकस्तान में रहने वाले बोताई संस्कृति के लोगों ने पालतू बना लिया था। रिसर्च में सामने आया कि बोताई संस्कृति में घोड़ों को पालतू बनाने के सबसे पुराने प्रमाण मिलते हैं। युनिवर्सिटी ऑफ कैन्सस की सैन्ड्रा ओल्सन, जो इस शोध में शामिल हैं, ने कहा कि ''वास्तविक जंगली घोड़े हजारों साल पहले तो नहीं, लेकिन कुछ साल पहले अवश्य ही लुप्त हो गए थे। पर हमें यह सत्य अभी पता चला है।'' शोधकताओं ने बताया कि बोताई आदिवासियों द्वारा पालतू बनाए गए कुछ घोड़े जंगल में भाग गए थे और यही शिवाल्स्की घोड़े थे। इंसान और घोड़ों का संबंध सैकड़ों साल पुराना है और घोड़ों को पालतू बनाना एक महत्वपूर्ण खोज थी। पांच सौ साल पुराने ताम्र युग से लेकर स्टीम इंजन की शुरुआत तक घुड़सवारी ही यातायात का सबसे तेज रफ्तार जरिया थी। मोटर कार आने के बाद यातायात के लिए घोड़ों का इस्तेमाल कम हुआ। इंसान की गतिशीलता, व्यापार और युद्ध कौशल में घोड़े से ही नई क्रांति आई थी।

इकोनॉमिक सर्वे इस बार रहस्यमय उलझन है, जो पहेली के लिहाफ में लिपटी है

केन्द्रीय सरकार की रैवेन्यु (आमदनी) में, उदाहरण के लिये, अप्रेल-नवम्बर में 67.2 प्रतिशत ग्रोथ हुई, जबकि 2020-21 के बजट में केवल 9.6 प्रतिशत ग्रोथ की आशा की गयी थी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। संसद में आज पेश किए गए आर्थिक सर्वे के बारे में कहा जा रहा है कि, यह रहस्य में लिपटी एक पहेली है।

सर्वे, अर्थव्यवस्था की एक उत्साहित तस्वीर पेश करता है और अच्छे टैक्स कलैक्शन की शोखी बघारता है, लेकिन जिन सैक्टर्स से टैक्स का अधिकांश कलैक्शन हुआ है, उनमें बस महामारी पूर्व के स्तर की ही रिकवरी बनी हुई है।

इण्डस्ट्रियल सैक्टर में गत वर्ष अप्रैल और नवम्बर माह के दौरान 17 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान किया गया है, लेकिन इसमें उसके पहले वाले साल में रहे 15 प्रतिशत से अधिक के संकुचलन की ही भरपायी हुई।

इण्डस्ट्रियल सैक्टर जी.डी.पी. का 28 प्रतिशत और सर्विस सैक्टर का 53 प्रतिशत है, अतः इनका संयुक्त प्रभाव काफी महत्वपूर्ण है। सर्विस सैक्टर वैश्विक महामारी से सर्वाधिक जो प्रभावित हुआ है, खासतौर पर वो खण्ड जो मानव सम्पर्क पर निर्भर हैं।

इस सैक्टर में पिछले वर्ष रहे 8.4 प्रतिशत के संकुचलन की तुलना में इस (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दूसरी ओर टैक्स कलैक्शन में जिनका अधिकांश योगदान होता है, वो सैक्टर अभी तो केवल प्री-पैन्डैमिक स्टेज (महामारी से पहले की स्थिति) तक पहुंचे ही हैं।
- अतः अहम् सवाल है, इकॉनमी में यह ग्रोथ कहां से आयी?
- सरकार की ओर से मुख्य इकोनॉमिक सलाहकार, संदीप सन्याल ने इस सवाल के जवाब में कहा, ''भारत की इकॉनमी पर ''रिकवरी'' (उछाल) का कारण है, जिस रचनात्मक व तत्परता से सराकर ने महामारी पर नियंत्रण पाने के लिये कदम उठाये।
- पर जानकार लोगों का कहना है, देश के उद्यमी, उद्योगपतियों की बेसिक ''एनिमल स्पिरिट'' है, जिसने इकॉनमी को खड्डे में धंसने से रोका, अतः आगामी बजट में ऐसे निर्णय और प्रयास दिखने चाहिये कि, सरकार इस ''एनिमल स्पिरिट'' को मजबूती प्रदान करे, कमजोर न करे।
- इस ''एनिमल स्पिरिट'' का प्रतीक हैं ''स्टार्टअप''। भारत अभी ''स्टार्टअप्स'' की दृष्टि से दुनिया में तीसरे नम्बर पर है, चीन व अमेरिका के बाद।

बघेल को अखिलेश यादव के खिलाफ खड़ा करेगी भाजपा

बघेल, कभी सपा में होते थे पर, फिर भाजपा में आ गये और अखिलेश की पत्नी को चुनाव में हराया था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। भाजपा ने सन्निकट उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में अखिलेश यादव के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिये केन्द्रीय विधि राज्यमंत्री एस.पी.सिंह बघेल को मैदान में उतारा है।

पिछड़े वर्ग के बघेल, जो आगरा से लोकसभा सांसद हैं, जाति के गड़रिया हैं। वे कभी समाजवादी पार्टी में थे, और बाद में उन्होंने अखिलेश यादव की पत्नी डिम्पल को पराजित किया था।

मेहनतकश नेता बघेल की छवि ईमानदार एवं प्रतिबद्ध नेता की है। वे योगी सरकार में मंत्री थे लेकिन बाद में उनका चयन आगरा से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिये किया गया, जहाँ से वे चुनाव जीत गए। मंत्रिमण्डल के पिछले फेरबदल में, उत्तर प्रदेश चुनावों को मद्देनजर रखते हुये, वे मंत्री बना दिये गये थे। उस समय उत्तर प्रदेश के कई सांसद मंत्री बनाये गये थे।

बघेल को अखिलेश के खिलाफ खड़ा करने का मुख्य उद्देश्य, समाजवादी नेता को उनके चुनाव क्षेत्र में ही उलझाये रखने का है। अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के संभवतः ऐसे इकलौते स्टार प्रचारक हैं, जो भारी भीड़ खींच रहे हैं तथा बहुत चुस्त प्रचार अभियान चला रहे हैं।

जाट वोट बैंक को गठबंधन में वापस लाने के लिये, उन्होंने जयन्त चौधरी के साथ चुनावी गठबन्धन किया है। इसके अलावा, बड़ी संख्या में यू.पी. के जातीय नेताओं के साथ गठबन्धन भी किया है, जिससे उन्हें मदद मिलेगी।

पिछड़े वर्ग के कई वरिष्ठ नेतागण भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो ही गये हैं।

याद रखने योग्य बात यह है कि, पिछले चुनावों में पिछड़ा वर्ग एकजुट (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- बघेल बैकवर्ड समाज के हैं और परिश्रमी व ईमानदार होने की प्रतिष्ठा है।
- वे योगी सरकार में मंत्री थे, पर फिर आगरा से उन्हें सांसद का चुनाव लड़ाया गया और फिर जीतने के बाद केन्द्रीय मंत्री बनाया, यू.पी. में आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए।
- भाजपा की मंशा है कि, बघेल की सशक्त उम्मीदवारी से अखिलेश अपने चुनाव क्षेत्र में बंध कर रह जायेंगे।
- अखिलेश फिलहाल सबसे सक्रिय नेता हैं सपा में, जिन्होंने कई छोटी-छोटी पार्टियों से हाल ही में गठबंधन किया है। जयंत चौधरी से गठबंधन कर, जाटों को सपा के नजदीक लाये हैं। पर, अगर वे इन गठबंधनों को क्रियान्वित करने के लिये उपलब्ध नहीं हुए तो, सपा काफी दिक्कत में आ सकती है।

आम सभाओं पर लगे प्रतिबंध कुछ ढीले हुए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। चुनाव आयोग ने सोमवार को राजनैतिक दलों या चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों की खुले स्थानों पर होने वाली जन सभाओं में लोगों की अधिकतम संख्या को 500 से बढ़ाकर 1000, अथवा मैदान की क्षमता का 50 प्रतिशत, या स्टेट डिज़ास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एस.डी.एम.ए.) द्वारा निर्धारित सीमा, जो भी कम हो, की अनुमति प्रदान कर दी है। एक फरवरी से लागू होने वाली यह वृद्धि मतदान के सभी चरणों के लिये है।

आयोग ने घर-घर प्रचार में शामिल लोगों की संख्या भी बढ़ाकर 10 (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- चुनाव आयोग के नये आदेशों के अनुसार अब आमसभाओं में एक हजार व्यक्ति भाग ले सकेंगे, एक फरवरी से।
- डोर-टू-डोर प्रचार में 10 व्यक्तियों की सीमा को बढ़ा कर 20 की।

कांग्रेस-आर.जे.डी. गठबंधन टूटने के कगार पर

तेजस्वी यादव ने संकेत दिये कि, आगामी विधानसभा चुनाव में दोनों पार्टियों में सीटों के बंटवारों पर कोई समझौता नहीं होगा

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। जहाँ उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने ''एकला चलो'' की नीति अपना रखी है, वहीं पड़ोसी राज्य बिहार में भी, पार्टी इसी प्रकार की प्रवृत्ति एवं स्थिति को विकसित करती प्रतीत हो रही है।

लालू यादव-सोनिया गांधी की नजदीकी में आई कमी के चलते, कांग्रेस और आर.जे.डी. का लम्बे समय से चला आ रहा गठबंधन निष्फल एवं समाप्त हो रहा है। हाल ही में तेजस्वी यादव ने, राज्य की 24 विधान परिषद सीटों के आगामी चुनाव के लिये कांग्रेस पार्टी के साथ सीटों की साझेदारी की संभावना को खारिज कर दिया है।

दोनों ही पार्टियों के संबंध, पिछले अक्टूबर से ही डांवाडोल हैं, जब आर.जे.डी. ने उन दोनों विधानसभा सीटों, जहाँ उप चुनाव हुये थे, के लिये उम्मीदवार खड़े करने का निर्णय एकतरफा तथा अपने ही स्तर पर ले लिया था। अब तेजस्वी यादव ने घोषणा कर दी है कि उनकी पार्टी विधान परिषद सीटों पर चुनाव अपने ही बलबूते पर लड़ेगी। उन्होंने आगे कहा कि, आर.जे.डी. यह स्पष्ट कर चुकी है कि वह राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस का समर्थन करेगी। उन्होंने पूछा, ''इससे ज्यादा और क्या हो सकता है।''

कांग्रेस को इस तथ्य से सांत्वना मिल सकती है कि, सत्तारूढ़ पार्टी गठबंधन में भी गड़बड़ी है। एन.डी.ए. पार्टनर तथा विकासशील इंसान पार्टी प्रमुख, मुकेश साहनी उस फॉर्मूले से नाखुश बताये जाते हैं, जो भाजपा और जे.डी.यू. के बीच तैयार हुआ है। फॉर्मूले के अनुसार यह निर्णय लिया गया है कि, भाजपा तथा जे.डी.यू. क्रमशः 12 एवं 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी तथा 1 सीट पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व वाले एल.जे.पी. खेमे के लिये छोड़ दी जायेगी। साहनी ने अभी हाल में ही घोषणा की है, कि ''विकासशील इंसान पार्टी (वी.आई.पी.) विधान परिषद की सभी 24 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। मैं (एन.डी.ए.) दिखा दूंगा कि निषाद समुदाय क्या कर सकता है।'' उन्होंने आरोप लगाया है कि एन.डी.ए. नेतृत्व ने उनके प्रति निरादर दिखाया है। उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी वाड्रा के उत्साही (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हालांकि, यादव ने यह भी स्पष्ट किया कि, राष्ट्रीय स्तर पर लालू यादव की पार्टी, आर.एल.डी. कांग्रेस के साथ रहेगी।

'मैंने गांधी को क्यों मारा'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को उस याचिका पर विचार करने से इंकार कर दिया, जिसमें फिल्म ''वाय आई किल्ड गांधी'' (मैंने गांधी को क्यों मारा) या उसके (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने, महात्मा गांधी की हत्या के बाद चले मुकदमे की थीम पर बनायी गयी फिल्म पर रोक लगाने से इंकार किया।

'एयर इण्डिया को टाटा़ज़ को बेचने से पैसा तो मिला ही, सरकार की ''प्राइवटाइज़ेशन'' की मुहिम को बहुत मजबूती मिली'

निर्मला सीतारमन, वित्त मंत्री ने संसद में यह दलील देते हुए कहा, ''महामारी में सबसे बड़ा झटका ''सर्विस सैक्टर'' को लगा, जहां ''मानव से मानव का स्पर्श'' नियमित तौर पर होता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा सोमवार को लोक सभा के पटल पर रखा गया आर्थिक सर्वे यह रेखांकित करता है कि टाटा को किया गया एयर इण्डिया का विनिवेश ना केवल विनिवेश प्राप्तियां संचित करने में बल्कि निजीकरण अभियान में तेजी लाने के संदर्भ में भी विशेष महत्वपूर्ण रहा है।

इसमें कहा गया है कि वैश्विक महामारी से सर्विस सैक्टर सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ, खासतौर पर इसके वे भाग जिनमें मानव सम्पर्क जरूरी होता है। पिछले वर्ष हुए 8.4 प्रतिशत के संकुचन (कॉन्ट्रैक्शन) के बाद अब इस वित्त वर्ष में इसमें 8.2 प्रतिशत की वृद्धि करने का अनुमान है।

आर्थिक सर्वे कहता है कि घर खरीदने के लिए यह सबसे अच्छा समय है। इसको लेकर उसके तर्क यह हैं:

-आवासों की बिक्री बढ़ाने के लिए दिल्ली, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र जैसी कई राज्य सरकारों ने सर्किल रेट्स और स्टाम्प शुल्कों में कमी की हुई है।

-कोविड-19 की पहली लहर के दौरान आवास बिक्री के लेन-देनों में करीब-करीब सभी शहरों में कमी आयी थी। तथापि, कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान मुम्बई, थाणे, पुणे, नोएडा, हैदराबाद और बैंगलुरू जैसे कई शहरों में आवासन लेन-देनों में, महामारी के पूर्व के स्तर की तुलना में इजाफा हुआ था।

-गांधी नगर, अहमदाबाद, चेन्नई, रांची, दिल्ली और कोलकाता जैसे शहरों में महामारी पूर्व के स्तरों की तुलना में कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान आवासन लेन-देनों में कमी देखी गई। हालांकि यह कमी कोविड-19 की पहली लहर के दौरान रही कमी से काफी कम रही।

आर्थिक सर्वेक्षण में जिस महत्वपूर्ण थीम पर चर्चा की गई वह है ''प्रोसैस रिफॉर्म्स''। विनियमन और सुधारों की प्रक्रिया के बीच अन्तर आना महत्वपूर्ण है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि विनियमन का संबंध एक गतिविधि विशेष से सहकार के संचालन को क्रय करना अथवा हटाना है, जबकि सुधारों की प्रक्रिया का संबंध उन गतिविधियों की क्रियाविधि को सरल और सुकर बनाना है, जहां एक व्यवस्थापक अथवा नियामक के रूप में सरकार की उपलब्धि अनिवार्य होती है। सर्वे में इस पर जोर दिया गया है कि, भारत में अमेरिका और चीन के बाद स्टार्टअप का तीसरा सबसे बड़ा ईको सिस्टम है। इसमें ध्यान दिलाया गया है कि, वर्ष 2016-17 में जहां 733 स्टार्ट अप्स थे, वहीं वित्तीय वर्ष 2021-22 में 14 हजार नए स्टार्ट अप्स और जुड़े। वर्ष 2021 में भारतीय स्टार्ट अप्स की 44 रेकॉर्ड संख्या ने यूनिकॉर्न दर्जा प्राप्त किया, जिससे भारत में यूनिकॉर्न्स की कुल संख्या 83 हो गई। इनमें से अधिकांश स्टार्ट-अप्स सर्विस सैक्टर से हैं।

सर्वे में कहा गया है कि सारी दुनिया में ओमक्रॉन वैरिएन्ट के रूप में नई लहर फैल रही थी, अधिकांश देशों में महंगाई बहुत बढ़ गई थी तथा प्रमुख केन्द्रीय बैंक नकदी की वापसी के चक्र को शुरू कर रहे थे।

सर्वे इस बात को रेखांकित करता है कि यही कारण है कि भारत की मैक्रो इकोनॉमिक स्थिरता संकेतकों तथा उपरोक्त तनावों के खिलाफ प्रतिरोध उपलब्ध कराने की उनकी क्षमता पर नजर डालना खासतौर से महत्वपूर्ण है।

इकोनॉमिक सर्वे कहता है कि, भारतीय अर्थव्यवस्था 2022-23 की चुनौतियों का सामना करने के लिये अच्छी तरह तैयार है क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था विलक्षण जवाब देने की रणनीति के कारण, बहुत अच्छी स्थिति (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- निर्मला सीतारमन ने यह भी कहा कि, घर खरीदने का यह सबसे अच्छा समय है, जायदाद की खरीद-फरोख्त एकदम बंद सी हो गई थी, महामारी की प्रथम वेव में, पर अब यह गतिविधि पुनः शुरू हो गयी है।
- द्वितीय वेव में खरीद-फरोख्त कुछ कम हुई थी, पर उतनी नहीं जो प्रथम वेव के दौरान हुई थी।
- वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि, भारत में महामारी के दौरान ''रिफॉर्म्स'' हुए, जिससे स्टार्टअप खूब पनपे। ये रिफॉर्म ''डिमाण्ड'' को घटाने बढ़ाने के लिये नहीं थे, बल्कि ''सप्लाई साइड'' के रास्ते में अवरोधकों को कम करने के लिये थे।

भण्डारी मद्रास हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। सर्वोच्च न्यायालय कोलिजियम ने मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मुनीश्वरनाथ भण्डारी, जिन्होंने अपनी न्यायिक सेवा राजस्थान से ही शुरु की थी, को मुख्य न्यायाधीश बनाये जाने, तथा 17 अन्य लोगों को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मुनीश्वर नाथ भण्डारी राजस्थान के निवासी हैं, यहां ही ज्यूडिशरी से जुड़े थे।

'हम जहां दो साल पहले थे, अब वहीं पहुंचे हैं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। पूर्व केन्द्रीय वित्त मंत्री, पी. चिदम्बरम ने इकॉनॉमिक सर्वे में बार-बार दोहराई जा रही बात, कि 2021-22 के अन्त में, अर्थव्यवस्था सुधर कर, महामारी के पूर्व की स्थिति (2019-20) में पहुँच जायेगी, का विश्लेषण किया है।

उन्होंने कहा कि, सीधी भाषा में इसका अर्थ यह है कि 31.3.2022 को जी.डी.पी. उसी स्तर पर होगी, जिस पर 31.3.2020 को थी। इसका अर्थ यह है कि 31.3.2020 को हम जहाँ थे, वहाँ लौटने में हमको दो साल लग गये हैं।

चिदम्बरम ने आगे जोर देते हुये कहा कि, इन दो सालों ने लोगों को कंगाल कर दिया है; (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम ने इकोनॉमिक सर्वे का तीखा विश्लेषण किया।

विचार बिन्दु

नम्रता तन की शक्ति, जीतने की कला और शौर्य की पराकाष्ठा है। –विनोबा

युवाओं के साथ खिलवाड़ बंद कीजिए

भारत विश्व का सबसे युवा देश है और यहां पर युवाओं की संख्या विश्व में सर्वाधिक है। इसी युवा शक्ति का गुणगान करते हुए देश के सभी नेता गण सदैव यह कहते रहे हैं कि इसी के बल पर देश तेजी से प्रगति करेगा और विश्व गुरु का अपना पुराना स्थान प्राप्त करेगा। यह बात सही भी है कि युवाओं के पास अथाह ऊर्जा होती है और यदि उन्हें सही दिशा में लगाया जाए तो वे देश को तीव्र गति से प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा सकते हैं।

देश में सरकारें, केंद्र सरकार हो अथवा राज्य सरकार, उनके साथ जैसा बर्ताव कर रही हैं, वह शनैः शनैः युवाओं को देश के लिए उपयोगी ताकत के स्थान पर ऐसे आक्रोशित समूह के रूप में परिवर्तित कर रहे हैं जो दिशाहीन है।

आइए, समझने का प्रयास करें कि युवाओं में आक्रोश बढ़ने का कारण क्या है?

सबसे पहले तो युवाओं को अच्छी पढ़ाई की आवश्यकता होती है। एक मध्यम वर्गीय परिवार का युवा, आसानी से तकनीकी क्षेत्र में अथवा अन्य क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकता। अपने घर के युवाओं को उच्च शिक्षण संस्थान में भेजने के लिए कई बार माता पिता को अपनी खेती की भूमि गिरवी रखनी पड़ती है, अथवा संपत्ति बेचने होती है। इतना खर्चा करने के पश्चात जब युवा शिक्षण संस्थानों से निकलता है तो उसकी आशा होती है कि वह अच्छी कमाई करे ताकि वह गरिमामय जीवनयापन करने योग्य बन सके।

वह एवं उसके माता-पिता आशा करते हैं कि वह अब व्यवस्थित रूप से अपना जीवन व्यतीत कर पाएगा। तकनीकी शिक्षण संस्थाओं में एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थाओं में गत वर्षों में निजीकरण को बढ़ावा देने के कारण, फीस में अत्यधिक वृद्धि हुई है। कई बार उसे इस राशि की व्यवस्था कर्जा लेकर करनी होती है। वह यह सोच कर ऐसा करता है कि सम्भवतः अच्छा रोजगार प्राप्त होने पर वह इसे चुका पाएगा।

सरकारी नौकरी के लिए देश भर में करोड़ों आवेदन प्राप्त होते हैं। सरकारी नौकरी की तलाश में युवा अपने जीवन के कई बहुमूल्य वर्ष बिता देते हैं, क्योंकि अधिकांश भर्ती प्रक्रियाएं पेपर लीक होने या अन्य कारणों से न्यायिक प्रक्रिया में उलझने के कारण पांच से सात वर्षों तक अटकी रहती हैं।

सरकार हालांकि बार-बार यह कहती रही है युवाओं को नौकरी देने वाला बनना चाहिए ना कि नौकरी की तलाश करने वाला। यह सीख सही भी है, किंतु जिस प्रकार की शिक्षण व्यवस्था देश में है, उसे पूरी करने के बाद यदि वह कोई अच्छा व्यवसाय प्रारंभ करने लायक नहीं बन सकता है या उसमें कोई हुनर विकसित नहीं होता है, तो इसकी जिम्मेदारी युवाओं पर डालना उचित नहीं होगा। यदि सरकार शिक्षा व्यवस्था में उपयुक्त परिवर्तन करने में सफल नहीं हुई, तो इसमें युवाओं का क्या दोष है?

राजस्थान की शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट) में लगभग 16 लाख परीक्षार्थी बैठे। परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने के समाचार परीक्षा के दिन ही प्राप्त होने लगे थे। पुलिस द्वारा गठित विशेष ऑपरेशन ग्रुप कई दिनों की जांच के पश्चात इस नतीजे पर पहुंचा है कि प्रश्न पत्र लीक हुआ था। अर्थात परीक्षा से पहले ही प्रश्न पत्र बाहर आ चुका था। शायद यही कारण था कि कुछ विद्यार्थियों को 150 में से 146 अंक तक प्राप्त हुए। किसी भी प्रतियोगिता परीक्षा में इतने अधिक अंक प्राप्त होना लगभग असंभव है। स्पष्ट है, जब प्रश्न पत्र परीक्षा से पहले पता हो, तब ही, इतने अंक प्राप्त किए जा सकते हैं। बेरोजगार शिक्षित युवा वर्षों तक इन परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, कोचिंग में हजारों रुपए खर्च करते हैं और उसके बाद अपनी योग्यता अनुसार परीक्षा में अंक प्राप्त नहीं कर पाए, तो उनका ठगे हुए महसूस करना स्वाभाविक है।

जब पेपर लीक होने का संदेह उत्पन्न हो गया तो तत्काल ही इस परीक्षा को निरस्त कर दोबारा परीक्षा करानी चाहिए थी ।ऐसा ना करके, उसने योग्य विद्यार्थियों के साथ घोर अन्याय किया है। पुलिस जांच में यह सामने आया है कि लाखों-करोड़ों रुपए के लेनदेन से प्रश्न पत्र लीक कराया गया एवं उसे हजारों व्यक्तियों तक परीक्षा से पूर्व ही पहुंचा दिया गया ।यह संभव नहीं है कि उच्च स्तर पर संरक्षण के बिना इस प्रकार प्रश्न पत्र लीक हो जाए। दुर्भाग्य की बात है कि अभी तक किसी भी उच्च स्तर के अधिकारी को इस प्रकरण में गिरफ्तार नहीं किया गया है। सरकार को यह चाहिए कि वह परीक्षा निरस्त करके पूरा प्रकरण सी बी आई को सौंप दे।

अब भी सरकार के पास समय है कि वह युवाओं से सहानुभूति पूर्वक व्यवहार करे। उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों को निष्पक्ष रूप से संवेदनशीलता अपनाते हुए दिखलाये। सरकारें भर्ती, केवल और केवल योग्यता के आधार पर करना सुनिश्चित करें। परीक्षा संचालन का काम ऐसे लोगों को सौंपा जाए जिनकी ईमानदारी संदेह से परे हो।

भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया में आमूल चूल परिवर्तन करने की आवश्यकता है ताकि परीक्षा की निष्पक्षता एवं पवित्रता बनी रहे। प्रत्येक प्रश्नपत्र में प्रश्नों का क्रम अलग हो सकता है जिससे सामुहिक नकल नहीं हो सके। इसी प्रकार, प्रश्न ऐसे बनाए जा सकते हैं जिनका उत्तर किताब देखकर भी आसानी से देना सम्भव न हो। प्रश्न पत्र एक घंटा पहले ही परीक्षा केंद्र पर भेजा जाय तो लीक होने की संभावना समाप्त हो जाएगी। इस वर्ष केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने ऐसा किया भी था।

तकनीकी विकास के कारण ऐसा करना सम्भव हुआ है। उत्तर प्रदेश में भी इसी प्रकार के परीक्षा में प्रश्न पत्र लीक होने का मामला सामने आया था। वहां की सरकार ने परीक्षा को निरस्त किया, कई लोगों को तत्काल गिरफ्तार कर जेल में डाला एवं उनकी संपत्ति पर बुलडोजर चलाकर उन्हें नष्ट भी किया।

इस लीक हुए प्रश्न पत्र के प्राप्तांक के आधार पर परीक्षार्थियों को नियुक्ति देने की प्रक्रिया भी शिक्षा विभाग ने प्रारंभ कर दी है। विवाद में आए बोर्ड अध्यक्ष को विलंब से ही सही, सरकार ने बर्खास्त कर दिया है। बोर्ड के अध्यक्ष की कार्य प्रणाली प्रारंभ से ही संदेह के घेरे में रही है। उन्होंने एक निजी महाविद्यालय के कर्मचारी को परीक्षा के प्रश्न पत्र से संबंधित गोपनीय कार्य में क्यों लगाया? लाखों परीक्षार्थियों के, जो दो-तीन साल व्यर्थ हुए, उसकी भरपाई कोई भी किस प्रकार कर सकेगा?

इसी प्रकार की स्थिति हाल ही में रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड (आरआरबी) द्वारा विभिन्न पदों के लिए आयोजित भर्ती परीक्षाओं के संबंध में उत्पन्न हुई है। लगभग डेढ़ करोड़ परीक्षार्थियों ने आवेदन किया। आश्चर्य की बात तो यह है कि इस परीक्षा के लिए जो विज्ञापन निकाला उसके साथ जो नोटिस जारी हुआ वह 70 से भी अधिक पृष्ठों का था ।इतना विस्तृत और जटिल दस्तावेज किसी भी व्यक्ति के लिए समझना संभव नहीं है। क्या रेलवे बेरोजगारों के लिए कोई सरल भाषा में संक्षिप्त विज्ञप्त नहीं जारी कर सकती थी? न केवल यह, विज्ञापन जारी होने के पश्चात, परीक्षा में बैठने के लिए पात्रता में भी बदलाव किया। परिणाम घोषित करने के बाद यह आरोप भी लग रहा है कि जितने लोगों को सफल घोषित किया जाना चाहिए था उनमें से 50 प्रतिशत को भी नहीं किया गया। इसी प्रकार पहले एक ही स्तर की परीक्षा होनी थी जिसे दो स्तर की परीक्षा बना दिया गया। क्या यह बेरोजगार छात्रों के साथ मजाक नहीं है कि वह जिस परीक्षा के लिए आवेदन कर रहे हैं उसकी शर्तों में समय-समय पर इस प्रकार के बदलाव किए जाएं कि अनिश्चितता और बढ़ जाए?

इसी प्रकार के कुछ अन्य विवादों के फल स्वरुप रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड की परीक्षा संदेह के घेरे में आ गई है। जो बेरोजगार ,वर्षों से तैयारी कर रहे थे, अब निराश एवं असंतुष्ट होकर सड़कों पर उतर आए हैं और आंदोलन कर रहे हैं। इस संबंध में कुछ कोचिंग संस्थानों के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज कर कार्रवाई की गई है। यदि कोचिंग संस्थान के संचालकों में से किसी ने रेलवे के निर्णय मे हुई अनियमितताओं की ओर ध्यान दिलाते हुए कोई ट्वीट किया और उसे लगभग 80 लाख परीक्षार्थियों ने पुनः ट्वीट किया तो इसे एफ.आई.आर. का आधार क्यों माना जा रहा है? गांधी के देश में, जहां अन्याय के विरुद्ध सत्याठाह को अत्यावश्यक अंग माना गया, वहीं ऐसा करने वाले के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाए, उसे किसी भी रूप में उपयुक्त नहीं कहा जा सकता है।

जिन व्यक्तियों द्वारा समस्या उत्पन्न की गई उनके विरुद्ध कार्रवाई ना करके जो पीड़ित बेरोजगार युवा हैं उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। खान सर जैसे प्रसिद्ध शिक्षक जो इन परीक्षार्थियों के साथ खड़े हैं, उन्हीं के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। आंदोलनरत बेरोजगार युवाओं को पुलिस ने हॉस्टल में घुसकर बुरी तरह पीटा। बेरोजगार युवकों ने भी आक्रोश में भरकर रेलवे ट्रैक पर आकर रेलों आवागमन बंद कर दिया। इन्हीं में सम्मिलित कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा रेलवे की संपत्ति को नुकसान भी पहुंचाया गया, जिसे किसी भी दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता। रेलवे ने एक विज्ञप्त के द्वारा भविष्य में रेलवे में किसी भी प्रकार की भर्ती के लिए ऐसे छात्रों को अपात्र माना है जो आंदोलन में भाग ले रहे हैं। कार्रवाई करनी किसके विरुद्ध थी और की किसके विरुद्ध जा रही है?

ऐसा लगता है जैसे सभी सरकारें युवाओं के सब्र की परीक्षा ले रही है। सरकारों को यह समझना होगा कि जब बेरोजगारी चरम पर हो तो युवाओं के सब्र का बांध कभी न कभी टूट ही जाएगा।

सरकारों को व्यवस्था में सुधार करना होगा। एक ओर विभिन्न विभागों में लाखों पद रिक्त है वहीं दूसरी ओर लाखों-करोड़ों योग्य युवा बेरोजगार हैं। समय की मांग है कि सरकारों में नियुक्तियां समय पर निष्पक्ष रूप से एवं संदेह से परे की जायें। सरकार यह सलाह देना बंद करें कि युवा सरकारी नौकरी के स्थान पर अपना स्वरोजगार क्यों नहीं कर लेते? यह स्थिति तब बनेगी, जब शिक्षा पद्धति ऐसे युवा तैयार करेगी जो किसी न कौशल में दक्ष हों। कोई नहीं चाहता कि अपने जीवन को दांव पर लगाकर किसी प्रकार का कोई आंदोलन सरकार के विरुद्ध करे, किंतु जब सरकार संवेदनहीनता की हदें पार करेगी तो हम, वर्षों से बेरोजगार युवाओं से क्या अपेक्षा कर सकते हैं?

अब भी सरकार के पास समय है कि वह युवाओं से सहानुभूति पूर्वक व्यवहार करें। उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों को निष्पक्ष रुप से संवेदनशीलता अपनाते हुए दिखलायें। सरकारें भर्ती, केवल और केवल योग्यता के आधार पर करना सुनिश्चित करें। परीक्षा संचालन का काम ऐसे लोगों को सौंपा जाए जिनकी ईमानदारी संदेह से परे हो। जो व्यक्ति परीक्षा संबंधी किसी भी प्रकार की अनियमितता में लिप्त पाए जाएं उनके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाए चाहे। वह किसी भी स्तर का अधिकारी अथवा जनप्रतिनिधि क्यों ना हो ,एक बार कठोरतम कार्रवाई का संदेश लोगों में चला जाएगा तो किसी की हिम्मत नहीं है कि वह युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का दुस्साहस करें। सरकार रिक्त पदों हेतु समयबद्ध कार्यक्रम जारी करे एवं यह सुनिश्चित करे कि विज्ञप्त और नियुक्ति में अन्तर एक वर्ष से अधिक न हो। यदि सरकारों ने अब भी युवाओं की बेरोजगारी की समस्या को गंभीरता से नहीं लिया तो युवा वर्ग का आक्रोश लावा बनकर कब फ़ूट पड़ेगा, कह नहीं सकते।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

चुनावों में मुफ्त उपहार लोकतंत्र के लिए हितकारी नहीं

बाल मुकुंद ओझा

चुनावों के दौरान सरकारी कोष से जनधन को लुटाने के मामले देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गए है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड के विधानसभा चुनावों में मुफ्त की बारिश हो रही है। राजनैतिक पार्टियों द्वारा मत हासिल करने के लिए राजकीय कोष से मुफ्त सुविधाएं देने का प्रकरण सियासी हलकों में गर्माने लगा है। देश के बुद्धिजीवि जमात का मानना है इससे हमारे लोकतंत्र की बुनियाद हिलने लगी है। अब इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त हो गया है। मुख्य न्यायाधीश ने एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए कहा, 'यह एक गंभीर मुद्दा है और मुफ्त वितरण का बजट नियमित बजट से अलग होता है। भले ही यह भ्रष्ट काम नहीं है, लेकिन यह मैदान में असमानता तैयार करता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को भेजे नोटिस के मुताबिक केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को तय करना है कि जो राजनीतिक पार्टियां चुनाव के दौरान जनता के पैसे से यानी पब्लिक फंड से मुफ्त घोषणाएं करती हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई को लेकर गाइडलाइंस तय हों। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई एक जनहित याचिका में ऐसे राजनीतिक दलों के रजिस्ट्रेशन रद्द करने और उनके चुनाव चिन्ह जब्त करने की मांग की गई है, जो मतदाताओं को मुफ्त में सुविधाएं देने के वादे कर रहे हैं।

इस याचिका में कहा गया है कि राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए पब्लिक फंड से चुनाव से पहले वोटरों को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार देने का वादा करने या मुफ्त उपहार बांटना स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के खिलाफ है। इससे चुनाव प्रक्रिया प्रदूषित होती है। याचिकाकर्ता ने कहा कि इससे चुनाव मैदान में एक समान अवसर के सिद्धांत प्रभावित होते हैं। याचिका में याचिकाकर्ता ने कहा है, कि अब वह समय दूर नहीं, जब एक राजनीतिक दल कहेगा कि 'हम आपके आवास में आपके लिए खाना बनाएंगे'। जबकि, दूसरा यह कहेगा कि 'हम न केवल खाना बनाएंगे, बल्कि आपको खिलाएंगे भी।' देखा गया है चुनावों में सभी दल लोकलुभावन वादों के जरिए दूसरे दलों से आगे निकलने की जुगत में हैं। आम आदमी पार्टी मुफ्त सुविधाएं देने के वादों में सबसे आगे है। यह पार्टी मतदाताओं को मुफ्त बिजली पानी आदि लुभावनी घोषणाएं कर दिल्ली में सत्ता हासिल कर चुकी है। आप ने पंजाब में सत्ता में आने पर 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा की है। कुछ अन्य राज्यों के चुनावों में भी इसी तरह की घोषणाएं की गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी सत्ता में आने पर किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने का वादा किया है। उन्होंने सभी घरों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का भी वादा किया। कांग्रेस ने यूपी में लड़कियों के लिए स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन, विधवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए पेंशन में वृद्धि, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि, राज्य में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, साल में तीन मुफ्त गैस सिलेंडर देने की घोषणा की है। याचिका दाखिल करने वाले एक वकील अश्विनी उपाध्याय ने पंजाब के संदर्भ में कहा कि आम आदमी पार्टी के राजनीतिक वादों को पूरा करने के लिए प्रति माह 12,000 करोड़ रुपये की जरूरत है, शिरोमणि अकाली दल के सत्ता में आने पर प्रति माह 25,000 करोड़ रुपये और कांग्रेस के सत्ता में आने पर 30,000 करोड़ रुपये की जरूरत पड़ेगी। जबकि सच्चाई यह है कि राज्य में जीएसटी संग्रह केवल 1400 करोड़ है। याचिकाकर्ता का कहना है कि सच्चाई यह है कि कर्ज चुकाने के बाद पंजाब सरकार कर्मचारियों- अधिकारियों के वेतन-पेंशन भी नहीं दे पा रही है तो ऐसे में वह मुफ्त उपहार देने का वादा कैसे पूरा करेगी? याचिकाकर्ता का कहना है कि कड़वा सच यह है कि पंजाब का कर्ज हर साल बढ़ता जा रहा है। राज्य का बकाया कर्ज बढ़कर 77,000 करोड़ रुपये हो गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में ही 30,000 करोड़ रुपये का कर्ज है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश में राजस्व प्राप्ति की तुलना में सरकार का खर्च 90,730 करोड़ रुपये ज्यादा है। पिछले साल यह घाटा 80,850 करोड़ रुपये रहा था। घाटा हर साल बढ़ रहा है। सरकार द्वारा भरे जाने वाले ब्याज का स्तर 82,400 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। अगर उत्तर प्रदेश में खर्च का आकलन करें, तो वेतन, पेंशन एवं ब्याज भुगतान पर कुल खर्च 2.56 लाख करोड़ रुपये है। यह राज्य के कुल बजट के करीब आधे के बराबर है। बताते हैं चुनावी लोकतंत्र में मुफ्त उपहार की परंपरा तमिलनाडु से शुरू हुई थी। तमिलनाडु में अन्ना द्रमुक की नेत्री जय ललिता ने मुफ्त उपहार बांट कर द्रमुक से सत्ता छीनी थी। वहां पहले मोबाइल, टीवी सेट, डिनर सेट, हैदराबादी मोती के सेट बंट चुके हैं। पिछले अनेक चुनावों में मुफ्त उपहार और सुविधाएं देने की एक परंपरा सी पड़ गई। मतदाता भी ऐसी घोषणाओं का इंतज़ार करते हैं जो किसी भी स्थिति में लोकतंत्र के हितकारी नहीं कहा जा सकता।

–बाल मुकुंद ओझा
(वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार)

महानता के मायाजाल का यथार्थ!

डॉ रामावतार शर्मा

लोगों में सदा से एक बात देखी गई है कि वे एक ऐसे व्यक्तित्व की तलाश में रहते हैं जिस पर वे मुग्ध हो सकें, उसको पूजनीय मान सके, देवतुल्य समझ सकें। अब यही व्यक्ति देश नायक होगा, धर्म रक्षक होगा, संस्कृति संरक्षक होगा, युग पथप्रदर्शक होगा और न जाने क्या क्या होगा! इस व्यक्ति में कोई मानवीय कमजोरियां नहीं होती हैं, उसका हर निर्णय सत्य और देशहित पर आधारित होता है इसलिए उसे सवालों के घेरे से बाहर होना चाहिए। दबी से दबी जबान में भी उठते सवालों को कुचलना ऐसे व्यक्तित्वों के प्रशंसकों को अपना एकमात्र जीवनोदेश्य लगने लगता है। मैं नाम तो नहीं लेना चाहूंगा क्योंकि यह इस लेख के बाहर का विषय है पर आज के भारत के एक बड़े मानस पटल पर छाए बीते समय के बड़े बड़े धार्मिक और राजनीतिक नायकों के भारत में दिए गए भाषणों की तुलना उनके यूरोप या अमेरिका में दिए गए भाषणों से की जाए तो एक बार तो पाठक सिर पीटने को मजबूर हो सकता है।

बात 1975 की है जब स्पेन के तानाशाह फ्रैंको की मृत्यु हुई और शासन पूर्व राजशाही के वारिस जुआनकार्लोस के हाथों आ गया जो कि यदि चाहता तो तानाशाह बन सकता था पर चालाक सम्राट समझ गया कि तानाशाही अब चलने वाली नहीं है तो उसने सांकेतिक राजशाही के साथ गणतंत्र की घोषणा कर देवतुल्य स्थान प्राप्त कर लिया। जनता उसको पूजती रही, जुआनकार्लोस सऊदी अरब तथा अन्य देशों से कमीशन में सैंकड़ों करोड़ यूरो कमा कर अय्याशियां करता रहा, प्रशंसक उन अय्याशियों पर पर्दा डालते रहे पर एक दिन वह राजपाट सब त्याग कर, बड़ी रकम की हेराफेरी कर 80 वर्ष की उम्र में 40 वर्ष की महिला मित्र के साथ आबूधाबी जा बसा। डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका के एक वर्ग में जबरदस्त पकड़ थी पर उसी वजह से वह एक थोथा चना बन कर इतिहास में गुम हो गया। जयललिता भी काफी पूजी गई पर उन्होंने ज्यादा समय तो चप्पल, साड़ी तथा अन्य व्यक्तिगत सामान खरीदने में बिताया। महज जनधन के जोर से अम्मा की रसोई चलाना युग परिवर्तन नहीं होता है। आंध्र प्रदेश में एनटीरामाराव को लेकर कितनी दीवानगी हुआ करती थी! आज कोई ढूंढे तो भी उस मनुष्य का उस प्रदेश को कोई बड़ा योगदान नहीं नजर आएगा।

जब इंदिरा गांधी ने कहा कि गरीबी हटाओ, तो गरीबी तो हटी, पर हटी बहुत धीमी रफ्तार से और जैसे जैसे तकनीकी का विकास हुआ। अभी नरेंद्र मोदी ने कहा कि जबरदस्त विकास होगा और अच्छे दिन आयेंगे तो माना कि विकास हुआ, पर हुआ उसी धीमी गति से जैसे जैसे तकनीकी का विकास हुआ। जहां तक अच्छे दिनों की बात है तो सबकी अपनी अपनी परिभाषा, अपने अपने मापदंड पर मुझे तो कवि दुष्यंत की पंक्तियां याद आ जाती हैं–

मत कहो आकाश में कोहरा घना है
यह किसी की व्यक्तिगत आलोचना है।

जो तथाकथित बड़े लोग होते हैं वे समय के साथ साथ अति विशिष्ट लोग होते जाते हैं। वे लोग वर्षों वर्ष धन, सत्ता और साधनों के मायाजाल में घिर कर सामान्य नागरिकों के जीवन की समस्याओं और कठिनाइयों को भूल जाते हैं। इसलिए वे तरह तरह के उन्मादों को प्रेरित करते रहते हैं। उनके चारों तरफ सुविधाभोगी नौकरशाही और स्वार्थ में लिप्त धनिक जमात एक घेरा बना लेती है जिसको सामान्य जन की वेदना भेदनही सकती, वरना क्या कारण है कि आज तक किसी भी सरकार ने पुलिस, प्रशासनिक और न्यायिक भ्रष्टाचार पर हाथ नहीं डाला? एक सामान्य नागरिक के जीवन में यदि इन तीन विभागों में सबकुछ समयानुसार और कानून सम्मत होता रहे तो अच्छे दिन चारों तरफ मौजूद हैं। पर ना नौ मन तेल होगा और न.....

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

जयकारों से गूंजा मेहंदीपुर बालाजी का पावन धाम

सिद्धपीठ आस्था धाम मेहंदीपुर बालाजी में सोमवार को बालाजी महाराज का मंदिर आम भक्तों के दर्शनों के लिये खोल दिया गया।

मेहंदीपुर बालाजी, (निसं)। सिद्धपीठ आस्था धाम मेहंदीपुर बालाजी में सोमवार को बालाजी महाराज का मंदिर आम भक्तों के दर्शनों के लिये खोल दिया गया। सुबह महंत नरेशपुरी महराज के सानिध्य में प्रतिदिन की तरह सोमवार को बालाजी महाराज की पूजा-अर्चना व हवन किया गया। आरती के बाद सुबह 7:00 बजे से दर्शनों के लिए मंदिर के पट खोल दिये।

■ **21 दिन बाद बालाजी महाराज के दर्शन हुए**

इस दौरान स्थानीय लोग और श्रद्धालुओं का 21 दिन बाद बालाजी महाराज के दर्शन हुए। वहीं कस्बे के बाजारों में श्रद्धालुओं की चहल-पहल नजर आने से स्थानीय व्यापार मंडल के चेहरे पर रौनक नजर आई। साथ ही सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों पर मास्क लगा कर बैठे नजर आए। इधर मंदिर ट्रस्ट द्वारा किए गए सुरक्षा बंदोबस्त से श्रद्धालुओं को दर्शन करने में सुविधा रही। वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा बाहर से आने वाले वाहनों को कस्बे में प्रवेश नहीं दिया गया और डबल डोज के प्रमाण पत्र साथ लाने वाले श्रद्धालुओं को ही आस्था धाम में प्रवेश दिया गया।

सांभर में कक्षा नवीं के बाद हिन्दी माध्यम का नहीं कोई भी सरकारी स्कूल

सांभरझील, (निसं)। प्रदेश सरकार की ओर से हिन्दी माध्यम की सरकारी स्कूलों को भले ही इंग्लिश मीडियम में तब्दील कर अंग्रेजी माध्यम से पढ़ने वाले विद्यार्थियों के सहूलियत दी हो, लेकिन अब यहां के सैंकड़ों अभिभावकों के सामने अपने बच्चों को कक्षा नौ के बाद हिन्दी माध्यम से पढ़ाने के लिये संकट खड़ा हो गया है।

इसके पीछे कारण सबसे बड़ा यह है कि यहां के राजनेताओं ने सरकार की ओर से अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले जाने की प्रशंसा तो खूब की लेकिन वे शायद यह भूल गये जो बच्चे हिन्दी माध्यम से ही अपनी शिक्षा अर्जित करना चाहते हैं, उनके लिये सांभर में अब कोई विकल्प ही नहीं बचा है, लिहाजा गरीब तबके से लेकर मीडियम क्लास तक के अभिभावक यहां से तीन से चार किलोमीटर दूर बरडोटी, तेजा का बास, नोरंगुपरा में जाने की मजबूरी बनी हुई है। बताया गया कि ऐसे लोग सामूहिक रूप से निजी टैम्पो अथवा अन्य साधनों से जाकर आर्थिक बोझ भी उठा रहे हैं, जो उनके लिये प्रतिदिन जोखिम भरा भी सिद्ध हो सकता है। जानकारी में आया है कि सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों का भी इस दिशा में मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री तक प्रभावी व ठोस पहल करने में कोई रूचि नहीं है, जिसके चलते इस महत्वपूर्ण ज्वलन्त समस्या का आने वाले निकट भविष्य में भी कोई समाधान होता दिखायी नहीं दे रहा है।

यहां के गरीब तबके के अभिवावकों के पास न तो इतना धन है और न ही बल जिसके दम पर वे खुद इस मामले को सरकार तक पहुंचाने में सफल हो सके। एक तरफ अंग्रेजी माध्यम से सरकारी स्कूल में पढ़ाई की खुशी तो मिली लेकिन हिन्दी माध्यम से सरकारी स्कूल का नहीं होना दुखद विषय बन चुका है। बताया जा रहा है कि एक दफा औपचारिकता करने के लिये यहां के कुछ लोगों ने सत्ता पक्ष से जुड़े फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के नेता पूर्व सांसद स्वर्गीय हरिसिंह के पुत्र जो कि खुद पिछली दफा यहां से विधानसभा का चुनाव लड चुके हैं के माध्यम से शिक्षा मंत्री रहे गोविन्द सिंह डोटासरा के समक्ष पुरानी धानमण्डी स्थित सराय स्कूल को क्रमोन्नत करवाने व रेलवे स्टेशन रोड स्थित संस्कृत विद्यालय में जहां पर्याप्त संख्या में कक्षा-कक्षों व लम्बे-चौड़े मैदान की उपलब्धता है में हिन्दी माध्यम स्कूल खोले जाने का अभ्यावेदन पर भी कोई सुनवायी नहीं होना ऐसे अभिभावकों व बच्चों के लिये मानसिक पीड़ादायक बना हुआ है। आरएमजीबी के पूर्व प्रबन्धक आलौक जौहरी ने बताया कि जब तक सरकार स्कूल क्रमोन्नत व नया स्कूल खोलने की स्थिति में नहीं है तो फिलहाल राजकीय दरबार उच्च माध्यमिक अंग्रेजी मीडियम स्कूल में दो शिफ्टों में चलाने की व्यवस्था करनी चाहिये ताकि ऐसे सैंकडों बच्चे जो आगे चलकर देश का भविष्य बन सकते हे उनको हिन्दी माध्यम से पढायी करने का मौका मिल सके।

राशिफल मंगलवार 1 फरवरी, 2022

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास कृष्ण पक्ष, अमावस्या, मंगलवार, विक्रम संवत 2078, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र सायं 7:44 तक, वारियान योग रात्रि 3:09 तक, बव करण दिन 11:16 तक, चन्द्रमा बुधवार प्रातः 6:45 पर कुमभ राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मकर, मंगल-धनु, बुध-मकर, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

कुमार योग दिन 11:16 से रात्रि 7:44 तक है। आज देवपितृकार्य अमावस्या, मौनी भौमवती अमावस्या, व्यतिपात पुण्य है। आज मेला हरिद्वार और प्रयागराज, अरोदय योग सूर्योदय से 11:16 तक है और द्वापर युगादि है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:18 से 11:19 तक, लाभ-अमृत 11:40 से 2:01 तक, शुभ 3:22 से 4:43 तक।

राहूकालः 8:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:17, सूर्यास्त 6:04

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

तुला
परिवार में महत्वपूर्ण ओर आवश्यक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
मनःस्थिति में सुधार होगा। मानसिक तनाव दूर होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कुंभ
व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

मीन
अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

संक्षिप्त

सीएलजी की बैठक में चर्चा

चिड़ावा, (निसं)। सोशल मीडिया को लेकर सीएलजी मेम्बर की बैठक आयोजित हुई। चिड़ावा थाने में हुई बैठक की अध्यक्षता अनिल कुमार ने की। जिला पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार हुई बैठक में जिला पुलिस की ओर से सोशल मीडिया के जरिये चलाये जा रहे अभियान व क्राइम की रोकथाम को लेकर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने सीएलजी मेंबर से कहा कि वे जिला पुलिस के सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जुड़े। सोशल मीडिया के नुकसान व फायदों के बारे में जानकारी भी दी गई। इस मौके पर ए.एम. मोदी, सत्येन्द्र कौशिक, सुरेन्द्र शर्मा, दिनेश फतेहपुरिया, सौरभ सुलतानिया, रजनीकांत करुनानिया, पिंटू, कैप्टन शंकरलाल महरानिया, प्रदीप नेहरा के अलावा झण्डीप्रसाद हिम्मतरामका, प्रदीप पुजारी, मेहर कटारिया, राकेश सोनी, राधेश्याम सुखाड़िया आदि कई मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर 6 फरवरी को

सादुलपुर, (निसं)। बसपा नेता स्व. विरेन्द्र न्यांगली की 13वी पुण्य तिथि पर 6 फरवरी को शीतला चौक के पास स्थित नेहरू बाल मंदिर स्कूल राजगढ में रक्तदान शिविर आयोजित किया जायेगा। पूर्व विधायक मनोज न्यांगली ने बताया कि ०6 फरवरी को सदैव की भांति बसपा नेता स्व. विरेन्द्र न्यांगली की 13वी पुण्यतिथि पर कोरोना गाइडलाइन को मध्यनजर रखते हुए श्रद्धाजंली सभा के स्थान शितला बाजार के पास नेहरू बाल मंदिर स्कूल राजगढ में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक रक्तदान शिविर आयोजित किया जायेगा। न्यांगली ने बताया कि रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए बसपा कार्यकर्ताओं के द्वारा शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में जनसम्पर्क शुरू कर दिया है।

विदाखिलाफी के आरोप में सौंपा ज्ञापन

सादुलपुर, (निसं)। संयुक्त किसान मोर्चा सिद्धमुख ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन मार्फत तहसीलदार सिद्धमुख सौंपा गया है। वहीं ज्ञापन में केन्द्र सरकार के द्वारा किये गए विश्वासघात का केन्द्र सरकार वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। इस अवसर पर महेंद्र सिंह सहारण, कॉमरेड बेगराज, सुरेश भाटिया, दयाचंद मेहरा, नूर मोहमद, रविकुमार भाटिया, सोमवीर सांगवान, जयवीर बेनीवाल सहित काफी किसान मौजूद रहे। इसी दौरान सिद्धमुख तहसील विकास एंड किसान संघर्ष मोर्चा ने किसान मजदूर जिन्दाबाद के नारे लगते हुए तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया।

उद्घाटन समारोह आयोजित

चिड़ावा, (निसं)। अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन के कौशल और उद्यिमता विकास संस्थान द्वारा बी.सी.बी.एफ बैच का उद्घाटन समारोह अयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि ए.यू. बैंक शाखा प्रबंधक नरेश व रिलेशनशिप अधिकारी ए.यू. बैंक गौरव ने प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन किया। कोर्स ट्रेनर दलीप कुमार ने प्रशिक्षुओं का करियर के प्रति उत्साहवर्धन किया। अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन के सेडी प्रबंधक विष्णु प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत किया।

कलेक्ट्रेट के गेट पर आक्रोशित किसानों ने प्रदर्शन किया

- ‘तीन फरवरी से यू.पी. मिशन के तहत भाजपा को वोट न देने का किसानों से आव्हान किया जाएगा’
- किसान रैली में केंद्र सरकार शर्म करो, वादा खिलाफी बंद करो के नारे लगाए

झुंझुनूं, (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा, अखिल भारतीय किसान महासभा, जय किसान आंदोलन, एसएफआई, डीवाईएफआई व सीटू के कार्यकर्ताओं ने सैकड़ों की संख्या में शिक्षक भवन से जिला कलेक्ट्रेट तक राष्ट्रव्यापी विश्वासघात दिवस पर रैली निकाली तथा केंद्र सरकार द्वारा संयुक्त किसान मोर्चा के साथ हुए समझौते को लागू न करके जो विश्वासघात किया है एम एस पी पर कानूनी गारंटी के लिए कमेटी का निर्माण नहीं किया है। उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व केंद्र सरकार के द्वारा किसानों पर बनाये गये झूठे मुकदमें वापस नहीं लिये गये हैं। शहीद किसान परिवारों को पांच-पांच लाख रूपए व एक एक सदस्य को नौकरी नहीं दी गई है। लखीमपुर खीरी हत्याकांड के नामजद अभियुक्त केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त कर गिरफ्तार नहीं किया है इसके खिलाफ राष्ट्रव्यापी विश्वासघात दिवस पर आयोजित किसान रैली में केंद्र सरकार शर्म करो, वादाखिलाफी बंद करो, एम एस पी को कानूनी गारंटी दो, दिल्ली में हुए समझौते को लागू करो आदि नारे लगाए गए। शिक्षक भवन में आयोजित सभा में अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कामरेड फूलचंद ढेवा, अखिल भारतीय किसान सभा के कामरेड फूलचंद बर्वर, जिलाध्यक्ष कामरेड विधाधर सिंह गिल, जिला सचिव कामरेड मदन सिंह यादव, अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव कामरेड रामचंद्र कुलहरि, जिलाध्यक्ष कामरेड ओमप्रकाश झारोडा, जिला उपाध्यक्ष कामरेड इंद्राज सिंह चारावास, जय किसान आंदोलन के जयपुर संभागीय अध्यक्ष कैलाश यादव, अखिल भारतीय किसान सभा के कामरेड सुमेर सिंह बुडानिया, उदयपुरवाटी तहसील अध्यक्ष कामरेड मूलचंद खंरिटा, नवलगढ तहसील अध्यक्ष कामरेड गिरधारीलाल महला, चिडावा तहसील अध्यक्ष कामरेड बजरंग लाल बराला, कामरेड विजेंद्र कुलहरि, सुभाष बुगालिया, कामरेड एसएफ आई के प्रांतीय महासचिव, कामरेड सोनू जिलोवा, अरविंद गढवाल, डीवाईएफआई के जिला महासचिव कामरेड बिलाल कुरैशी, जिलाध्यक्ष कामरेड राजेश बिजारणिया, एसएफआई के जिलाध्यक्ष कामरेड पंकज गुर्जर, जिला महासचिव कामरेड सचिन चौपडा, अनिल धायल छात्रसंघ अध्यक्ष, रामचंद्र टोडरवास, किसान महासभा के सूरजगढ प्रखंड अध्यक्ष कामरेड जयपाल बसेरा, कामरेड प्रेम सिंह, कामरेड हरी सिंह वेदी, कामरेड सहीराम माझूं, कामरेड रामनारायण ढेवा, इंकलाबी नौजवान सभा के सिंघाना प्रखंड अध्यक्ष कामरेड वासुदेव शर्मा व सिंघाना प्रखंड सचिव कामरेड खुशवीर खटाणा, जय किसान आंदोलन के मिडिया प्रभारी गोपाल तिवारी, पितराम सिंह, सुबेदार पोकर सिंह बामिल, हरफूल सिंह बलौदा, सुरेश यादव, विक्रम सैनी आदि ने संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने केंद्र सरकार को चेतावनी दी कि अगर समझौते को शिघ्र लागू नहीं किया तो आंदोलन तेज किया जायेगा तथा तीन फरवरी से यू.पी. मिशन के तहत भाजपा को वोट न देने का किसानों से आव्हान किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा का तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जिसमें अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव कामरेड रामचंद्र कुलहरि, अखिल भारतीय किसान सभा के जिलाध्यक्ष कामरेड विधाधर सिंह गिल व जय किसान आंदोलन के जयपुर संभागीय अध्यक्ष कैलाश यादव शामिल थे जिनकी तरफ से जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

38,180 क्विंटल मूंग खरीद कर रिकॉर्ड बनाया

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर क्रय विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड के द्वारा संचालित समर्थन मूल्य पर मूंग खरीद केन्द्र कृषि उपज मण्डी राजगढ में कृषको से1 नवम्बर से मूंग खरीद प्रारंभ कर कुल 9० दिवस में 1809 कृषकों से क्विटल 38,180 कुल खरीद की, जिसकी कुल कीमत 27,77,59,500 रूपये रही। समिति के अध्यक्ष गणपतराम ख्यालिया ने बताया कि सादुलपुर क्रय विक्रय सहकारी समिति के द्वारा अच्छी गुणवत्ता का मूंग क्रय किया गया। इस समिति द्वारा बीकानेर खण्ड में सबसे अधिक खरीद कर पूर्व की भांती इस वर्ष भी खरीद में अपना दबदबा बरकार रखा। ख्यालिया ने बताया कि 1 जनवरी 2022 तक क्रय किये गये कृषकों के मूंग का भुगतान कृषकों के खातों में डलवा दिया गया है तथा शेष भुगतान को कृषकों के खातों में डलवाने की कार्यवाही की जा रही है। ख्यालिया ने मूंग की अच्छी खरीद के लिए सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ-साथ ही संचालक मण्डल द्वारा नियुक्त खरीद, देखरेख समिति के अध्यक्ष अमरसिंह सांगवान की भी प्रशंसा की गई।

सार-समाचार

जागरूकता प्रचार रथ रवाना

चूरू, (का सं)। कुष्ठ दिवस के अवसर पर स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान के प्रचार रथ को सोमवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मनोज शर्मा, खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.जगदीश सिंह भाटी कोविड नोडल अधिकारी डॉ.अहसान गौरी ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा ने लोगों को जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर खण्ड कार्यक्रम प्रबन्धक ओमप्रकाश प्रजापत ने बताया कि इसके साथ-साथ ग्राम पंचायत स्तर पर भी कुष्ठ रोग की जानकारी दी जाएगी। इस मौके पर सुनिता एएनएम, खण्ड एलएचवी राधा मीणा, डॉ. कमल धानिया, ओमप्रकाश माली आदि उपस्थित थे।

सराहनीय सेवाओं के लिए अभिनंदन

चूरू, (का. सं.)। बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के घांघू शाखा कार्यालय में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रबंधक श्यामलाल का उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए अभिनंदन किया गया। पूर्व पंच जाफर खान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सहायक विधि परामर्शी धर्मपाल शर्मा ने कहा कि प्रबंधक श्यामलाल अपनी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए याद आएंगे। शाखा प्रबंधक मुकेश चाहर, राजेश कुमार, कीर्ति पारीक, कन्हैयालाल शर्मा, पार्षद शिवकुमार शर्मा, प्रभुदयाल शर्मा, सत्यनारायण ने भी विचार व्यक्त किये। संचालन राकेश शर्मा ने किया।

छात्र-छात्राओं को स्टेशनरी वितरित

चूरू, (का. सं.)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गौरीसर में पर्यावरण प्रेमी अमर सिंह किशनावत व मनीषा चारण के आर्थिक सौजन्य से बच्चों की पेटिका कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य शिव शंकर शर्मा के कर कमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम प्रभारी मनीषा चारण ने बताया की इस कार्यक्रम के तहत विद्यालय में एक पेटिका रखी जायेगी। जरुरतमंद छात्र-छात्रा अपनी आवश्कता वाली वस्तु को लिखकर पेटिका में डालेगा। यहां 15 दिन बाद पेटिका को खोला जायेगा। प्रधानाचार्य, प्रभारी व कक्षाध्यापक की अनुशंसा पर जरुरतमंद छात्र को आवश्यक वस्तुएं जैसे जूते, जुराब, बैग, स्वेटर और स्टेशनरी उपलब्ध करवाई जाएगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना है। इस कड़ी०में आज छह छात्र-छात्राओं को जूते जुराब व दो छात्र-छात्राओं को स्टेशनरी वितरित की गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे। प्रधानाचार्य शिव शंकर शर्मा ने शिक्षक दंपति पर्यावरण प्रेमी अमर सिंह किशनावत व मनीषा चारण का आभार प्रकट किया।

करोना जागरूकता पर अभिनव पहल

झुंझुनूं, (निसं)। नगर के प्रतिष्ठित महाविद्यालय सेठ मोतीलाल टीचर्स एजुकेशन कॉलेज में सोमवार को आयुष मंत्रालय झुंझुनूं के द्वारा सेठ मोतीलाल टीचर्स एजुकेशन कालेज झुंझुनूं में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने के लिए काढा वितरित किया गया। आयुष बैद्य डा. महेश माटोलिया आयुष विभाग राजकीय बी.डी.के. अस्पताल झुंझुनूं व सहायक कर्मचारी मेहरबानी नर्स द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को काढे का वितरण किया गया।

आचार्य के प्रवास को लेकर उत्साहित सर्व समाज

बीदासर, (निसं)। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता आचार्य महाश्रमण सद्भावना, नशामुक्ति, नैतिकता व अहिंसा का संदेश देते हुए अपनी धवल सेना के साथ 3 फरवरी को बीदासर में मंगल प्रवेश करेंगे। 3 फरवरी को रतना नर्सिंग होम रुकने के पश्चात 4 फरवरी को कस्बे के तेरापंथ भवन मघवासमवसरण पहुंचेंगे, जहाँ पर आचार्य के सानिध्य में 5, 6 व 7 फरवरी को 158 वां बृहद मर्यादा महोत्सव होगा। तेरापंथ धर्म संघ का मर्यादा महोत्सव अनूठा कार्यक्रम होता है जिसमें साधू-साध्वियां अपनी मर्यादाओं का पालन व समीक्षा करते हैं तथा आजीवन संघ की व्यवस्थाओं व निर्देशों का पालन करते हैं। आचार्य महाश्रमण के शुभागमन को लेकर कस्बे में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है तथा कस्बे के प्रवासी नागरिकों के आने का क्रम सोमवार को भी जारी रहा। अब तक सुनसान पड़ी हवेलियों में अब चहल-पहल शुरु हो गई है, करीब 300 से अधिक हवेलियाँ खुल चुकी हैं तथा कस्बे की गलियों व बाज़ारों में चहल-पहल के साथ-साथ लग्जरी गाड़ियाँ दौड़ने लगी है, हवेलियाँ सज गई हैं। कस्बे के आम रास्तों की साफ-सफाई व मरम्मत का कार्य जोरों पर चल रहा है। बेनर व कटआउट लग रहे हैं। बाहर से आने वाले श्रावक-श्राविकाओं के ठहरने की व्यवस्थाएं जोरों पर चल रही है। बड़े-बड़े पाण्डाल बनकर तैयार हो चुके हैं।

आचार्य महाश्रमण बृहद मर्यादा महोत्सव प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल गिड़िया ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी कार्यक्रम सरकारी गाइड लाइन व कोरोना प्रोटोकॉल के तहत संपन्न होंगें। जैन श्वेताम्बर तेरापंथ के अध्यक्ष अशोक बोथरा ने बताया कि कस्बे के चौरड़िया मुख्य मार्ग की मरम्मत व डेकोरेशन का कार्य चौरड़िया रोड़ पर स्थित जैन समाज के परिवारों ने मिलकर करवाया है।

अवैध अतिक्रमण का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। सार्वजनिक रफेयआम भूमि व धर्मशाला के आगे अवैध कब्जा करने का आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर चूरू को शिकायत की गई है। जिस पर जिला कलेक्टर से एसडीओ एवं ईओ का कार्यवाही करने के निर्देश देते हुए निर्माण कार्य रूकवाने के आदेश दिये है।

श्रीराम पुत्र सुरजाराम जाति गोस्वामी निवासी वार्ड 26 राजगढ ने जिला कलेक्टर चूरू को इस आरोप का ज्ञापन सौंपा है कि रेलवे स्टेशन सादुलपुर व पुलिस थाने के बीच एक फतेहपुरिया धर्मशाला है तथा धर्मशाला के आगे रफेयआम चौक है जो काफी कीमती भूमि है, जो कि अरबो रूपये की है।

जिस पर कुछ अज्ञात शराब ठेकेदार दुकानों का निर्माण कर रहे हैं तथा स्थानीय प्रशासन कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। आरोप है कि इस अरबों रूपये की सार्वजनिक भूमि पर अवैध दुकानों का निर्माण कर रहे है, उसे रूकवाया जावे तथा अवैध निर्माण रूकवाया जावे।

दिव्यांग के घर में आग लगी, सामान जलकर राख हुआ

चूरू, (का. सं.)। निकटवर्ती गांव जासासर में पिछली रात्रि को एक दिव्यांग के घर में आग लगने से सारा सामान जलकर राख हो गया। मिली जानकारी के अनुसार जासासर गांव के सुल्तान नायक पुत्र बीरबल राम नायक के कच्चे घर में रात को अचानक आग लग गई। आग लगने से दो झौंपड़े, दो छप्परे जल गए। झौंपड़ों व छप्परों में रखा घर का सामान, कपड़े, नगदी, जेवर, चारा आदि सहित पूरा सामान जल गया। गांव के लोगों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया। पशुओं को खूंटों से खोलकर उन्हें बचा लिया। पीड़ित सुल्तान नायक चयनित परिवार से है। साथ ही दिव्यांग भी है। उसके तीन लड़कियों सहित कुल पांच संतानें हैं। आग में घर का पूरा सामान जलने से पीड़ित परिवार सदमे में है। अभी तक पीड़ित की किसी ने कोई सुध नहीं ली है। हालांकि सरपंच संदीप वर्मा व ग्राम सेवक ने पीड़ित के घर जाकर मौका मुयावना जरूर किया है। मौके पर कोई मदद नहीं की गई है और ना ही कोई घोषणा की है।

प्रशासन ने हटवाया अतिक्रमण

चिड़ावा, (निसं)। शहर में अचानक उपखंड व तहसील कार्यालय के मैन गेट के आगे पत्थर पट्टी देखकर प्रशासन हैरान रह गया। आनन फानन में प्रशासन ने पुलिस जाब्ता और नगर पालिका के जाब्ते को मौके पर बुलाया। इसके बाद तहसील गंभीर सिंह ने मौके पर पहुंचकर पहले तो पटवारी से रिपोर्ट मांगी तथा रिपोर्ट के बाद तहसीलदार ने पुलिस जाब्ता और नगरपालिका की सहायता से अतिक्रमण हटवाया। अतिक्रमी ने पत्थर पट्टी लगाकर अतिक्रमण कर रखा था। तहसीलदार गंभीर सिंह ने बताया कि अतिक्रमण किया गया तथा जिसको हटाया गया। हालांकि पंकज चौधरी निवासी चौधरी कॉलोनी चिड़ावा जिस पर अतिक्रमण का आरोप है।

गायों को गुड़ दलिया खिलाया

उदयपुरवाटी, (निसं)। शाकम्भरी रोड स्थित श्री गायत्री गौशाला में सोमवार को अखिल विश्व गायत्री परिवार की शाखा उदयपुरवाटी तथा श्री कृष्ण गो ग्रास समिति के तत्वाधान में अमावस्या पर गायो को गुड दलिया खिलाया गया।

नाम परिवर्तन

मनके जयसिंह पुत्र सीताराम जाति जाट निवासी चिमनपुरा तहसील राजगढ जिला चूरू (राज.) का हूं जो कि निम्न तथ्य शपथ पूर्वक बयान करता हूं यह कि मेरी पुत्री कौशल्या की कक्षा 10 वी की अंकतालिका में कौशल्या पुत्री जयसिंह दर्ज है जो सही है। जबकि मेरी पुत्री कौशल्या की कक्षा 12 वी की अंकतालिका में लिपिकिये भूलवश कौशल्या पुत्री जयसिंह पूनियां दर्ज हो गया है जो गलत है। अब मै मेरी पुत्री कौशल्या की कक्षा 12 वी की अंकतालिका मे उसका नाम कौशल्या पुत्री जयसिंह पूनियां की जगह पर उसकी 10 वी कक्षा की मूल अंकतालिका के हिसाब से कौशल्या पुत्री जयसिंह दर्ज करवाना चाहता हूं, जो सही एंव सत्य है, दर्ज किया जावे।

शपथ ग्रहिता - Jai singh

‘युवाओं के लिए गांधी का जीवन प्रेरणा स्त्रोत’

- प्रधान शारदा देवठिया ने अपनी माता भगवती देवी द्वारा स्कूल को मोटी दरी स्टेज के लिए प्रदान की गई

मण्डावा, (निसं)। शहीद रामेश्वर सिंह राजकीय माध्यमिक विद्यालय तेतरा में गांधी चिंतन की वर्तमान संदर्भ में प्रांसगिकता विषय पर प्रधानाध्यापक विजेन्द्र सिंह जानूं की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी प्रेरणा के स्त्रोत थें और उनका जीवन आने वाली पीढियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि अगर आजादी के संघर्ष की जिम्मेदारी गांधी जी पर न होती, तो भी वह स्वराज और स्वावलंबन के मूल तत्व को लेकर आगे बढते, गांधी जी की यह सोच आज भारत के सामने बड़ी चुनौतियों के समाधान का बडा माध्यम बन रही है। वक्ताओं ने कहा कि गांधी ने कभी अपने जीवन से प्रभाव पैदा करने का प्रयास नहीं किया, लेकिन उनका जीवन ही प्रेरणा का कारण बन गया। उल्लेखनीय है कि इस मौके पर मण्डावा पंचायत समिति की प्रधान शारदा देवठिया की प्रेरणा से उनकी माताजी भगवती देवी धर्मपत्नी स्व. प्रताप सिंह देवठिया निवासी तेतरा द्वारा स्कूल को मोटी दरी स्टेज के लिए प्रदान की गई। कार्यक्रम में महावीरसिंह शेखावत, आशीता चौधरी, आशा अठवाल, अमरचन्द व रामकरण सिंह आदि ने विचार गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर रामप्यारी देवी, विश्वानाथ शर्मा, इंदिरा देवी, वीरेन्द्र कुमार, भोमाराम व सुरेश कुमार सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थें। अन्त में प्रधानाध्यापक विजेन्द्र सिंह जानूं ने प्रधान शारदा देवठिया व भामाशाह भगवती देवी का आभार व्यक्त किया।

शहीद परिवारों का सम्मान जारी

सादुलपुर, (निसं)। भारतीय किसान संघ द्वारा जिले के शहीदों के किये जा रहे सम्मान के अन्तर्गत इकाई राजगढ के तहसील उपाध्यक्ष रेवंत सिंह राठौड़ के नेतृत्व में राजगढ तहसील के बास गूगलवा के शहीद सज्जन सिंह मलिक के परिजनों को एवं बालान गाँव के शहीद के परिजनों का भारत माता पूजन-2022 के तहत भारतीय किसान संघ द्वारा सम्मान किया गया।

उसी कड़ी में आज यह सम्मान किया गया। गौरतलब है कि भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष मुकेश रामपुरा द्वारा चलाए गए अभियान के अंतर्गत जिले में प्रत्येक तहसील में तहसील इकाइयों द्वारा शहीदों के परिजनों का सम्मान किया जा रहा है। इस मौके पर रेवंत सिंह राठौड़, छतर सिंह वर्मा, हरपाल सिंह वर्मा, उमराव सिंह श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना तहसील अध्यक्ष नवीन सिंह राठौड़ आदि मौजूद रहे।

भीम BHIM — राजस्थान सरकार वन विभाग

क्रमांक: प. 1 (404) वन/2021 जयपुर, दिनांक-07 Jan 2022

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (HoFF) राजस्थान, जयपुर।

विषयः- Diversion of 0.0312 ha. of forest land in favour of Hindustan Petroleum Corporation Ltd, Jaipur for Construction of Approach Access for Proposed Hindustan Petroleum Corporation Retail Outlet on Jaipur to Sikar Road NH52(Old NH-11) LHS on Khasra No-1099/1096 Chainage 337/744 to 337/779, At Village -Bajoor, Tehsil - Sikar, District - Sikar (Rajasthan) (FP/RJ/Approach/147757/2021)

संदर्भः-आपका पत्रांक एफ 14 (499/43)2021/एफसीए/प्रमुवस/ 3603 दिनांक 09.12.2021

महोदय, उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित प्रस्ताव के कम में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जयपुर द्वारा वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत सामान्य स्वीकृति के तहत धारा-2 में राष्ट्रीय मार्ग-11 में खसरा नम्बर 1099/1096 ग्राम बाजौर जिला सीकर में प्रस्तावित पेट्रोल पम्प के प्रवेश एवं निकास हेतु 0.0312 हेक्टयर वन भूमि प्रत्यावर्तन की स्वीकृति चाही गई है। नोडल अधिकारी वन संरक्षण अधिनियम द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रस्ताव पर विचारोपरान्त प्रस्ताव पर वन संरक्षक अधिनियम 1980 के अन्तर्गत धारा-2 में सामान्य स्वीकृति बाबत जारी दिशा-निर्देशों के परिपेक्ष्य Diversion of 0.0312 ha. of forest land in favour of Hindustan Petroleum Corporation Ltd, Jaipur for Construction of Approach Access for Proposed Hindustan Petroleum Corporation Retail Outlet on Jaipur to Sikar Road NH-52(Old NH-11) LHS on Khasra No 1099/1096 Chainage 337/744 to 337/779, At Village Bajoor. Tehsil - Sikar, District - Sikar की सैद्धान्तिक स्वीकृति बिना किसी वृक्ष के पातन सहित निम्न शर्तो के अध्यधीन प्रदान करती है: 1. वन भूमि की वैधानिक स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं होगा। 2. प्रत्यावर्तित वन भूमि का उपयोग किसी अन्य प्रयोजन के लिये नहीं किया जावेगा। 3. याचक विभाग द्वारा परियोजना के निर्माण एवं रख रखाव के दौरान आस पास के क्षेत्र की वनस्पतियों एवं जीव जन्तुओ को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुचाई जावेगी एवं उनके संरक्षण हेतु समस्त उपाय किये जावेगें। प्रत्यावर्तित क्षेत्र में रोपित किए जाने वाले को वृक्षों वन विभाग की बिना पुर्वानुमति के नहीं काटा जावे। उक्त क्षेत्र में रोपित पेड परिपक्व होने पर, वन विभाग के होगें। 5. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित स्थल/वनक्षेत्र के आस-पास मजदूरों/स्टाफ के लिए किसी भी प्रकार का कैम्प नहीं लगाया जावेगा। 6. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा निर्माण कार्य के दौरानें स्थल पर कार्यरत मजदूरों/स्टाफ को रसोई गैस/केरोसिन तेल आपूर्ति की जायेगी, ताकि निकटवर्ती वनों को क्षति न हो। 7. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित वनभूमि के अतिरिक्त आस-पास की वनभूमि से/पर निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी/पत्थर काटने या भरने का कार्य नहीं किया जावेगा। 8. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा स्वयं के व्यय पर पेट्रोल पम्प में प्रवेश एवं निकास मार्ग के दोनों ओर रिक्त पडे स्थानों पर ट्री गार्ड लगाकर तथा दोनों मार्गो के बीच के स्थान (separator island) पर कम से कम 2 फीट ऊची दीवार बनाकर सीमांकन कर इसका उपयोग वृक्ष लगाने एवं उन्हें संरक्षित करने में किया जाएगा। यह वृक्षारोपण क्षतिपर्ति वक्षारोपण के अतिरिक्त होगा। 9. प्रयोक्ता अभिकरण, सैद्धान्तिक स्वीकृति की पालना के साथ एफ.आर.ए. सर्टिफिकेट प्रस्तुत करावेगा। तदोपरान्त ही विधिवत स्वीकृति पर विचार किया जावेगा। 10. प्रयोक्ता अभिकरण, सैद्धान्तिक स्वीकृति की पालना के साथ प्रदूषण नियंत्रण मण्डल से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर, प्रस्तुत करावेगा। तदोपरान्त ही विधिवत स्वीकति पर विचार किया जावेगा। 11. प्रयोक्ता अभिकरण वर्तमान एवं भविष्य में योजना पर लागू सभी नियम, कानून तथा दिशा निर्देशों का पालन करेगा। 12. प्रयोक्ता अभिकरण के व्यय पर वन विभाग द्वारा शुन्य से 10 वृक्षो का पातन होने पर 100 वृक्षो तथा 10 से अधिक वृक्षो का पातन होने पर पातन किये जाने वाले वृक्षों का दस गुना संख्या में वृक्षो का वृक्षारोपण एवं 10 वर्षो तक रखरखाव किया जायेगा। इस हेतु प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा वर्तमान दरों को समाहित करते हये राशि वेबपोर्टल OSMFWP (Online Submission & Monitoring of Forest &Wildlife Clearence Portal) द्वारा सृजित ई-चालान द्वारा जमा की जायेगी। 13. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय के रिट पिटीशन (सिविल) 202/1995 के अन्तर्गत आई.ए. संख्या 566 एवं भारत सरकार के पत्र संख्या 5-3/2007-एफ.सी. दिनांक 05.02. 2009 तथा पत्र 12-2/2010-CAMPA दिनांक 09.06.2016 में दिये गए आदेशानुसार शुद्ध वर्तमान मूल्य (एन.पी.वी.) की निर्धारित राशि जमा की जावेगी। उपरोक्त अनुदेशों के अनुसार शुद्ध वर्तमान मूल्य तथा दूसरी सभी निधियां प्रतिपूर्ति पौधारोपण निधि प्रबंधन तथा योजना प्राधिकरण के तदर्थ निकाय के बेवपोर्टल OSMFWP द्वारा सृजित ई-चालान द्वारा जमा करायी जायेगी। जिसके उपरांत ई-चालान की छाया प्रति, जमा की गई धनराशि का बैंक चालान/यूटीआर संख्या/एनईएफटी नम्बर की छाया प्रति सहित सैद्धान्तिक स्वीकृति की अनुपालना आख्या (जिसमें जमा की गई राशि का मदवार विवरण हो) प्रेषित की जाए, तदोपरांत विधिवत स्वीकृति पर विचार किया जावेगा। 14. प्रयोक्ता अभिकरण इस आशय का वचनबद्धता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे कि सक्षम स्तर से यदि एन.पी.वी. की दरों में बढ़ोतरी होती है तो बढी हुई धन राशि प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा नियमानुसार जमा की जाएगी। 15. राज्य सरकार द्वारा दी गई इस अनुमति का प्रबोधन संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा सकेगा। 16. भारत सरकार के पत्रांक 7-23/2012/एफसी दिनांक 24.07.2013 से माननीय ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा दिनांक 07.11.2012 को पारित निर्णय की पालना प्रकरण में सुनिश्चित की जावें तथा प्रकरण में जारी स्वीकृति को यूजर एजेंसी हिन्दी एवं अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाले एक-एक समाचार पत्र में अक्षरशः प्रकाशित करावें एवं जारी स्वीकृति की प्रतियां स्थानीय निकाय, पंचायत एवं नगरपालिका के राजकीय अधिकारियों को स्वीकृति प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय, (बी प्रवीण), शासन सचिव

आचार्य श्री महाश्रमण ने सुजानगढ़ में मंगल प्रवेश किया

- 60 से अधिक स्थानों पर आचार्यश्री का अभिनंदन हुआ

सुजानगढ़, (निसं)। तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें अधिशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण ने सोमवार को चूरू जिले में धवल सेना के साथ मंगल प्रवेश किया। सुजानगढ शहर की पावन धरा पर आचार्य श्री के प्रवेश के साथ उनका शहर के मुख्य मार्गो पर 60 से अधिक स्थानों पर तेरापंथ सभागर भवन तक विभिन्न सामाजिक संस्थाओं व समाजों द्वारा तोरण द्वार लगाकर अभिनंदन किया व उनके दर्शन लाभ लेकर आशीर्वाद लिया।

सुजानगढ सीमा पर विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड, सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल, रतनगढ विधायक अभिनेष महर्षि, चूरू जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष भंवरलाल पुजारी, सभापति निलोफर गौरी, कांग्रेस नेता पूसाराम गोदारा, उप सभापति अमित मारोठिया, पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सहारण, बी. एल भाटी, सुभाष बेदी, पूर्व सभापति सिकन्दर अली खिलजी, जयश्री दाधीच, धर्मेन्द्र चौरडिया, विद्या प्रकाश बागरेचा, मधु बागरेचा, रेखा राखेचा, देवेन्द्र कुण्डलिया, अजय चौरडिया, जयश्री कुण्डलिया, अंकित बागरेचा, आयुष बागरेचा, कृष्ण तंवर, राजकुमार पारीक सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों ने उनका अभिनंदन किया। नगरपरिषद कार्यालय में विधायक मनोज मेघवाल, सभापति निलोफर गौरी, आयुक्त सोहनलाल नायक द्वारा आचार्य श्री महाश्रमण का अभिनंदन किया गया। सीआई सत्येंद्र के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों ने आचार्य श्री के आगमन पर कानून व्यवस्था की कमान संभाली।

वंही प्रशासनिक अधिकारियों ने भी आचार्य श्री की अगवानी की। आचार्य श्री की अगवानी में चंग की धाप व बैंड बाजो की धुन पर भी आचार्य श्री का स्वागत हुआ। सैंकडों महिलाएं ऑरेंज साडी पहनकर आचार्य श्री से सुजानगढ में चातुर्मास की मांग के साथ पदार्पण पर स्वागत किया।

प्रदेशाध्यक्ष पूनियां ने लिया आशीर्वाद – भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीष पूनियां ने तेरापंथ सभागार भवन पहुंचकर आचार्य श्री महाश्रमण के दर्शन लाभ प्राप्त कर आशीर्वाद लिया। पूनियां के साथ भाजपा पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी नहर में पंजाब से जैसलमेर पहुंचा केमिकल युक्त पानी

सबसे बड़ी बात यह है कि फिलहाल नहरों में पेयजल के लिए ही पानी छोड़ा जा रहा है

जैसलमेर, (निसं)। पंजाब की फैक्ट्रियों से इंदिरा गांधी नहर में छोड़ा गया केमिकल युक्त दूषित पानी हनुमानगढ़, गंगानगर व बीकानेर से होते हुए जैसलमेर पहुंच गया, लेकिन जैसलमेर के नहरी विभाग के अफसरों की लापरवाही का नतीजा है कि दूषित पानी का सैंपल लिया न जानकारी जुटाई।

इतना ही नहीं पेयजल भंडारण रोकने के लिए पीएचईडी विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई है। जिससे नहर में चल रहे रसायनयुक्त पानी को पीएचईडी ने भंडारण शुरू कर दिया है। दो दिन बाद जिलेभर व जोधपुर व बाड़मेर के लिए भी सप्लाई शुरू कर दी जाएगी। इंदिरा गांधी नहर परियोजना में वर्तमान में पीने के लिए पानी चलाया जा रहा है। दूषित पानी से राजस्थान के 10 जिले प्रभावित हो रहे है, लेकिन नहरी विभाग के अधिकारियों को केमिकल युक्त पानी सप्लाई की जानकारी ही नहीं है। सबसे बड़ी बात यही है कि फिलहाल नहरों में पेयजल के लिए ही पानी छोड़ा जा रहा है। अब केमिकल का पानी घर घरों तक पहुंच जाएगा।

आमतौर पर हर साल नहरबंदी के बाद जब पानी की आपूर्ति शुरू होती है तो कई दिनों तक काला पानी ही प्रवाहित होता है। हर बार लोग विरोध भी करते हैं, लेकिन फिर स्थिति जस की तस हो जाती है। इस बार जनवरी में ही दूषित पानी की आपूर्ति शुरू हो गई है। इससे करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। इसको रोकने को लेकर न तो सरकार गंभीर है और न ही जल संसाधन विभाग के अधिकारी। इसका खमियाजा राजस्थान के 10 जिलों के 2 करोड़ लोग भुगत रहे हैं। इस बार बंदी की अवधि भी लंबी है। अप्रैल तक पेयजल आपूर्ति होगी। ऐसे में राज्य सरकार को दूषित पानी की आपूर्ति रुकवाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

पंजाब की फैक्ट्रियों से निकलने वाला केमिकल का पानी स्वास्थ्य के लिए बहुत नुकसानदायक है। इस केमिकलयुक्त पानी को पीने से कई बीमारियां हो सकती है। इसके अलावा कोरोना भी चल ही रहा है जिससे नहरी अधिकारियों की इस लापरवाही का भुगतान आमजन को करना पड़ सकता है लेकिन नहरी अधिकारियों को आमजन के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ से कोई सरोकार नहीं है।

- **जैसलमेर के नहरी विभाग के अफसरों की लापरवाही का नतीजा है कि न तो दूषित पानी का सैंपल लिया न ही जानकारी जुटाई**

पंजाब के काला सिंधिया नाले से फैक्ट्रियों का दूषित व केमिकल युक्त पानी नहर में छोड़ा जा रहा है। हरिके हैड से राज्य को मिलने वाला पानी बीकानेर फीडर और राजस्थान फीडर के जरिए यहां आता है। हरिके हैड पर पौंग बांध के अलावा थोड़ा बहुत भाखड़ा और रोपड़ वर्क्स से भी पानी आता है। इन दिनों पौंग बांध से पानी की आवक लगभग 5 सौ क्यूसेक हो रही है। अधिकांश पानी फैक्ट्रियों का ही आ रहा है। अब पौंग बांध से पानी कम छोड़ा जा रहा है।

पंजाब से केमिकल युक्त पानी हनुमानगढ़ पहुंचा। इसके बाद हनुमानगढ़ में पीएचईडी द्वारा इस पानी का भंडारण रोक दिया लेकिन नहरों में पानी नहीं रोकने से यह पानी गंगानगर, बीकानेर होते हुए जैसलमेर पहुंच गया है। केमिकल के पानी को लेकर ना तो नहरी अधिकारियों के पास कोई सूचना है और ना ही नहरी विभाग द्वारा जलदाय विभाग के अधिकारियों को इस पानी के भंडारण नहीं करने की सूचना दी गई है। हनुमानगढ़ में पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए जयपुर भेजे गए।

इस संबंध में जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता दिनेश नागौरी ने बताया कि हमारे पास नहर में केमिकल युक्त पानी आने के संबंध में कोई सूचना नहीं है। इससे नहरो में चलने वाले पानी से ही स्टोरेज हो रहा है। भंडारण के बाद इसी पानी का पेयजल के रूप में सप्लाई की जाएगी।

इंदिरा गांधी नहर परियोजना (इंगानप) स्टेज 3 के अधीक्षण अभियंता भगवानाराम का कहना है कि नहर में अगर खराब पानी आ रहा है तो हनुमानगढ़ में इसके सैंपल की व्यवस्था है। वहां सैंपल ले लिया गया होगा। वैसे ऐसे पानी से कोई नुकसान नहीं है। इंगानप एडिशनल चीफ राकेश कुमार गुप्ता के अनुसार मुझे केमिकल के पानी के संबंध में कोई जानकारी नहीं है। इस मामले का पता कर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

एमपी सहित कई जगह दबिश के बाद भी जगन गुर्जर पुलिस पकड़ से दूर

विधायक को धमकी देने सहित कई मामलों में है तलाश

इनामी बदमाश जगन गुर्जर की तलाश में पुलिस की टीमें दिन-रात जुटी हुई हैं।

धौलपुर, (निसं)। बाड़ी विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को वीडियो वायरल कर धमकी देने वाले इनामी बदमाश जगन गुर्जर की तलाश में दिन-रात पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं लेकिन अभी तक बदमाश जगन गुर्जर पुलिस के हाथ नहीं लगा है। इसे लेकर सोमवार को भी पुलिस ने मध्यप्रदेश के मुरैना जिले सहित डांग इलाके में पुलिस की विशेष टीमों ने सर्च अभियान चलाया। धौलपुर एसपी शिवराज मीणा ने बताया कि अपराधी जगन गुर्जर की तलाश में पुलिस की अलग-अलग विशेष टीमें मुस्तैदी से कार्य कर रही हैं और जगन गुर्जर के छिपे होने के संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

सोमवार को मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के कई गांवों सहित चंबल के बीहड़ और डांग इलाके में कई स्थानों पर दबिश देकर सघन सर्च अभियान चलाया। इस दौरान धौलपुर डीएसपी प्रवेंद्र महला, मनिया डीएसपी दीपक खंडेलवाल, कोतवाली थाना प्रभारी धौलपुर अध्यात्म गौतम, मनिया थाना प्रभारी सुमन कुमार, सैंपऊ थाना प्रभारी परमजीत सिंह, डीएसटी टीम प्रभारी लाखन सिंह, बाड़ी सदर थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह, बसईडांग थाने के उपनिरीक्षक आशुतोष सिंह के साथ भारी पुलिस जाब्ता मौजूद रहा।

एसपी शिवराज मीणा ने बताया कि पुलिस टीमों ने मुरैना जिला के जनकपुर, कोक सिंह का पुरा, खांडोली, राठौर का पुरा, केमरी, बरवासिन सहित दर्जनों गांव में सर्च अभियान चलाया। वहीं धौलपुर जिले के डांग इलाके के जोगिया पुरा, भगतपुरा, चिल्ली पुरा, डोलेन का पुरा व मुरहन सहित अन्य स्थानों पर सर्च अभियान चलाया गया। लेकिन इनामी डकैत जगन गुर्जर पुलिस के हाथ नहीं लग सका।

जहर खाने से पहले महिला ने वायरल किया वीडियो

लालसोट, (निसं)। विवाहिता अनीता मीणा द्वारा पंच पटेलों एवं ससुराल पक्ष को उसके साथ हुए बुरे बर्ताव के बाद बिगड़े हालातों का जिम्मेदार बताते हुए विषाक्त पदार्थ खा लिया। जहां विवाहिता की हालत खराब होने के बाद उसे जिला अस्पताल भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज चल रहा है।

विवाहिता का ससुराल सवाई माधोपुर जिले के बामनवास उपखंड की साली ग्राम पंचायत में एक प्रतिष्ठित परिवार में है। विषाक्त खाने से पहले विवाहिता महिला द्वारा बताया गया कि उसकी शादी को 17 साल से ज्यादा का समय हो गया है। लेकिन विवाह होने के बाद उससे पैदा हुई संतानों को ससुराल पक्ष द्वारा अपनाया नहीं गया है। विवाहिता ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए उसे दर-दर की ठोकरें खाने के लिए छोड़ देने का भी आरोप लगाया। वहीं विवाहिता द्वारा ससुराल पक्ष पर उसकी बिना सहमति के उसके पति का दूसरा विवाह गैर-कानूनी तौर पर करने काभी आरोप लगाया गया।

- **पंच-पटेलों एवं ससुराल पक्ष को ठहराया जिम्मेदार**

वही विवाहिता द्वारा वहां की स्थानीय पंच पटेलों को भी इस मामले से अवगत कराने के बाद उनके द्वारा कोई राहत नहीं देने के बाद पंच पटेलों को भी इस घटना का जिम्मेदार ठहराया गया। विवाहिता अनीता द्वारा उसके साथ ससुराल पक्ष द्वारा एवं पंच पटेलों द्वारा किए गए बर्ताव को भी सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक किया गया। वही विषाक्त खाने से पहली विवाहिता महिला द्वारा मरने के बाद का जिक्र करते हुए उनकी संतानों को न्याय दिलाने की भी गुहार की गई। वहीं पूरे मामले को लेकर महिला थाना अधिकारी राजेंद्र कुमार मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि विषाक्त खाने वाली विवाहिता अनीता मीणा से पर्चा बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया है एवं जांच कर कार्यवाही की जा रही है।

रीट की सीबीआई जांच से पीछे हट रही सरकार : पूनिया

बीकानेर, (कासं)। प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया इन दिनों बीकानेर संभाग के दौरे पर हैं। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने हनुमानगढ़ व श्रीगगानगर के बाद सोमवार को बीकानेर में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी राजनीति सहित सगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा की। पूनिया सोमवार को देर शाम दो दिवसीय दौरे पर यहां सर्किट हाऊस पहुचे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुनिया का गर्म जोशी से स्वागत किया। स्वागत के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पुनिया ने प्रेस कान्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए राज्य की कांग्रेस सरकार को हर क्षेत्र में विफल करार दिया। कांग्रेस व उसके प्रमुख मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार जनता के हर तबके के साथ अन्याय कर रहे है। उन्होने रीट की परीक्षा को लेकर सरकार को कटघरे में खडा करते हुए दोहराया की इस मामले की सीबीआई जांच से सरकार पीछे क्यों हट रही है। पूनिया ने एक सवाल के जबाव में गोचर व ओरण सरक्षण को लेकर जारी देवीसिंह भाटी के धरने का नैतिक समर्थन किया।

रीट नकल प्रकरण के चार आरोपी 4 फरवरी तक रिमांड पर

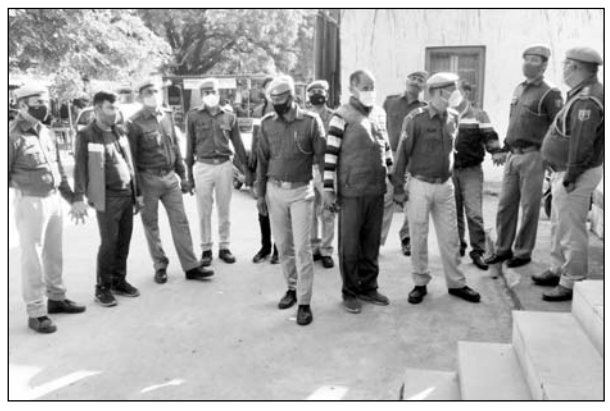

गंगापुर सिटी में आरोपियों को कोर्ट में पेश करती एसओजी की टीम।

गंगापुर सिटी, (निसं)। एसओजी के एएसपी हिमांशु शर्मा के नेतृत्व में रीट नकल प्रकरण में चार आरोपियों जिनमें रामकृपाल, भजन लाल विश्नोई, उदाराम व को ओडिनेटर प्रदीप पाराशर को गंगापुर सिटी न्यायलय में पेश किया गया। जहां से न्यायलय ने चारों आरोपियों को 4 फरवरी तक एसओजी को रिमांड पर सौंपा दिया। एसओजी की टीम चारों आरोपियों को अपने साथ जयपुर ले गई।

जयप्रदा ने अखिलेश को बताया जीरो, योगी को हीरो

पुष्कर, (निसं)। प्रसिद्ध अभिनेत्री जयप्रदा सोमवार को संसार प्रसिद्ध जगतपिता ब्रह्मा मंदिर पहुंची यहां पहुंचकर जयप्रदा ने ब्रह्माजी की आरती की और जो मनोकामना पूरी हुई उसके लिए ब्रह्मा जी का धन्यवाद दिया।

जयप्रदा एक शादी में भाग लेने के लिए पुष्कर के समीपस्थ गांव में बने एक रिसोर्ट में आई थी जिसके बाद अपनी मनोकामना पूरी होने पर सोमवार को दोपहर लगभग 11 बजे जगत पिता ब्रह्मा मंदिर पहुँची। इसके बाद ब्रह्मा मंदिर के पुजारी ने उनको चुनरी भेंट कर आशीर्वाद दिया। इसके बाद प्रेसवार्तामें बातचीत उन्होंने कहा कि सांसद बनने के बाद लोगों के बीच में रहना जरूरी है। उन्होने कहा कि भाजपा में जो अच्छा कार्य होता है अखिलेश को अच्छा नहीं लगता। इसलिए समीकरण में अखिलेश से लोग दूर जा रहे है। यूपी में योगी ने खूब काम किया है योगी ओर मोदी मिलकर देश को सुधारेंगे। अखिलेश के घर की बहू ही घर छोड़कर भाजपा में आ गयी। उन्होंने कहा कि योगी हीरो आखिलेश जीरो है।

'कांग्रेस सरकार में नौकरी पैसा और पहुंच से मिलती है'

अलवर, (निसं)। रीट भर्ती मामले में पेपर लीक होने के खुलासे होने के बाद अब युवाओं को रोष बढने लगा है। सोमवार को अलवर शहर में भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने रैली निकाल कर विरोध जताया। मोर्चा के पदाधिकारियों ने सरकार को घेरा और कहा कि इस सरकार में नौकरी पैसा और पहुंच से मिलती है यह साबित हो गया है। गहलोत सरकार तमाशा देख रही है युवा इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता।

भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता लादिया गेट से पैदल चल कर कलेक्ट्रेट पहुंचे। जमकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की कलेक्ट्रेट के बाहर खूबर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष तरुण जैन, भाजपा जिला महामंत्री पवन जैन, भाजपा आईटी सेल संयोजक चारूल अग्रवाल, डॉ. रवि यादव, जितेंद्र राठौर जीतू गुर्जर सहित सैकडों आईटी सेल संयोजक चारुल अग्रवाल सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

- **भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने रीट भर्ती मामले में सीबीआई जांच की मांग की**

युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष तरुण जैन ने कहा कि कई करोड रुपए में रीट का पेपर आउट किया गया। फिर भी सरकार मानने को तैयार नहीं है। प्रदेश का युवा ठगा हुआ है इस मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। तभी बडा खुलासा होगा। चारुल अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को आगे आना चाहिए। यह उनके हक का मामला है जब पेपर ही बिक जाएगा तो कॉम्पीटिशन की तैयारी करने वाले युवाओं के भविष्य से खिलवाड होगा। अब तक की जांच में साबित हो गया है कि पेपर आउट हुआ है। पैसे में बिका है। अब सीबीआई जांच होगी तो जिम्मेदारों को जेल जाना पडेगा। सरकार इससे बचना चाह रही है।

बीकानेर में पॉजिटिव रोगियों की संख्या में एकाएक भारी कमी

सोमवार को सिर्फ 47 पॉजिटिव मिले

बीकानेर, (कासं)। जिले में कोरोना रविवार को शायद छुट्टी पर चला जाता है। यही कारण है कि सोमवार को आने वाली रिपोर्ट में कोरोना पॉजिटिव का आंकड़ा कम होता है। लगता है कोरोना कम हो गया लेकिन हकीकत ये है कि कोविड टेस्ट नहीं होने के कारण ये संख्या कम होती है जो मंगलवार को फिर से बढ़ जाती है। सोमवार सुबह की रिपोर्ट में बीकानेर में महज 47 कोरोना पॉजिटिव मिलने की रिपोर्ट का कारण भी ये ही है।

प्रदेश में कोरोना की तीसरी लहर चल रही है और बीकानेर में हेल्थ डिपार्टमेंट कोविड से लड़ने के बजाय रविवार को छुट्टी मना रहा है। मजे की बात है कि रविवार के दिन डिस्पेंसरी कुछ समय के लिए खुलते हैं लेकिन इस दौरान कोविड जांच नहीं होती। हर सोमवार को आने वाली रिपोर्ट में पॉजिटिव का आंकड़ा कम होता है जबकि मंगलवार को ये फिर से बढ़ जाता है।

जो लोग शनिवार को कोरोना संक्रमित होने की आशंका में रविवार को जांच कराने पहुंचते हैं, उन्हें सोमवार को जांच के लिए बुलाया जाता है। रिपोर्ट मंगलवार सुबह तक मिलती है। ऐसे में शनिवार, रविवार व सोमवार को तीन दिन वो घर में रुकने के बजाय इधर-उधर घूमता है। संक्रमण फैलाता है। आइसोलेशन की हिदायत को अधिकांश लोग नहीं मानते। रविवार को डिस्पेंसरी में डॉक्टर व नर्सिंग स्टॉफ होता है लेकिन कोविड की जांच से इनकार कर दिया जाता है। कारण बताया जाता है कि रविवार है। हेल्थ डिपार्टमेंट की ओर से ऐसा कोई आदेश नहीं है कि रविवार को जांच नहीं होगी लेकिन डिस्पेंसरीज पर मौखिक आदेश है कि रविवार को जांच नहीं की जाएगी। ऐसे में सेम्पल कम होते हैं और पॉजिटिव भी कम आते हैं।

मोहनपुरा पंचायत पूर्णतः वैक्सिनेट

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम मोहनपुरा स्थित उप स्वास्थ्य केन्द्र पर सोमवार को एसडीएम राजवीर सिंह यादव की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्राम पंचायत मोहनपुरा को कोविड टीकाकरण में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने वाली प्रथम ग्राम पंचायत घोषित किया गया।

इस मौके पर बीसीएमओ डॉ. रामनिवास यादव, सीबीईओ महावीर प्रसाद, तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा, बीडीओ शशीबाला, सरपंच प्रतिनिधि जगमाल सिंह यादव, नारेहड़ा सीएचसी प्रभारी डॉ. राहुल शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी, प्रधानाचार्य, एएनएम रमेश यादव, सीएचए सरिता यादव, आशा सावित्री देवी, उषा शर्मा, भागेश यादव, ओमवती, लक्ष्मी देवी, उर्मिला देवी समेत अन्य मौजूद रहे।

20 साल से बहरोड़ परिवहन विभाग को किराए के ऑफिस से नहीं मिली निजात

अलवर, (निसं)। प्रदेश सरकार को 30 से 35 लाख रुपए प्रतिमाह राजस्व देने वाले परिवहन विभाग को पिछले 20 साल से स्वयं के भवन का इंतजार है। 20 साल पहले खुला उप परिवहन कार्यालय किराए के भवनों में चलता आ रहा है। इसके अधीन चार उपखंड क्षेत्र आते हैं। जिसमें बहरोड, नीमराना, मुंडावर और बानसूर लगा हुआ है।

इस कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के साथ-साथ टैक्स वसूल किया जाता है। हालांकि एसडीएम ने गांव गोकुलपुर के पास न्यायालय परिसर से लगते हुए करीब 2 बीघा जमीन 2012 में अलॉटमेंट करवाई है, लेकिन परिवहन विभाग के अधिकारियों को जमीन की पैमाइश अभी तक नहीं की गई। इसकी फाइल तहसीलदार कार्यालय में अटकी हुई है।

परिवहन निरीक्षक सुनील सैनी ने बताया कि तहसीलदार को कई बार पत्र भेजकर जमीन की पैमाइश करवाने के बाद पत्थर गढी करवाने की मांग की गई। लेकिन अभी तक तहसीलदार ने ना पैमाइश करवाई की और ना ही पत्थर गढी करवाई गई। ऐसे में परिवहन विभाग के पास कौन सी जमीन, किस तरफ की है किस लोकेशन में है। बइसका अभी तक हमें कोई अंदाजा भी नहीं है।

क्षेत्र के लोगों की मांग के साथ-साथ जिला मुख्यालय में परिवहन कार्यालय दूर होने से यहां के ट्रांसपोर्टरों और लोगों को सुविधाएं देने के लिए वर्ष 2001 में उप परिवहन कार्यालय खोला गया था, ताकि बहरोड, नीमराना, मुंडावर और बानसूर के लोगों को परिवहन कार्यालय अलवर पर नहीं जाना पडे।

हालांकि नए वाहनों का पंजीयन करवाने अलवर, भिवाडी और जयपुर ग्रामीण के कोटपूतली में स्थित डीटीओ कार्यालय जाना पडता है। अब 4 दिन बाद वर्तमान भवन में संचालित कार्यालय को खाली करने के बाद उसके पास ही नए भवन में शिफ्ट होगा। उप परिवहन कार्यालय में 3 परिवहन निरीक्षक और 8 का स्टाफ परमानेंट है 4 का स्टाफ अनुबंध पर लगाए हुए हैं। करीब 10 लाख ऑफिस ओर 25 लाख फ्लाइंग का रेवेन्यू एकत्र होता है।

मॉडल सुसाइड प्रयास मामले में ब्लैकमेलिंग का आरोप

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा स्थित पीडब्ल्यूडी चौराहा के पास में आई एक होटल की आठवीं मंजिल की छत से एक मॉडल युवती ने रविवार की देर शाम कूद कर जान देने का प्रयास किया था। उसके भाई ने उदयपुर के अक्षत शर्मा और दिपाली नाम की एक महिला पर तंग व परेशान किए जाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी है। इन लोगों ने किसी वीडियो को लेकर उसे तंग व परेशान किया है। जिसे लेकर वे ब्लैकमेल कर रहे थे। पीड़िता के भाई की तरफ से अब रातानाडा थाने में मामला दर्ज कराया गया है। घटना में अब एयरपोर्ट थानाधिकारी दिलीप खदाव की तरफ से जांच की जा रही है। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। मॉडल की हालत में सुधार है।

उदयपुर जिले में पॉजिटिव मरीजों का आंकड़ा गिरा

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में सोमवार को पॉजीटिव का आंकड़ा एकदम गिर गया है। जिले में सोमवार को 186 पॉजीटिव ही मिले है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी ने बताया कि जिले में आज प्राप्त 1256 सैम्पल जांच रिपोर्ट में से 1070 नेगेटिव व 186 पॉजीटिव मिले है। शहरी क्षेत्र में मिले 128 संक्रमितों में 05 कोरोना वॉरियर्स, 70 नए संक्रमित, 52 क्लॉज कान्टेक्ट व 01 माइग्रेंट है। ग्रामीण क्षेत्र में मिले 58 संक्रमितों में 07 कोरोना वॉरियर्स, 22 क्लॉज कांटेक्ट व 29 नए संक्रमित है। संक्रमितों का कुल आंकड़ा 70057 हो गया है। इनमें से 66232 रिकवर हो चुके है। एक्टिव केस की संख्या 3058 है इनमें से 2948 होम आइसोलेटेड व 110 अस्पताल में भर्ती है। आज 457 संक्रमित रिकवर भी हुए है।

- **जिले में सोमवार को 186 नये कोरोना संक्रमित निकले**

भीलवाड़ा जिले में 232 नये कोरोना मरीज

भीलवाडा, (निसं)। जिले में कोरोना संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं है। सोमवार को एक बार फिर 200 से ज्यादा पॉजिटिव मरीजों की पहचान हुई है। डिप्टी सीमएचओ डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि सोमवार को जिले में 1679 मरीजों के सैम्पल की जांच की गई थी। इनमें से 232 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

इनमें में से किसी भी मरीज में कोई लक्षण नजर नहीं आ रहा है। सोमवार को सामने आए मरीजों में सबसे ज्यादा पुर में 28, काशीपुरी में 26 व सुवाना में 25 मरीज सामने आए है। उन्होंने बताया कि शहर में संक्रमण का आंकडा काफी कम हुआ है। उन्होंने बताया कि लोग सावधारी बरतेंगे तो जिले में भी आंकडा जल्द कम हो जाएगा।

राजसमंद जिले में कोरोना के 163 नये संक्रमित मिले

राजसमंद, (निसं)। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर जिले में अपने पैर पसारते जा रही है। रविवार को एक साथ 383 नये संक्रमित सामने आने के बाद सोमवार को फिर से संक्रमितों की संख्या में कमी आई। सोमवार को प्राप्त ताजा रिपोर्ट में जिले में 163 नये मरीज सामने आए है। इसी के साथ जिले में एक्टिव मरीजों की संख्या भी बढ कर 1514 हो गई है। वहीं जिले में अब तक कुल 175 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं इस वर्ष 4 लोगों की मौत हो चुकी है।

सोमवार को कुल 32 बच्चे संक्रमित मिले है जिसमें 1 से 14 वर्ष की आयु के 18 बच्चे एवं 15 से 18 वर्ष की आयु के 14 बच्चे सामने आए है। सीएमएचओ डॉ. पीसी शर्मा के अनुसार सोमवार को जिले भर से कुल 1568 लोगों के सेम्पल लिए गए जिसमें 223 लोगों की आरएटी जांच की गई एवं शेष 1345 लोगों के सेम्पल आरटीपीसीआर जांच के लिए लेब भेजे गए। जबकि पूर्व में जांच के लिए भेजे गए सेम्पल की जांच रिपोर्ट में जिले में 163 नये संक्रमित सामने आए। फिलहाल जिले में अभी तक कोई भी क्रिटिकल मामला सामने नहीं आया है।

बाइपास जब-तक ठीक होगा तब तक रींगस शहर की सड़क उधड़ जायेगी

वाहनों के दबाव से गौरव पथ में पड़े एक-एक फीट के गड्ढे

रींगस, (निसं)। जिला कलेक्टर के सख्त निर्देश के बाद एनएचएआई ने सीकर जयपुर बाईपास की मरम्मत शुरू कर दी, यह 31 जनवरी तक ठीक करनी थी लेकिन अभी तक बाईपास की पूरी मरम्मत नहीं हो पाई है। इसका खामियाजा रींगस की जनता को उठाना पड़ रहा है।

रींगस की लाइफ लाइन माने जा रहे गौरव पथ भैरोजी मोड़ से सिटी बस स्टैण्ड व नगर पालिका होते हुए मिल तिराहे की सड़क उधड़ रही है। सड़क में भारी वाहनों की वजह से एक एक फीट के गड्ढे पड़ गये हैं। इससे वाहन चालक तो परेशान हैं ही साथ ही सड़क मार्ग पर बसे शहरवासी व व्यापारी भी खासे परेशान हो उठे हैं। वाहनों के दबाव से लोग रात को अपने घरों में ही चैन की नींद नहीं सो पा रहे हैं। मकानो में भारी वाहनों की वजह से दरारें पड़ रही हैं। वहीं शहर की सड़क के टूटने पर पालिकाध्यक्ष अशोक कुमार कुमावत ने सार्वजनिक निर्माण विभाग सड़क को बनाने की मांग की है।

सीकर-जयपुर बाइपास पर धीमी गति से हो रहा मरम्मत का काम।

भारी वाहनों के दवाब से टूट रही सड़क :- शहर में 2 दिसम्बर से जयपुर से सीकर जाने वाले वाहनों को डाईवर्ट किया गया था। एनएचएआई सीकर जयपुर बाईपास को ठीक करने के लिए जनवरी माह तक का समय मांगा था। लेकिन अभी तक बाईपास की पूरी मरम्मत ही नहीं हो पाई है। ऐसे में शहर के लोगों को और अधिक दिनों तक भारी वाहनों का दवाब झेलना पड़ेगा। भारी वाहनों की वजह से लोग सड़क को पार करने में ही परेशान हैं।

उधड रही सड़क बनायेगा कौन:- रींगस में भैरोजी मोड से होकर सिटी बस स्टैण्ड, नगर पालिका होकर मिल तिराहे तक पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने सड़क का निर्माण दोबारा से करवाया था। इससे पहले इस सडक को बनते बनते 15 साल लग गये। हालांकी उससे पहले यह राष्ट्रीय राजमार्ग 11 था। इसके बाद

- **पिछले माह से रींगस शहर से गुजर रहे वाहन**

शहरी विकास योजना के तहत पन्द्रह साल पहले इसका निर्माण शुरू करवाया था लेकिन फिर भी यह सड़क नहीं बन पाई।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने पिछले कार्यकाल में जब रींगस आये थे तो उन्होंने भी सड़क को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। इसके बाद चुनाव आ गये। और सडक टूटी ही रह गई। बाद में मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने इसे गौरव पथ का दर्जा देकर इसका निर्माण 2017 में करवाया। लेकिन भारी वाहनो की वजह से यह टूट रही है। लेकिन जानकारों का कहना है कि अब इस सडक को बनायेगा कौन। क्योकि पीडब्ल्यूडी तथा एनएचएआई एक दूसरे से सडक बनाने की मांग करेंगे।

'थानवी ने नियमों व मापदंडों को दरकिनार कर मांगे शिक्षक भर्ती के लिए आवेदन'

विधायक देवनानी ने कुलपति थानवी की सफाई को निहायत बेबुनियाद बताया, थानवी के बयान पर किया जोरदार पलटवार

जयपुर। पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा है कि हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति ओम थानवी नैतिकता की दुहाई देकर अपनी सफाई देने में लगे हैं। यदि ऐसी ही नैतिकता थी, तो अयोग्य होकर भी महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति का दायित्व क्यों संभाला था। उनकी अयोग्यता और अकादमिक अज्ञानता की वजह से विश्वविद्यालय का शैक्षिणक वातावरण खराब हुआ है और लाखों विद्यार्थियों के शिक्षण को दांव पर लगा दिया, जिससे उनकी प्रगति अवरूद्ध हो गई है।

देवनानी ने कहा कि थानवी ने राज्यपाल को पत्र लिखकर अपनी नैतिकता का हवाला देकर उनके (देवनानी के) बयानों को लेकर सफाई पेश की है, जो कि निहायत बेबुनियाद है। देवनानी ने बताया कि नियमानुसार कोई भी पद विज्ञापित करने से पूर्व उस पर लागू होने वाले आरक्षण और रोस्टर के आलोक में परीक्षण करना आवश्यक होता है। उन पर प्राप्त आपत्तियों को निस्तारित करने के बाद ही विज्ञापन जारी किया जाता है। विभिन्न शैक्षिणक पदों पर विज्ञापन से पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा वेबसाइट पर रोस्टर कैलेण्डर चस्पा कर उन पर आपत्तियां मांगी गई। इस पर अन्य लोगों के साथ विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने भी आरक्षण प्रावधानों को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी। उनकी आपत्तियों को निस्तारित किए बिना ही विज्ञापन जारी कर दिया। स्वयं विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने रोस्टर के इस गड़बड़झाले की शिकायत 17 जनवरी को राज्यपाल से की है। हास्यास्पद बात यह है कि असिस्टेंट प्रोफेसर को असिस्टेंट लाइब्रेरियन के समकक्ष दर्शा दिया गया है।

देवनानी ने आरोप लगाया है कि हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय मे जारी शैक्षिणक पदों के विज्ञापन में यूजीसी की अनिवार्य योग्यता को अपनी सुविधानुसार बदल दिया गया है और आरक्षित पदों के रोस्टर के संबंध में स्वयं विवि के संकाय सदस्यों की आपत्तियों को निस्तारित किए बिना ही जल्दबाजी में विज्ञापन जारी किया गया है। सदस्यों ने राज्यपाल को भी पत्र प्रेषित कर संपूर्ण मामले से अवगत कराया है। उनका कहना है कि वर्तमान में जो पदों पर आरक्षण प्रावधान किए गए हैं, उनसे महिलाओं और आरक्षित वर्ग को नुकसान पहुंचा है। देवनानी ने सवाल उठाया है कि ऐसी क्या जल्दी थी कि ऐसे संवेदनशील मसले की जांच और निस्तारण किए बिना आनन-फानन में विज्ञापन जारी किया गया। इतना ही नहीं, विज्ञापित पदों के लिए आवश्यक जानकारी 4 दिसंबर, 2021 को वेबसाइट पर दी गई। एक माह से भी कम समय में अंतिम तिथि 2 जनवरी, 2022 निर्धारित कर दी गई। दो जनवरी को रविवार का राजकीय अवकाश होने के बावजूद भी यह अंतिम तिथि रखी गई, ताकि भ्रम की स्थिति बनी रहे। इन सब तथ्यों से स्पष्ट है कि भर्तियों जैसे गंभीर कार्य को कितने मनमाने तरीके से किया गया है। कुलपति का कार्यकाल 8 मार्च को खत्म हो रहा है और पिछले माह दिसम्बर में भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया। इससे उनकी जल्दबाजी की मंशा स्पष्ट तौर पर साबित होती है। देवनानी ने कहा कि थानवी अपनी गलतियों को छिपाने के लिए शैक्षिणक पदों पर विश्वविद्यालय की ओर से जारी न्यूनतम योग्यता को लेकर अनावश्यक और अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर पदों के लिए यूजीसी मापदण्डों में जो आवश्यक योग्यताएं निर्धारित की गई हैं, उन्हें अपनी सुविधानुसार बदल दिया गया है।

> **'रोस्टर की आपत्ति निस्तारित नहीं और यूजीसी योग्यता बदलकर जारी किया विज्ञापन'**

देवनानी ने आरोप लगाया है कि कुलपति थानवी ने अपने विश्वविद्यालय में प्रचलित नियमों का उल्लंघन करके एक असिस्टेंट प्रोफेसर को डीन बना रखा है।

'हैरिटेज निगम में संचालन समितियां जल्द बनेंगी'

जयपुर, (कासं)। हैरिटेज नगर निगम संचालन समितियों के गठन का मामला अब तेज हो गया है। संचालन समितियों का गठन नहीं होने को लेकर निर्दलीयों के साथ अब कांग्रेसी पार्षदों के आक्रोश को देखते हुए सरकार ने जल्द ही समितियों का गठन करने की तैयारी कर ली है। जानकारों की मानें तो किशनपोल और आदर्श नगर जोन क्षेत्र के पार्षदों ने दबाव अधिक होने से अब जल्द ही संचालन समितियों का गठन होने की उम्मीद है।

हेरिटज नगर निगम में संचालन समिति गठन मामले को लेकर महापौर मुनेश गुर्जर ने का कहना है कि समितियों का गठन ना होने की वजह से पार्षद नाराज है। समितियों का गठन मंत्री और विधायक करेंगे। महापौर मुनेश गुर्जर की मानें तो संचालन समितियों का गठन भी जल्द होगा। संचालन समितियों का गठन का मामला सरकार के स्तर पर होगा। हेरिटेज नगर निगम में कांग्रेस व निर्दलीय पार्षदों की ओर से महापौर बदलने की उठाई आवाज ने शहर की राजनीति में भूचाल ला दिया है। इस दबाव की राजनीति के बीच महापौर मुनेश गुर्जर का बेडा बयान सामने आया है। महापौर मुनेश गुर्जर ने कहा, है कि उनसे पार्षदों की कोई नाराजगी नहीं है। हैरिटेज नगर निगम में एक साल बाद भी संचालन समितियों का गठन नहीं होने को लेकर पार्षदों का आक्रोश सामने आने लगा है। इसमें निर्दलीयों के बाद कांग्रेसी पार्षदों में भी आक्रोश देखने को मिल रहा है। कांग्रेसी पार्षदों ने महापौर मुनेश गुर्जर से असंतुष्ट होकर हस्ताक्षर अभियान चलाया।

प्रदेश में करोना संक्रमितों की संख्या कम होने का क्रम तेज हुआ

राज्य में सोमवार को 6369 नए संक्रमित मिले, इससे पहले रविवार को 10061 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमितों की संख्या कम होने का क्रम तेज हो गया है। इस दौरान राज्य में सोमवार को 6369 नए रोगी मिले हैं। हालाकि इस दौरान प्रदेश में इस बीमारी से 23 और लोगों की मौत हुई है। इधर राज्य में जनवरी के महीने में ढाई लाख से अधिक नए संक्रमित मिलने के साथ ही 304 लोगों की मौत हुई है।

प्रदेश में सोमवार को एक ही दिन में 3692 मामले कम आने के साथ ही 6369 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले राज्य में 10061 मामले सामने आए थे। हालाकि आज राज्य में केवल 19418 ही जांचे होने के कारण संक्रमण दर 32.79 फीसदी पर पहुंच गई। इधर राजधानी जयपुर में भी पिछले चौबीस घंटों में 1578 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 616, अलवर में 347, पाली में 339, नागौर में 303, भीलवाड़ा में 232, कोटा में 219, सिरोही में 205, अजमेर में 192, उदयपुर में 186, बांसवाड़ा में 183, जैसलमेर में 180, डूंगरपुर में 173, राजसमंद में 163, झालावाड़ में 152, प्रतापगढ़ में 137, श्रीगंगानगर में 134, झुंझुनूं में 123, बीकानेर में 114, बारां में 100,

- **राजधानी जयपुर में भी और गिरावट के बाद 1578 नए संक्रमित मिले।**
- **राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 23 और लोगों की मौत हुई है।**
- **प्रदेश में जनवरी के महीने में ढाई लाख से अधिक नए संक्रमित मिले, जबकि 304 लोगों की मौत हुई।**

सवाई माधोपुर में 97, भरतपुर व धौलपुर में 94-94, बाड़मेर में 69, सीकर में 65, दौसा में 62, टोंक में 51, करौली में 47, चित्तौड़गढ़ में 45, बूंदी में 26, चूरू में 21, हनुमानगढ़ में 12 और जालौर में 10 नए संक्रमित मिले है।

वहीं दूसरी ओर राज्य में जनवरी के महीने 2 लाख 50 हजार 194 नए संक्रमित मिले। इस दौरान 304 लोगों की मौत हुई है। इधर प्रदेश में करोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। इसके चलते पिछले चौबीस घंटे में राज्य में 23 और लोगों की मौत हो गई है। इनमें जयपुर में 8, पाली में 3, जोधपुर व सीकर में 2-2 तथा अजमेर, बूंदी, चूरू, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, नागौर और टोंक में 1-1 मरीज की मौत हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9268 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। उधर प्रदेश में सोमवार को नए संक्रमितों के मुकाबले में करीब दोगुना मरीज ठीक हुए है। इस दौरान 11618 रोगियों के रिकवर होने से एक्टिव केस और घटकर 67 हजार 17 रह गए है। हालाकि इनमें अभी सबसे ज्यादा 16 हजार 739 मामले जयपुर जिले में है। राजधानी जयपुर में सोमवार को 89 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 58 नए रोगी दुर्गापुरा इलाके में मिले है। इसके अलावा मालवीय नगर में 57, दूदू, में 55, जगतपुरा व सांगानेर में 54-54, प्रताप नगर में 53, गोपालपुरा व किरण पथ पर 50-50 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं 79 ऐसे संक्रमित है जिन्होंने जांच कराते समय नाम व पता गलत लिखाया था। जिले में इस बीच 3663 मरीज रिकवर हुए हैं।

वकीलों के धरने को लेकर रार, बार और अधिवक्ता आमने-सामने

> **भाजपा अध्यक्ष को लिखा पत्र**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से जारी डेजिग्नेट सीनियर अधिवक्ताओं की सूची में अनुभवी वकीलों को शामिल नहीं करने के खिलाफ वकीलों का धरना सोमवार को भी जारी रहा। वहीं दूसरी ओर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से धरने में शामिल तीन अधिवक्ताओं को नोटिस जारी कर तलब करने पर धरना दे रहे एक अधिवक्ता ने भाजपा पदाधिकारियों को पत्र लिखकर बार अध्यक्ष भुवनेश शर्मा को पार्टी की सदस्यता से निष्कासित करने की मांग की है।

वर्ष 1964 से वकालत कर रहे अधिवक्ता पी.सी. जैन, वर्ष 1977 से वकालत कर रहे अधिवक्ता विमल चौधरी को हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से सीनियर अधिवक्ता घोषित नहीं करने के विरोध में दोनों अधिवक्ताओं सहित अधिवक्ता विजय पूनिया और पी.सी. भंडारी व अन्य रोजाना एक घंटा हाईकोर्ट परिसर में धरना दे रहे हैं। इस पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने अधिवक्ता जैन, चौधरी और पूनिया को नोटिस भेजा है। जिसमें कहा गया कि एसोसिएशन उनके लिए काम कर रही है, लेकिन तीनों अधिवक्ता सीनियर लॉयर्स बार एसोसिएशन जैसी फर्जी संस्था के बैनर तले धरना देकर उसे पनपाने में सहयोग कर रहे हैं।

बार एसोसिएशन की ओर से भेजे नोटिस से खफा होकर अधिवक्ता विमल चौधरी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह और प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया को पत्र लिखा है। जिसमें कहा गया है कि बार अध्यक्ष भुवनेश जैन वकीलों में भाजपा की छवि धूमिल कर रहे हैं। एक महिला न्यायाधीश से अभद्रता करने पर उन्हें अवमानना का नोटिस भी मिल चुका है। इसके अलावा एक अन्य न्यायाधीश की अदालत में ताला लगाने पर सुप्रीम कोर्ट मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान भी ले चुका है। ऐसे में उन्हें तुरंत पार्टी से निष्कासित किया जाए।

राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ का 31 जनवरी को स्थापना दिवस होता है। वकीलों ने संघर्ष कर 31 जनवरी 1977 को हाईकोर्ट की जयपुर पीठ को स्थापित कराया था।

'पहली बार किसी मुख्यमंत्री को नौ सलाहकारों की जरूरत पड़ रही है'

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि राजस्थान के इतिहास में पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री को सरकार चलाने के लिए करीब 9 सलाहकारों की जरूरत पड़ रही है जिसमें अब पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य भी मुखियाजी को सलाह देंगे।

अकबर के नवरत्न के बाद शायद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दूसरे व्यक्ति हैं जिनके पास इतने सलाहकारों का कुनबा है। राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि मुख्यमंत्रीजी ने नवंबर 2021 में मंत्रिमंडल पुनर्गठन के दौरान भी संवैधानिक प्रावधानों को ताक पर रखकर 6 असंतुष्ट विधायकों को सलाहकार का झुनझुना पकड़ाया था जिन्हें सामान्य विधायक के अतिरिक्त ना कोई पावर मिली और ना ही सरकारी सुविधाएं। अब देखना होगा नये सलाहकार आखिर क्या कमाल करेंगे।

प्रदेश के 12 से 14 जिलों में हुआ 100 फीसदी वैक्सीनेशन

जयपुर (का.स.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि वैक्सीनेशन के मामले में प्रदेश में सराहनीय कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 12 से 14 जिलों में 100 फीसद वैक्सीनेशन किया जा चुका है। शेष बचे जिलों की समीक्षा कर वैक्सीनेशन के कार्य को गति दी जाएगी।

मीणा ने बताया कि प्रदेश में 96 फीसद से ज्यादा लोगों को प्रथम डोज लग चुकी है, जबकि दोनों डोज लगवाने वालों की तादाद 80 प्रतिशत तक जा पहुंची है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में व्यापक स्तर पर वैक्सीनेशन का कार्य किया जा रहा है। चिकित्सा कार्मिकों की मेहनत के चलते ही दिसंबर माह में 1 करोड 32 लाख लोगों का वैक्सीनेशन किया गया था। इस दौरान 60 से अधिक आयु वर्ग के लोगों, फ्रंटलाइन वर्कर व हेल्थ वर्कर्स को बूस्टर डोज भी लगाए गए साथ ही 15 से 18 आयु वर्ग के किशोर किशोरियों का भी वैक्सीनेशन किया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश के 96.3 प्रतिशत लोगों को कोरोना वैक्सीन की प्रथम व 80.3 प्रतिशत लोगों को दोनों डोज लगाई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि 15 से 18 आयु वर्ग के किशोर किशोरियों को 62.9 फीसद व 33.4 प्रतिशत को प्रिकॉशन डोज भी लगाई जा चुकी हैं। चिकित्सा मंत्री ने बताया कि प्रदेश के ज्यादातर जिलों में 90 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को वैक्सीन की प्रथम डोज लगाई जा चुकी है। वैक्सीनेशन के बीच के अंतराल के चलते दूसरी डोज लगाने की गति थोडी धीमी हो सकती है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा आमजन को टीकाकरण के लिए प्रेरित करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कोरोना से बचने के लिए वैक्सीन की दोनों डोज लगवाना जरूरी है। दोनों डोज नहीं लगवाने वालों की जल्द ही समीक्षा कर कारण जाना जाएगा और कार्य योजना बनाकर उन्हें वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित भी किया जाएगा।

महापौर शील धाबाई के खिलाफ निगम मुख्यालय में धरने पर बैठे बीजेपी पार्षद

बीजेपी जयपुर शहर महामंत्री कृष्ण मोहन शर्मा ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। कार्यवाहक महापौर शील धाबाई की कार्यशैली से नाराज भाजपा पार्षदों ने सोमवार को ग्रेटर नगर निगम मुख्यालय में गणेश प्रतिमा के आगे बैठकर धरना दिया। मामला जब संगठन स्तर पर पहुंचा तो वहां से दबाव आने पर महापौर शील धाबाई, भाजपा जयपुर शहर महामंत्री कृष्ण मोहन और अन्य दूसरे पार्षद समझाइश करने पहुंचे, इसके बाद मामला शांत हुआ।

दरअसल सोमवार को नगर निगम मुख्यालय में जोटवाडा क्षेत्र के पार्षदों की समस्या सुनने के लिए महापौर शील धाबाई ने बैठक बुलाई थी। बैठक में पहुंचे पार्षदों ने शिकायत दी कि बीते 1 साल में उनके क्षेत्र में ना तो सडक बनीं और न सीवरेज सुविधा मिली। सफाई व्यवस्था का ढर्रा पहले से ही बिगडा हुआ है, जिसकी सुध लेने वाला कोई है नहीं।

वार्ड 44 के पार्षद सुशील बारी जब बोलने लगी तो मेयर ने उन्हें बैठा दिया, जिससे वह गुस्सा हो गई और शील धाभाई के खिलाफ धरने पर बैठ गई। पार्षद सुशीला ने कहा की वह यहां अपने क्षेत्र की समस्याएं बताने आई थी लेकिन उन्हें ही चुप रहने को कह दिया गया, फिर मीटिंग मैं बुलाया ही क्यों था।

होर्डिंग समिति के चेयरमैन प्रवीण यादव ने कहा कि दूसरे जोन की तर्ज पर झोटवाडा के सभी पार्षदों से महापौर एक साथ मिलने को तैयार नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक पार्षद से बातचीत करते हुए महापौर शील धाबाई ने झुंझलाते हुए फाइल तक पटक दी। अधिकारियों के सामने भरी मीटिंग में पार्षदों को बेइज्जत करना न्यायसंगत नहीं है। विद्युत समिति के चेयरमैन सुखप्रीत बंसल ने कहा कि निगम में अव्यवस्थाएं चल रही है, जिससे परेशान होकर पार्षदों को मजबूरन धरना देना पडा। सूत्रों के मुताबिक जैसे ही बीजेपी पार्षदों के धरने की सूचना पार्टी मुख्यालय तक पहुंची तो वहां से आनन-फानन में जयपुर शहर महामंत्री कृष्ण मोहन रवाना हुए। उन्होंने धरने पर बैठे पार्षदों को 1 हफ्ते में हालात सुधारने का आश्वासन देकर मामला शांत करवाया। कृष्ण मोहन के साथ महापौर और अन्य कुछ पार्षद भी समझाइश करने पहुंचे।

सूत्रों के मुताबिक महापौर के विरोध में सुशीला बारी, अर्चना शर्मा, शक्ति सिंह, सुरेश रेगर, सुखप्रीत बंसल, संजू चौधरी, मदन शर्मा, पीयूष किराडू, राखी राठौड, प्रवीण यादव, निशांत सुरोलिया, राजू अग्रवाल, विजेंद्र सैनी, वीरेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, गणेश नाथावत, राम किशोर प्रजापत, अजय सिंह चौहान, विजेंद्र पाल, मीनाक्षी शर्मा, पारस जैन और अरुण वर्मा मौजूद थे।

कार्यवाहक महापौर शील धाबाई का कार्यकाल 60 दिन आगे बढाया

जयपुर, (कासं)। ग्रेटर महापौर पद से सौम्या गुर्जर के निलंबन मामले में 2 फरवरी को फैसला आने की उम्मीद है। इसे लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। मगर इससे पहले ही राज्य सरकार ने कार्यवाहक महापौर शील धाबाई का कार्यकाल 60 दिन के लिए बढा दिया है। उनका कार्यकाल 6 फरवरी को पूरा हो रहा था। सूत्रों की मानें तो गुर्जर के निलंबन मामले में राज्य सरकार की ओर से न्यायिक जांच में सरकारी पक्ष और बचाव पक्ष के बयान पूरे हो चुके हैं, जिसमें अधिकारी या कर्मचारी के लिखित कथन या बयान में स्पष्ट है कि सौम्या गुर्जर ने ऐसे किसी शब्द का उपयोग नहीं किया जो अपशब्द की श्रेणी में आता हो। हालांकि पार्षदों की जांच पूरी नहीं हो पाई है। ऐसे में दोनों मामलों की जांच पूरी होने के बाद ही न्यायिक जांच का फैसला आने की उम्मीद है। आपको बता दें के सौम्या गुर्जर के निलंबन के बाद 7 जून को शील धाभाई को कार्यवाहक महापौर बनाया गया था। इसके बाद मामला कोर्ट में विचाराधीन होने की वजह से लगातार शील धाभाई का कार्यकाल बढाया जा रहा है।

अपात्र को विश्वविद्यालय का वीसी बनाने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अयोग्य व्यक्ति को हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय का वी.सी. बनाने पर यू.जी.सी., पत्रकारिता विश्वविद्यालय और वी.सी. ओम थानवी सहित राज्य सरकार से जवाब मांगा है। जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस बिरेंद्र कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश पंकज प्रताप सिंह की जनहित याचिका पर दिए।

जनहित याचिका में कहा गया की यू. जी. सी. के नियमानुसार विश्वविद्यालय में वी. सी. बनने के लिए पी. एच. डी. की डिग्री के साथ ही संबंधित व्यक्ति के पास बतौर प्रोफेसर 10 साल का अनुभव होना जरूरी है। राज्य सरकार की ओर से ओम थानवी को हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय का वी.सी. बनाया गया है, लेकिन ना तो उनके पास पी.एच.डी. की डिग्री है और ना ही उनके पास प्रोफेसर पद का 10 साल का अनुभव है। याचिका में कहा गया है कि ओम थानवी के पास तय योग्यता नहीं होने के बावजूद उन्हें गलत तरीके से वीसी पद पर नियुक्ति दी गई है। ऐसे में उन्हें तत्काल पद से हटाने के निर्देश दिए जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

संविदाकर्मियों को हटाने पर जवाब तलब

जयपुर। हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना में लगे संविदाकर्मियों को हटाने पर एसीएस स्वास्थ्य और चिकित्सा निदेशक सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश शिवराज व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता योगेश टेलर ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता वर्ष 2013 से सीएम निशुल्क जांच योजना में रेडियोग्राफर सहित अन्य पदों पर संविदा पर नियुक्त हैं। उन्होंने कोविड महामारी में भी निरंतर काम किया है। इसके बावजूद भी चिकित्सा विभाग उन्हें नियमित नहीं कर रहा है, बल्कि विभाग ने गत दिनों आदेश जारी कर उन्हें पद से हटाने के निर्देश दे दिए। याचिका में कहा गया कि विभाग में रेडियोग्राफर सहित अन्य पद रिक्त चल रहे हैं। ऐसे में विभाग उन्हें हटाकर दूसरे संविदाकर्मियों को नियुक्ति देने जा रहा रहा है।

नर्सेज संघर्ष समिति ने चिकित्सा मंत्री को ज्ञापन सौंपा

जयपुर। नर्सेज संघर्ष समिति ने सोमवार को नर्सिंग भर्ती 2018 से संबंधित समस्याओं को लेकर परसादी लाल मीणा चिकित्सा मंत्री से निजी आवास पर मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। अध्यक्ष सोमसिंह मीणा ने बताया की जारी पदस्थापन सूची अनुसार नवनियुक्त नर्सेज की ज्वाइनिंग तिथि 29 अप्रैल 2020 संबंधित विभागीय आदेश जारी कर परीविक्षा काल समय अंतराल को समाप्त किया जाए। नर्सेज के मूल पोस्टिंग के आदेश जारी कर वेतन समय पर दिया जावे।

राहुल-प्रियंका के संवेदना प्रदर्शन और घड़ियाल के आंसुओं में अंतर नहीं : शेखावत

जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा पर कटाक्ष किया। शेखावत ने कहा कि राहुल-प्रियंका के संवेदना प्रदर्शन और घड़ियाल के आंसुओं में अंतर नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पंजाब में इनके मंत्री रोजगार का सवाल पूछती बेटी से बदतमीजी करते हैं। राजस्थान को इनकी सरकार ने हर क्षेत्र में पीछे धकेला, लेकिन दुष्कर्मों में अव्वल बना दिया है। शेखावत ने कहा कि इस समय अलवर केस को रफा-दफा करने में पूरा प्रशासन झोंक दिया गया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में इनकी गठबंधन सरकार है, जहां एक गर्भवती रेंजर को सरेआम पीटा जाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाई-बहन देश को बदनाम करने वाले ट्वीट करने में माहिर है, लेकिन दोनों इतने हृदयहीन भी हैं कि कांग्रेस शासित राज्यों में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार इन्हें मामूली लगते हैं। उन्होंने कहा कि पीड़िताओं से मिलना तो दूर ये उनके बारे में बोलना भी पसंद नहीं करते।

कैदी ने सेंशन कोर्ट से भागने का प्रयास किया

जयपुर,(कासं)। राजधानी के सेंशन कोर्ट परिसर में सोमवार को पेशी के लिए लाए चैक अनादरण के एक आरोपी ने पहली मंजिल से कूदकर भागने की कोशिश की। हालांकि वहां मौजूद युवा अधिवक्ता शंकर लाल गुर्जर पहली मंजिल से कूद कर उसे दबोच लिया।

जानकारी के अनुसार चैक अनादरण के मामले में आरोपी तौफीक भगोड़ा घोषित था। रामगंज थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया था। पेशी से वापस ले जाते समय आरोपी ने मौका देखकर झटके से पुलिसकर्मी की पकड़ से अपने आप को छुडा लिया और पहली मंजिल से नीचे कूद गया। इतने में वहां खडे वकील शंकर लाल भी उसे पकड़ने के लिए आरोपी के साथ-साथ नीचे कूद गए और वहां मौजूद दूसरे वकीलों की सहायता से उसे पकड़ लिया। गौरतलब है कि सेशन कोर्ट परिसर से पहले की कई बार आरोपी फरार होने की कोशिश कर चुके हैं।

सार-समाचार

हरदयाल जैफ को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई

जयपुर (का.स.)। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सहायक निदेशक हरदयाल जैफ को उनकी अधिवार्षिक आयु पूर्ण करने पर सोमवार को डीपीआर परिसर में भावभीनी विदाई दी गई। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के निदेशक पुरूषोत्तम शर्मा ने जैफ को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया एवं उन्हें साफा व माला पहना कर सम्मानित किया। सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशक ने हरदयाल जैफ की 31 वर्षों तक की गई राजकीय सेवा की सराहना करते हुए उनके दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। इस अवसर पर विभाग के अतिरिक्त निदेशक अरूण जोशी, संयुक्त निदेशक महेश शर्मा, जनसम्पर्क सेवा समन्वय समिति के अध्यक्ष गोपाल स्वरूप पाठक एवं महासचिव एल एन शर्मा सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

दुलाराम सहारण की गांधी साहित्य की राजस्थानी अनुवाद पुस्तकों का विमोचन

जयपुर, (कासं)। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शहीद दिवस पर जयपुर में महात्मा गांधी की कृतियों के चूरू निवासी जाने माने साहित्यकार दुलाराम सहारण द्वारा किए गए राजस्थानी अनुवाद सर्वोदय, मंगल प्रभात और आत्मकथा 'साच रा तजरबा' का विमोचन किया। इस अवसर पर गहलोत ने कहा कि विश्व के बदलते परिदृश्य के बीच अहिंसा और शांति के प्रतीक राष्ट्रिपता महात्मा गांधी आज और अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। युवा शक्ति को जिस ढंग से आज राजनीतिक ताकतों द्वारा इस्तेमाल विभाजक यंत्र के रूप में किया जा रहा है वह हिंसक है और उस माहौल को सकारात्मक बनाने के लिए जरूरी है कि युवाओं को ज्यादा से ज्यादा सृजनात्मकता से जोडा जाए। राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी के निदेशक बीएल सैनी, अहिंसा प्रकोष्ठ चूरू प्रभारी उम्मेद सिंह गोठवाल, उद्योग मंत्री शंकुतला रावत, मुख्य मंत्री के विशेषाधिकारी देवाराम सैनी और राजस्थान बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष संगीता बेनीवाल भी इस मौके मौजूद थे।

जीपीएस से होगी घर-घर कचरा संग्रहण की मॉनिटरिंग

जयपुर, (कासं)। हैरिटेज नगर निगम ने घर-घर कचरा संठाहण का काम अपने हाथ में लेने के बाद अब ऑनलाइन मॉनिटरिंग पर काम शुरू कर दिया है। हर हूपर की जीपीएस सिस्टम से मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके लिए वार्ड वाइज हूपर्स का रूट चार्ट मैपिंग तैयार कर लिया गया है। अब हर हूपर को जीपीएस सिस्टम से जोडना शुरू कर दिया है। जीपीएस सिस्टम से जोडने के बाद हर हूपर के निगम की नजर में रहेगा। हैरिटेज नगर निगम आयुक्त अवधेश मीना ने बताया कि नियमित रूप से हर घर से कचरा संग्रहण हो, इसके लिए घर-घर कचरा संग्रहणे व्यवस्था की मॉनिटरिंग की जा रही है। हर वार्ड में सीएनजी बेस्ट नए हूपर लगाए है। हमारा टारगेट हर वार्ड में तीन-तीन हूपर देने का है। इनकी रूट चार्ट मैपिंग का काम पूरा कर लिया गया है। जीपीएस सिस्टम से उनकी मॉनिटरिंग की जाएगी। रूट चार्ट से उनकी मॉनिटरिंग होगी, जैसे ही कोई रूट चार्ट से इधर-उधर हूआ तो ऐसे हूपर पर पैनल्टी लगाई जाएगी। हमारा टारगेट है कि डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन नियमित होना चाहिए और समय पर होना चाहिए।

हॉर्डिंग हटाने का चलाया अभियान

जयपुर, (कासं)। नगर निगम जयपुर हेरिटेज के किशनपोल जोन द्वारा सोमवार को अवैध पोस्टर होर्डिंग हटाने का विशेष अभियान चलाया गया। इसके अलावा कोविड प्रोटोकॉल की पालना के लिए भी दुकानों पर कार्रवाई की गई। किशनपोल जोन के राजस्व अधिकारी देवेंद्र जिंदल ने बताया कि जॉन क्षेत्र में 90 स्थानों से अवैध पोस्टर में होर्डिंग हटाया गया, वहीं दुकानदारों द्वारा मास्क नहीं लगाने एवं कचरा पात्र नहीं रखने पर 12 हजार 700 का कैरिंग चार्ज भी वसूला गया। इसी प्रकार सिविल लाईन जोन के राजस्व अधिकारी चेतन कुमार जैन ने बताया कि जोन क्षेत्र में सोमवार को चलाये गये अभियान के तहत 22 स्थानों से अवैध हॉर्डिंग हटाये गये है।

प्राइवेट पार्ट में छिपाकर लाया सोना जब्त

जयपुर,(कासं)। जयपुर एयरपोर्ट पर कस्टम एयर इंटेलिजेंस विंग ने कार्रवाई करते हुए दुबई से आए एक यात्री के कब्जे से 512 ग्राम सोना बरामद कर उसे गिरफ्तार किया है। जब्तशुदा सोने की बाजार कीमत 25 लाख 37 हजार 865 रुपए है। कमिश्नर (कस्टम) राहुल नांगरे ने बताया कि दुबई से स्पाइसजेट फ्लाइट संख्या एसजी 713 से जयपुर आए एक यात्री की चेकिंग के दौरान संदिग्ध लगने पर पूछताछ की गई। इस दौरान वह घबरा गया और संतोष जनक जवाब नहीं दे पाया। इस पर मेटल डिटेक्टर से यात्री की तलाशी ली गई तो दो पारदर्शी पॉलीथीन कैप्सूल में पैक पीले रंग का दानेदार पेस्ट शरीर के अंदर यानि मलाशय के अंदर छिपा हुआ पाया गया। जिसका वजन 512.700 ग्राम निकला। इसके बाद सोना पेस्ट से निकाला गया और जब्त कर आरोपी यात्री को गिरफ्तार किया है।

तरुणा पुजारी प्रदेश सचिव बनी

जयपुर। नर्सेज टीचर एसोसिएशन ऑफ इंडिया राजस्थान ब्रांच में उदयपुर के नर्सिंग ट्यूटर राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय की तरूणा पुजारी को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष पुरुषोत्तम कुंभज ने आदेश जारी किए। उनकी नियुक्ति पर प्रदेश महामंत्री जावेद अख्तर नकवी, उदयपुर संभाग अध्यक्ष डॉ. योगेश उपाध्याय, उदयपुर जिला अध्यक्ष पवन कुमार जैन, उदयपुर संभाग संरक्षक डॉ. विजयम्मा अजमेरा सहित अन्य शिक्षकों ने खुशी जाहिर की है।

रीट परीक्षा भर्ती धांधली प्रकरण में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

झुंझुनूं, (निसं)। सोमवार को भारत की जनवादी नौजवान सभा के जिला अध्यक्ष राजेश बिजारणिया के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के मार्फत मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को रीट परीक्षा भर्ती धांधली प्रकरण में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया गया जिसमें भारत की जनवादी नौजवान सभा (डीवाईएफआई) राज्य कमेटी राजस्थान राज्य स्तरीय आव्हान के तहत उपरोक्त विषयांतर्गत विरोध प्रदर्शन व पुतला दहन प्रदर्शन के माध्यम से बेरोजगार नौजवानों के हित में निम्नलिखित मागों पर ध्यान केंद्रित करवाते हुए कार्यवाही की मांग की गई है।

भारत की जनवादी नौजवान सभा ने जिला कलेक्टर के मार्फत दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

- **भारत की जनवादी नौजवान सभा जिला कमेटी झुंझुनूं ने ज्ञापन सौंपा**

जिला महासचिव बिलाल कुरेशी ने बताया कि रीट शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक प्रकरण ने परिक्षा एजेंसियों के साथ राज्य सरकार की लापरवाही एवं भ्रष्टाचार का खुलासा किया है। राज्य सरकार पेपर लीक होने से इंकार करती नजर आ रही है वहीं एस.ओ.जी जांच करते हुए नए खुलासे कर रही है। रीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच करवाते हुए दोषियों पर आवश्यक कार्यवाही की मांग भी की गई।

जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र टोडरवास ने कहा कि हाल ही में राज्य सरकार द्वारा आयोजित परिक्षाओं में बिना पेपर लीक हुए परिक्षा का आयोजन चुनौती पूर्ण हो गया है। बेरोजगार नौजवानों से भर्ती शुल्क के नाम पर करोड़ों रूपए वसूलने के बाद भी सरकारी तंत्र भर्ती परिक्षा के दौरान पेपर लीक होने से रोकने में विफल रहा है अत: भविष्य में आवश्यक कदम उठाते हुए भर्ती परिक्षाओं में पेपर लीक मामलों पर रोक लगाई जाए। जिला उपाध्यक्ष संदीप जीनगर ने बताया कि राज्य सरकारों के द्वारा विभागों की वित्तीय स्वीकृति एवं अन्य कारणों के साथ न्यायालय में अटकी भर्तियां का निस्तारण करवाते हुए चयनित नौजवानों को नियुक्त प्रदान की जाए। उपरोक्त सभी मांगों पर नौजवानों के हितों में आवश्यक कार्यवाही की जाए अन्यथा नौजवानों को आंदोलन के लिए मजबूर होना पडेगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी राज्य सरकार एवं प्रशासन की होगी।

ज्ञापन में जिला अध्यक्ष राजेश बिजारणिया, जिला महासचिव बिलाल कुरेशी, जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र टोडरवास, संदीप जीनगर, कोषाध्यक्ष विजय यादव, संयुक्त सचिव साबिर भाटी, झुंझुनूं तहसील महासचिव योगेश कटारिया, तहसील अध्यक्ष उदयपुरवाटी किशोर सैनी, नवलगढ़ तहसील अध्यक्ष दीपक रणवा, अकबर पहाडियान, शाहिद धनूरी, रामधन सैनी उदयपुरवाटी, इमरान अली, दीपक तंवर आदि उपस्थित थे।

धानका समाज का वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ

सूरजगढ, (निसं)। कांग्रेस पार्टी के काफी विरोध के बाद आखिरकार धानका समाज की श्मशान भूमि की चारदीवारी बनकर पूरी तरह तैयार हो गई। जानकारी के अनुसार काफी अरसे से धानका समाज अपनी श्मशान भूमि की चारदिवारी के लिए मशक्कत कर रहा था। धानका समाज की मांग पर विशेष रुप से चेयरमैन पुष्पा गुप्ता, वार्ड नौ की पार्षद सपना चंदेलिया, वार्ड सात के पार्षद आरिफ कुरैशी, वार्ड दस के पार्षद हितेश चेतीवाल ने सकारात्मक कदम उठाए। नगर पालिका प्रशासन ने चारदीवारी की मंजूरी दे दी। मंजूरी के बाद कांग्रेसी पार्षदों, कांग्रेस समर्थक पार्षदों व पूर्व चेयरमैन सुरेश शर्मा ने कडा विरोध करते हुए शिकायत की थी। जिसके बाद कांग्रेसियों को धानका समाज के विरोध का भी सामना करना पड़ा। वार्ड नंबर 9 की पार्षद सपना चंदेलिया ने कहा कि चारदिवारी बनने से उनका सपना पूरा हुआ है। बालाराम धानक, ओमप्रकाश धानक, नत्थूराम धानक, महेंद्र धानक, संजय धानक, रामभगत धानक, गंगाधर धानक ने समाज के लोगों की ओर से चेयरमैन पुष्पा गुप्ता, पार्षद हितेश चेतीवाल, पार्षद आरिफ कुरैशी सहित समर्थक पार्षदों का आभार जताया।

उत्कृष्ट कार्य के लिये अभिनंदन

चूरू, (का.सं.)। सोमवार को राजकीय लोहिया महाविद्यालय में राजकीय सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने पर डॉ. भवानी शंकर शर्मा का महाविद्यालय परिसर में समारोह पूर्वक अभिनन्दन किया गया।

दीप प्रज्जवलित से शुरू हुये कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य दिलीप सिंह पूनियां ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उप प्राचार्य महावीर सिंह, प्रो. कमलसिंह कोठारी थे। इस अवसर पर पूनियां ने कहा कि शर्मा द्वारा अनेकों पुस्तकें लिखी गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम ऋषिकुल ब्रह्माचार्य आश्रम के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। यहां डॉ. भवानी शंकर शर्मा द्वारा रचित पुस्तक 'धवन्यालोक' का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने शर्मा का माल्यार्पण कर, शॉल ओढ़ाकर, साफा बांधकर व प्रतीक चिन्ह देकर अभिनंदन किया।

इस अवसर पर डॉ. मूलचंद, प्रो. सुरेंद्र सोनी, बुधराम वर्मा, प्रो. मंजू शर्मा, शेर मोहम्मद, शैलेंद्र शर्मा, डॉ. एमएम शेख, जावेद खान, केसी सोनी, परमेश्वर लाल, एमएल कुलहरी, डॉ. हेमंत मंगल, डॉ. एसके सैनी सहित स्टाफ सदस्यों ने शर्मा का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया।

इस अवसर पर पलवी शर्मा, भारती शर्मा, ऋषि राज शर्मा सहित ऋषिकुल ब्रह्मचार्य आश्रम के विद्यार्थी उपस्थित थे।

डीवर्मिंग मॉप अप राउंड आज से

झुंझुनूं, (निसं)। डीवर्मिंग मॉप-अप राउंड मंगलवार से जिलेभर में शुरू होगा। जिसमें 1- 19 वर्ष के बच्चों को कृमि नाशक दवा खिलाई जाएगी। गौरतलब है कि 1 से 7 फरवरी तक संचालित होने वाले राउंड में पिछले राउंड में दवा खाने से वंचितों को यह दवा खिलाई जाएगी। सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने बताया कि कृमि संक्रमण से बच्चों में कुपोषण और खून की कमी होती है, जिसके कारण हमेशा थकावट रहती है। जो संपूर्ण शारीरिक व मानसिक विकास को प्रभावित करती है। उन्होंने बताया कि 1 से 19 वर्ष तक के किशोर-किशोरियों की कृमि नाशक दवा सभी आंगनबाडी केंद्र, सिटी डिस्पेंसरी और सब सेंटर पर खिलाई जाएगी। जिससे पेट के कीडों से छुटकारा मिलेगा। डिप्टी सीएमएचओ (परिवार कल्याण) व नोडल अधिकारी डॉ नरोत्तम जांगिड़ ने बताया कि पिछले राउंड्स में कृमि नाशक दवा खाने से वंचितों को मॉप - अप राउंड के तहत दवा खिलाई जाएगी। जिले में 85 प्रतिशत बच्चों पहले राउंड में कृमि नाशक दवा दी जा चुकी है। 15 प्रतिशत को अब इस मोप अप राउंड में दवा खिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि कृमि संक्रमण से बचाव के लिए नाखून साफ रखें।

चिड़ावा में तिरंगा परम्परा को 1100 दिन पूरे होने पर समारोह हुआ

चिड़ावा, (निसं)। शहर की हृदयस्थली विवेकानन्द चौक में श्री विवेकानन्द मित्र परिषद की ओर से निभाई जा रही तिरंगा परम्परा को 1100 दिन पूरे होने पर तिरंगा स्थल पर सम्मान समारोह व सहभोज का आयोजन हुआ।

विवेकानन्द मित्र परिषद की ओर से ध्वजारोहण के कार्यों में सहयोग करने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चिड़ावा पालिकाध्यक्ष सुमित्रा सैनी ने की। मुख्य अतिथि बिजली विभाग के एईएन कृष्ण कुमार व जेईएन प्रीति ठोलिया थी।विवेकानन्द चौक में 26 जनवरी 2019 से प्रतिदिन ध्वजारोहण-ध्वज अवतरण और दोनों समय राष्ट्रगान की परम्परा शुरू हुई थी जो 30 जनवरी शहीद दिवस पर 1100 दिन पूरे कर चुकी है। वहीं अब 25 फुट के पोल व 101 फुट के पोल पर तिरंगा फहरा रहा है व परम्परा जारी है। आयोजन में पालिकाध्यक्ष सुमित्रा सैनी, बिजली विभाग के एईएन कृष्ण कुमार, जेईएन प्रीति ठोलिया व बिजली विभाग के ही प्रकाश पारीक व ग्यारसीलाल वर्मा का साफा ओढ़ाकर तथा प्रमाण-पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। वहीं 7 वर्षीय बालिका वेदांशी चौधरी का भी श्री विवेकानंद परिषद द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रभुशरण तिवाड़ी, पंडित हीरालाल पुजारी, पार्षद निखिल चौधरी, सत्यपाल जांगिड़, देवेन्द्र सैनी, मनोज मान, संजय दाधीच, रोहितास महला, बैजनाथ मोदी, महेश शर्मा धन्ना, रमेश कोतवाल, रमेश स्वामी, आशीष शर्मा, बुधराम वर्मा, शम्भू पंवार, कमलकान्त पुजारी, श्यामसुख शर्मा, मोंटू पारीक सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

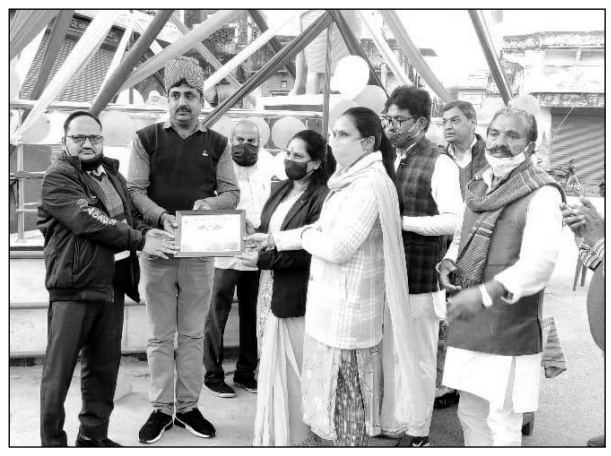

चिड़ावा शहर की हृदयस्थली विवेकानन्द चौक में श्री विवेकानन्द मित्र परिषद की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन हुआ।

बदमाशों की तलाश

पचेरी कलां, (निसं)। झुंझुनूं के पचेरी कलां बाजार में सोमवार को फिल्मी स्टाइल का सीन बन गया। पचेरी कलां पुलिस को ट्रांसफॉर्मरों में से तेल चोरी करने वाले बदमाशों की तलाश थी। पुलिस को सोमवार को सूचना मिली कि सरकारी स्कूल के सामने स्थित सडक से तेल चोरों की कैंपर आ रही है। जिसके बाद पुलिस उनकी तलाश में आ रही थी कि पुलिस और संदिग्ध तेल चोरों की गाडी आमने-सामने हो गई। पुलिस को देखकर संदिग्ध तेल चोर घबरा गए और उन्होंने गाडी को पीछे की तरफ दौडाया। ताकि पुलिस से भाग सके। लेकिन यह गाडी अनियंत्रित होकर बाजार में स्थित दो-तीन दुकानों और एक बाइक सवार को रौंदते हुए चली गई। इतने में पुलिस ने कैंपर सवार एक युवक को दबोच लिया। फिलहाल पुलिस उस युवक से पूछताछ कर रही है।

जरूरतमंदों को कंबल व मिठाईयां वितरित

भादरा/सादुलपुर, (निसं)। ब्लॉक भादरा में अवतार दिवस की विशेष नामचर्चा भादरा शहर हवलदार मोहर सिंह इन्सां 45 मेम्बर बहन बादो इन्सां के घर पर आयोजित हुई। जिसमें फेफाना, नोहर नेठराना, महराणा, सिद्धमुख व तारानगर आदि ब्लॉकों की साध-संगत ने शिरकत की। वहीं आयोजित नामचर्चा कविराज भाईयों ने पीरोमुर्शिद परमपिता शाह सतनाम सिंह जी महाराज व पुज्य हजूर पिताजी के अवतार दिवस व उनके प्रति अथाह विश्वास व अटूट श्रद्धा से सम्बन्धित शब्दों के द्वारा वातावरण गुंजयामान किया तथा शब्दों को सुरबद्ध किया।

इस अवसर पर तीनों पातशाहियों के रूबरू गवाह रहे लिखमाराम इन्सां ने सतगुरू की मेहर व रहमत के प्रति चर्चा की। वहीं 90 वर्षीय सेवादार ने अपने जोशिले अंदाज में मुर्शिद-ए-कामिल की अनन्त हरमतें वर्णित कर साध संगत को सराबोर किया।

वहीं अवतर माह की खुशी व पुज्य संत डॉ गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां द्वारा भेजे गये आठवे गुरू-पत्र को पढकर सुनाया। ब्लॉक भादरा की साध-संगत ने इस अवसर पर गरीब, बेसहारा व बीमार व्यक्तियों को मिठाईं व खाने की सामग्री के 103 किट देकर डेरा सच्चा सौदा सिरसा द्वारा चलाये जा रहे मानवता भलाई के 138वें मानवता हितेषी कार्य कर अपने पुज्य गुरूजी के वचनों पर अमल किया।

वहीं प्रेमी मोहर सिंह इन्सां ने अपनी पोत्री के जन्मोत्सव पर प्रमार्थ किया व पाँच गरीब परिवारों को कम्बल वितरित किये। इस अवसर पर 45 मेम्बर बहन आम्रपाली इन्सां अपने व साध-संगत पर हुई मालिक की अपार कृपा को शब्दों में पिरोया।

बीसूका की बैठक सम्पन्न

झुंझुनूं, (निसं)। जिला स्तरीय अधिकारी बीस सूत्री कार्यक्रम में सम्मिलित योजनाओं की क्रियान्विति करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति की प्रभावी कार्य योजना तैयार करें, ताकि आमजन को राज्य सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सकें। यह बात सोमवार को जिला कलेक्टर लक्ष्मण सिंह कुडी ने कलेक्ट्रेट सभागार में बीस सूत्री कार्यक्रम की बैठक को सम्बोधित करते हुए कही। कलेक्टर कुडी ने कहा कि संबंधित अधिकारी अपने विभाग की योजना की मॉनिटरिंग करें तथा इसमें ओर अधिक सुधार की रूप रेखा तैयार करें। बैठक में मुख्य आयोजना अधिकारी वशिष्ठ कुमार शर्मा ने जिला कलक्टर को विभागीय प्रगति से अवगत करवाया। बैठक में जिला कलेक्टर ने न्यूनतम प्रगति वाले विभाग के अधिकारियों से प्रगति में तेजी लाने के भी निर्देश दिए।

किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

पाटन, (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा नीमकाथाना की ओर से किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को उपखंड अधिकारी बृजेश कुमार गुप्ता को ज्ञापन सौंपा गया।

अखिल भारतीय किसान सभा के तहसील अध्यक्ष कामरेड लखन लाल सैनी व सचिव रोशनलाल गुर्जर ने बताया कि नीमकाथाना में नहर का पानी मंगवा कर सभी बांधों में जिसमें रायपुर, बुधोली, राणासर आदि बांधों मे पानी पहुंचा कर पीने का पानी जनता तक पहुंचाया जाए।

किसानों के लिए एमएसपी गारंटी कानून बनाए जाए तथा नीमकाथाना मंडी के भावों को अखबारों में प्रकाशित करवाया जाए। बिजली की सभी तरह की बढ़ाई दर को वापस लिया जाए एवं मीटर बदलने व बीसीआर की लूट को बंद किया जाए। क्षेत्र को भयंकर प्रदूषण से बचाया जाए, जिसमें अल्ट्राटेक सीमेंट सिरोही पाटन क्षेत्र नीमकाथाना औद्योगिक क्षेत्र सभी सम्मिलित है डीजल, पेट्रोल, गैस सहित बढ़ाई गई महंगाई शीघ्र वापिस किया जाए।

बेरोजगार नौजवान को सह सम्मान सरकारी रोजगार दिया जाए या दस हजार रुपए बेरोजगार मासिक भत्ता प्रदान किया जाए, चुनावी घोषणाओं के मुताबिक तमाम किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करवाया जाये, सर्दी पाले से फसलों एवं सब्जियों, पशुधन के हुए नुकसान का किसानों को मुआवजा दिया जाए, महिला व मासूम बच्चों पर हो रहे अत्याचार पर रोक लगाई जाए। इस दौरान अखिल भारतीय किसान सभा के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता आदि मौजूद रहे।

पं. पारीक के निधन पर शोक

मण्डावा, (निसं)। गुजरात कांग्रेस प्रभारी व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधि व यज्ञाचार्य पं. एनएन पारीक के निधन पर शोक जताया। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा है कि गायत्री साधना केन्द्र मण्डावा के प्रभारी व सेवादल के पूर्व जिलाध्यक्ष पं. एनएन पारीक के देहावसान से अत्यंत दु:ख हुआ है। उन्होंने धर्म और अध्यात्म को समाज सेवा से जोडकर लोगों को सामाजिक कार्यों के लिए निरंतर प्रेरित किया। सोमवार को मण्डावा स्थित गायत्री साधना केन्द्र में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में पूर्व प्रधान गिरधारीलाल खीचड़, सेनि. पीआरओ सवाई सिंह, वरिष्ठ पत्रकार माणक मणि मोठ, पूर्व पालिका अध्यक्ष सज्जन मिश्रा, पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी, विनोद पूनियां, भाजपा मीडिया प्रभारी संदीप शर्मा, सत्यनारायण इंदोरिया, रविन्द्र शर्मा, शौकत सैयद आदि मौजूद थे।

ग्रामीण क्षेत्र में विकास कार्यों में कमी नहीं आने दी जाएगी : विधायक मनोज मेघवाल

सुजानगढ़, (का.स)। विधायक मनोज मेघवाल ने सोमवार शाम को बोबासर प्याऊ से मलसीसर तक नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण किया। विधायक मनोज मेघवाल ने लोकार्पण समारोह में सम्बोधित करते हुए कहा कि सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 1 करोड 45 लाख रुपए की लागत से नई सड़क बनाकर एक दर्जन गांवों के लोगों को सौगात दी है।

उन्होंने कहा कि नई सड़क से यात्रा सुगम होगी व लोगों को समय की बचत होगी। इस अवसर पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष भंवरलाल पुजारी ने सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल के कराए हुए विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि विधायक मेघवाल ने दर्जनों करोड़ों रुपए के विकास कार्य करवाए है। कांग्रेस नेता पूसाराम गोदारा, देहात कांग्रेस अध्यक्ष विद्याधर बेनीवाल ने भी संबोधित किया। मलसीसर सरपंच मुकेश मेघवाल, बोबासर सरपंच प्रतिनिधि आनंद सिंह, संवेदक नारायण सिंह, रामनारायण ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता बाबूलाल वर्मा ने नई सडक को लेकर जानकारी दी। इसके पश्चात क्षेत्रीय विधायक मनोज मेघवाल ने भीमसर ग्राम पंचायत में भीमसर प्याऊ से भीमसर गांव तक 45 लाख रुपए की लागत से सड़क के नवीनीकरण कार्य होने पर लोकार्पण किया।

कार्यक्रम में विधायक मनोज मेघवाल, पूर्व जिला प्रमुख भंवरलाल पुजारी, पूर्व प्रधान पूसाराम गोदारा, पूर्व प्रधान गणेश ढाका, देहात अध्यक्ष विद्याधर बेनीवाल, रविशंकर पुजारी, सरपंच कन्हैयालाल शर्मा, रमेश राव, भागीरथ खिलेरी, पालाराम शर्मा मंचस्थ रहे। कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि लूणाराम मेघवाल, एडवोकेट विजेंद्र सिंह, अनुज शर्मा, मांगू सिंह, चरण सिंह, दामोदर शर्मा, जगदीश सुथार, विष्णु शर्मा, मोहन जाट माली, रामेश्वर मेघवाल सहित ग्रामीणों ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

एडवोकेट विजेंद्र सिंह ने गांव की समस्याएं विधायक के समक्ष रखी। विधायक मनोज मेघवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में विकास कार्यों में कमी नही आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भीमसर पंचायत में 75 लाख से अधिक रुपए के विकास कार्य हुए है। आने वाले समय में भी विकास कार्यों में और तेजी लाई जायेगी। संचालन विष्णु शर्मा ने किया।

विधायक मनोज मेघवाल ने शिलालेख पट्टिका का अनावरण किया।

- **विधायक ने 1.45 करोड़ रूपए की लागत से बनी सड़क का किया लोकार्पण**

अवतार माह की नामचर्चा आयोजित

भादरा/सादुलपुर, (निसं)। ब्लॉक नेठराणा गांव में अवतार माह की नामचर्चा का आयोजन प्रेमी रामसिंह इन्सां के घर पर किया गया।

विनती के शब्दों के साथ नामचर्चा की कार्यवाही ब्लॉक सेवादार साधुराम इन्सां ने शुरू करवाई। वहीं परमपिता शाह सतनाम सिंह जी के अवतार माह की नामचर्चा में कई ब्लॉकों की साध-संगत ने भाग लिया। कविराज भाईयों ने अपनी आवाज में अवतार माह में शब्दों से समा बांधा।

इसी दौरान गरीब व जरूरतमंद परिवारों को 26 किट व 6 कम्बल वितरित की गई। वहीं अपने प्यारे मुर्शिद के प्रति अथाह प्रेम व अटूट विश्वास देखते ही बनता था।

पुज्य संत डॉ गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां द्वारा वर्णित गुरू-पत्र में बताये गये 138 प्रकार के जनकल्याणकारी मानवता कार्य करने के लिए उपस्थित साध संगत ने हाथ खडे कर पर्ण लिया। अन्त में 45 मेम्बर बहन आम्रपाली इन्सां ने साध-संगत से सेवा व सिमरण के लिए साध-संगत से आह्वान किया और ग्रन्थ वाचन व सिमरण करवाते हुए नामचर्चा का समापन किया।

सार-समाचार

नवनियुक्त थानाधिकारी का सम्मान

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलवदा के राजगढ थानाधिकारी लगने पर सामाजिक एकता मंच राजस्थान के संदीप सिंह चैनपुरा एवं उनकी टीम ने मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ता भेंट किया है। इसी दौरान बलौदा गुलदस्ता भेंट करके व उनका माल्यार्पण करके राजगढ में पोस्टिंग लगने पर उन्हे हार्दिक शुभकामनायें दी। साथ ही संदीप सिंह चैनपुरा बडा ने थानाधिकारी बलोदा से अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता के विश्वास को कायम रखते हुए व कानून व्यवस्था को सही तरीके से चलाये ताकी आमजन में विश्वास ओर अपराधियों में खौफ रहे और क्षेत्र में सुख शांति रहे जिससे आमजन चैन से रह सके। इस मौके पर सुनिल सिंह राठौड़ एवं बीर सिंह राठौड आदि संदीप सिंह के साथ उपस्थित रहे।

कार्यकारिणी का गठन हुआ

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना में कमला मोदी मार्केट एसोसिएशन ब्यापारियों की मीटिंग हुई जिसमें कार्यकारिणी का गठन किया गया। महेश नागर एवम सुरेश अठावाल की संरक्षकता में सर्व सहमति से गजानंद अठावाल (गणेशवर वाले) को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष पद पर राजेन्द्र बढ़सरा एवं मुकेश अठावाल, महामंत्री पद पर विष्णु अठावाल (अजीतगढ वाले) मंत्री पद पर मुकेश कुमार एवं नीतेश कुमार मोदी, कोषाध्यक्ष पद पर प्रवीण गोयल, संगठन मंत्री पद पर महेश कुमावत एवं अंकित गोयल को नियुक्त किया गया। मीटिंग में मोदी मार्केट के सभी ब्यापरियों की उपस्थिति रही। इस दौरान मनीष गर्ग, निरंजन लाल, विवेक मित्तल, विक्की ट्रांसपोर्ट वाले, अशोक अठावाल,कमल अठावाल,महेश अठावाल, सुभाष चंद दीवान, राजू गुप्ता, संजय गुप्ता, मनोज अठावाल, दशरथ अठावाल, रमेश गर्ग, पंकज मित्तल, देवेन्द्र कुमार, महेश गोयल, भवानी अठावाल, सुभाष शर्मा, विष्णु डावर, निशांत मित्तल, उमेश बन्ना आदि व्यापारी उपस्थित रहे।

लक्ष्य को एसटीएसई में पांचवी रैंक मिली

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल के छात्र लक्ष्य सैनीवाल पुत्र अनिल कुमार ने राजस्थान राज्य द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा - 2021 में राज्य भर में पांचवीं रैंक हासिल कर अपने जिले सहित विद्यालय, शिक्षकों एवं अभिभावकों का नाम रोशन किया है। डिफेंस एवं प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल के चैयरमेन जी.एल. कालेर व निदेशक निर्मल कालेर ने विद्यार्थी का उत्साहवर्द्धन करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यार्थी लक्ष्य के अभिभावकों ने विद्यार्थी की सफलता का श्रेय उसकी कडी मेहनत, गुरूजनों का मार्गदर्शन एवं विद्यालय के कुशल प्रबन्धन को दिया। विद्यालय प्रधानाचार्य महेन्द्र कुमार सैनी ने बताया कि विद्यार्थी लक्ष्य को राजस्थान सरकार द्वारा विशिष्टता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्या निर्मला लांबा, विद्यालय एसटीएसई प्रभारी खालिद हुसैन व अन्य स्टॉफ सदस्य उपस्थित थे।

जिला कलेक्टर का स्वागत किया

झुंझुनूं, (निसं)। सोमवार को जिला कलेक्टर लक्ष्मण सिंह कुडी की अध्यक्षता में जिला निष्पादन समिति बैठक का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर के झुंझुनूं आने के बाद ये पहली जिला निष्पादन बैठक थी जिसमे जिला कलेक्टर का सभी शिक्षा अधिकारियों ने माला पहनाकर स्वागत किया। जिला निष्पादन समिति की बैठक में शिक्षा विभाग की योजनाओं के बारे में जिला कलेक्टर को आला शिक्षा अधिकारियों ने विस्तार से बताया और जिला कलेक्टर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया कि शिक्षा विभाग की बहुत सी योजनाओं में उच्च स्थान पर है और आगे के लिए दिशा निर्देश दिए व हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। जिला निष्पादन समिति की बैठक में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पितराम काला, जिला शिक्षा अधिकारी अमर सिंह पचार, मनोज कुमार ढाका, एडीईओ सिंह महला, प्रमोद आबूसरिया, डाइट प्रधानाचार्य दिनेश चंद्र यादव,एडीपीसी विनोद जानू तथा समस्त सीबीईओं व शिक्षा अधिकारी रहे। कार्यक्रम का संचालन एडीईओ उम्मेद सिंह महला ने किया।

कार्रवाई करने की मांग

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के गुढागौडजी क्षेत्र के गढला कलां का रहने वाला नायक सूबेदार मुकेश कुमार अपने परिवार को परेशान करने पर पड़ौसी की शिकायत करने झुंझुनूं कलेक्टर के पास पहुंचा। मुकेश कुमार ने बताया कि उसके परिजनों को पड़ौसी ने इस कदर परेशान कर दिया है कि अब उसे छुट्टी लेकर गांव आना पड़ा है। उन्होंने कलेक्टर को बताया कि वह सीमा पर तैनात हैं और उनके बूढे माता-पिता गांव में अकेले रहते हैं। उनकी मां अक्सर बीमार रहती है। उनका पडौसी उनकी जमीन पर अतिक्रमण करना चाहता है। इसको लेकर वह कभी नपती के आदेश लाता है। तो कभी पत्थर गढी के आदेश लाता है। जबकि उसने स्वयं आम रास्ते पर अतिक्रमण कर मकान बना रखा है। उन्होंने जिला कलेक्टर से अतिक्रमण की जांच करवाने तथा पडौसी पर उचित कार्रवाई करने की मांग की।

कार्मिकों ने सुझाव भेजे

सादुलपुर, (निसं)। राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति विकास निधि योजना आवंटन और वित्तिय का उपयोग संसाधन विधयेक-2022 या सुआ राजस्थान कानून पर राजस्थान सरकार द्वारा 31 जनवरी तक मांगे गये सुझाव अन्तर्गत डॉ. अम्बेडकर अनुसूचित जाति अधिकारी एवं कर्मचारी संगठन (अजाक) शाखा राजगढ ने एसडीएम राजगढ पंकज गढवाल के मार्फत मुख्यमंत्री के नाम दिया है। जिसमें तहसील अध्यक्ष ब्रह्मानन्द मेहरा, रामकुमार धानिया, चन्द्रभान गोठवाल, देवीलाल रंगा, रघूवीर सिंह बाडेटिया, अनिल सिरोवा, सुनिल खींची, सीताराम सिंघल, सुरेन्द्र सिंह लेकरा, आनन्द कुमार गर्वा आदि उपस्थित थे।

अड़ूका की बणी में बनेगा शहीद का स्मारक

चिड़ावा, (निसं)। अड़ूका गांव में गोचर भूमि को बचाने के लिए 1983 में जान देने वाले रणजीत गुर्जर का स्मारक बनेगा। इसको लेकर अड़ूका की बनी में एक सभा का आयोजन किया गया। देव सेना के जिलाध्यक्ष धर्मपाल गुर्जर की अगुवाई में आयोजित हुई सभा में स्मारक निर्माण के लिए 11 सदस्यों की कार्यकारणी का गठन किया गया तथा स्मारक बनाने को लेकर रुपरेखा तैयार की गई। इससे पूर्व आयोजन स्थल पर देव सेना के जिलाध्यक्ष का फूल माला के पहनाकर स्वागत किया गया। का स्वागत किया गया। इस दौरान धनखड़ बडाना, मोती गुर्जर, राजू बढाना, मनीराम नायक, मानसिंह सिराधना, अनूप खटाना, विनोद शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

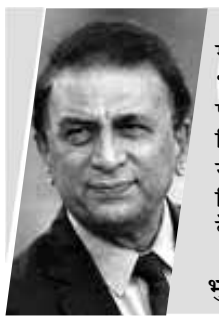

मुझे यह भी नहीं पता कि उनका किस तरह का भविष्य है। वह गति खो चुके है। शुरूआत में उनके पास सटीकता थी जहां वह गेंद को स्विंग करके विकेट ले रहे थे। लेकिन शायद उन्होंने उस सटीकता को खो दिया है। और यह समय है उनके लिये मूल बातों पर जाने और कड़ी मेहनत करने के लिये। – सुनील गावस्कर

भुवनेश्वर कुमार के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

टिम ब्रेसनन

इंग्लैंड के अनुभवी एवं सीनियर ऑलराउंडर और 2010 टी-20 विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे टिम ब्रेसनन ने क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उनके काउंटी क्लब वारविकशायर क्रिकेट ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। ब्रेसनन ने क्लब को लिखे पत्र में कहा, यह एक अविश्वसनीय रूप से कठिन फैसला रहा, लेकिन शीतकालीन प्रशिक्षण में लौटने के बाद मुझे लगा कि यह सही समय है। मैंने अपने 21वें पेशेवर वर्ष की तैयारी के लिए पूरे ऑफ-सीजन में कड़ी मेहनत करना जारी रखा, लेकिन असल में मुझे लगता है कि मैं उन उच्च मानकों तक नहीं पहुंच पा रहा हूं।

क्या आप जानते हैं ?... मेजबान ब्राजील ने 1950 के विश्वकप फुटबॉल के आयोजन के लिए रियो डी जेनेरो में दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जिसमें दर्शक क्षमता 2,20,000 थी।

ग्रुप का लीडर बनने के लिए कप्तान होने की जरूरत नहीं : विराट कोहली

हर चीज का एक कार्यकाल और समय अवधि होती है। आपको स्पष्ट रूप से इसके बारे में पता होना चाहिए। लोग कह सकते है कि इस शख्स ने क्या किया है, लेकिन आप जानते है कि जब आप आगे बढ़ने और कुछ ज्यादा हासिल करने के बारे में सोचते है

मुंबई, 31 जनवरी। हाल ही में तीनों क्रिकेट प्रारूपों (टेस्ट, वनडे, टी-20) से भारत की कप्तानी से हटे विराट कोहली ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का उदाहरण देते हुए हुए कहा है कि ग्रुप का लीडर बनने के लिए किसी टीम का कप्तान होने की जरूरत नहीं है। अब जब वह भारत के कप्तान नहीं हैं तो वह टीम को एक बल्लेबाज के तौर पर अधिक योगदान दे सकते हैं।

विराट ने सोमवार को एक साक्षात्कार में एक खिलाड़ी टीम का लीडर न होने पर भी किस तरह अपना योगदान दे सकता है, के बारे में कहा, हर चीज का एक कार्यकाल और समय अवधि होती है। आपको स्पष्ट रूप से इसके बारे में पता होना चाहिए। लोग कह सकते हैं कि इस शख्स ने क्या किया है, लेकिन आप जानते हैं कि जब आप आगे बढ़ने और कुछ ज्यादा हासिल करने के बारे में सोचते हैं तो आपको लगता है कि आपने अपना काम किया है। एक बल्लेबाज के रूप में, हो सकता है कि आपके पास टीम में योगदान करने के लिए और चीजें हों। आप टीम को और अधिक जीत दिला सकें, इसलिए उस पर गर्व करें। आपको लीडर बनने के लिए कप्तान होने की जरूरत नहीं है। यह बहुत सरल सी बात है।

उल्लेखनीय है कि कोहली ने इस महीने की शुरुआत में क्रिकेट बिरादरी को चौंका दिया था, जब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में 1-2 से सीरीज हार के बाद टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त किया। इससे पहले उन्होंने टी-20 कप्तानी छोड़ी थी, जिसके बाद उन्हें वनडे कप्तानी से भी हटा दिया गया था।

उल्लेखनीय है कि कोहली ने महेंद्र सिंह धोनी से तीनों प्रारूपों की कप्तानी संभाली थी। उन्होंने इस बारे में कहा, जब एमएस धोनी टीम में थे तो ऐसा नहीं था कि वह एक लीडर नहीं थे। वह अभी भी ऐसे व्यक्ति हैं, जिनसे हम लगातार सलाह ले रहे हैं, लेकिन उनके लिए यह स्वाभाविक प्रक्रिया थी और मेरे लिए इस जिम्मेदारी को संभालने और भारतीय क्रिकेट को उच्च स्तर तक ले जाने का स्वाभाविक समय था, जो मैं चाहता था और मुझे लगता है कि मैंने काफी लंबे समय तक अपने काम किया।

पोंटिंग ने कोहली के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम की उपलब्धि की प्रशंसा की

दुबई, 31 जनवरी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान इयान चैपल के बाद अब रिकी पोंटिंग ने विराट कोहली के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय टीम उनकी कप्तानी के वक्त ऑस्ट्रेलियाई टीम की तुलना में कहीं अधिक अच्छी थी। पोंटिंग ने सोमवार को आईसीसी के साथ बातचीत में कहा, अगर आप विराट के नेतृत्व में भारतीय टीम की उपलब्धियों की बात करें तो इस टीम ने घर पर काफी मैच जीते, हालांकि टीम विदेश में उतने मैच नहीं जीत पाई। जो चीज सबसे अच्छी रही, वह पिछले कुछ समय में विदेशी जमीन पर मिली शानदार जीत थीं और इस पर विराट और भारतीय क्रिकेट को गर्व होना चाहिए। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, दूसरी बात यह है कि जब विराट ने टेस्ट की कमान संभाली तो बीसीसीआई ने टेस्ट क्रिकेट पर काफी ध्यान दिया मैं समझता हूं कि इससे काफी अच्छे निष्कर्ष निकले। टेस्ट क्रिकेट पर फोकस रखने से टीम ने घर पर और घर के बाहर काफी मैच जीते।

युकी भांबरी टाटा ओपन के दूसरे दौर में

पुणे, 31 जनवरी। भारत के शीर्ष पुरुष एकल खिलाड़ियों में शुमार युकी भांबरी ने सोमवार को पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम में जारी 2022 टाटा ओपन महाराष्ट्र के पुरुष एकल मुकाबलों के शुरुआती दौर में स्लोवाकिया के जोज़ेफ़ कोवालिक पर सनसनीखेज जीत दर्ज करते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली।

दक्षिण एशिया के एकमात्र एटीपी 250 में सीधे मुख्य ड्रॉ में शुरुआत करने वाले इस 29 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने अपने पहले मैच में 6-7 (10), 6-2, 6-4 से जीत हासिल की। महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ द्वारा आयोजित किया जा रहा यह टूर्नामेंट छह फरवरी तक खेला जाएगा।

चोट के कारण दो साल के ब्रेक के बाद हाल ही में अंतरराष्ट्रीय सर्किट में वापसी करने वाले पूर्व जूनियर विश्व नंबर-1 ने कड़े मुकाबले के बाद पहला सेट हारने के बाद 2-0 की बढ़त के साथ दूसरे सेट की शुरुआत की और अच्छी लय में दिखे। उन्होंने सेट को आसानी से हासिल करने और स्कोर बराबर करने से पहले मोमेंटम को खत्म नहीं होने दिया।

दिल्ली में जन्मे इस खिलाड़ी ने निर्णायक सेट में 3-3 की बराबरी हासिल करने के लिए एक ब्रेक पॉइंट को परिवर्तित किया और फिर मैच में खुद को बनाए रखने के लिए एक और सेट पॉइंट जोड़ा। हालांकि 29 वर्षीय स्लोवाक खिलाड़ी ने मैच में वापसी करने के लिए अपनी पूरी कोशिश झोंक दी, लेकिन भांबरी ने अपना उत्साह बनाए रखा और निर्णायक जीत के साथ दूसरे दौर में प्रवेश किया। इससे पहले, फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस ने विश्व के 82वें नंबर के लिथुआनियाई खिलाड़ी रिकार्डस बेरानकिस पर 6-1, 6-2 से शानदार जीत दिलाई। विश्व के 141वें नंबर के फ्रांस के हेलिस अपने से उच्च रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ काफी आत्मविश्वास से भरे दिख रहे थे। राउंड आफ 32 मैच में, पूर्व विश्व नंबर-39 मोल्दोवा के राडू अल्बोट को दूसरे सेट में इटली के फेडेरिको गियो से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, लेकिन वह अंत में 6-2, 7-6 (7-3) के साथ जीत हासिल करने में सफल रहे। इस बीच, लाइक सैविल और जॉन-पैट्रिक स्मिथ की शीर्ष वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी उम्मीदों पर खरी उतरी और स्टेफानो ट्रैवाग्लिया और बर्नबे ज़ापाटा मिरालेस को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराया।

श्रीलंकाई तेज गेंदबाज नुवान तुषारा कोरोना संक्रमित

कोलंबो, 31 जनवरी। श्रीलंका के अनकैप्ड तेज गेंदबाज नुवान तुषारा अगले हफ्ते से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। 27 वर्षीय नुवान 11 से 20 फरवरी के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाली 20 सदस्यीय श्रीलंकाई टीम का हिस्सा थे।

इंग्लैंड को 17 रन से हरा कर विंडीज ने 3-2 से जीती सीरीज

बारबाडोस, 31 जनवरी। ऑलराउंडर जेसन होल्डर और लेफ्ट आर्म स्पिनर अकील हुसैन की घातक गेंदबाजी की बदौलत वेस्ट इंडीज ने रविवार को यहां पांचवें और निर्णायक टी-20 मैच में इंग्लैंड को 17 रन से हरा कर सीरीज 3-2 से जीत ली।

मेजबान वेस्ट इंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और कप्तान कीरोन पोलार्ड (41), काइल मेयर्स (31) और रोवमैन पॉवेल (35) की विस्फोटक पारी की बदौलत 20 ओवर में चार विकेट पर 179 का बड़ा स्कोर बना दिया। बाद में होल्डर और हुसैन की घातक गेंदबाजी से इंग्लैंड को 19.5 ओवर में 162 रन पर ऑलआउट कर दिया। दोनों गेंदबाजों ने मिल कर नौ विकेट लिए। होल्डर ने महज 2.5 ओवर में 27 रन पर पांच, जबकि हुसैन ने चार ओवर में 30 रन पर चार विकेट लिए। इंग्लैंड के लिए जेम्स विंस ने सात चौकों और एक छक्के की मदद से 35 गेंदों पर सर्वाधिक 55 रन बनाए। उनके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज सैम बिलिंग्स ने एक चौके और दो छक्के की बदौलत 28 गेंदों पर 41 रन की तूफानी पारी खेली। इससे पहले पहले सलामी बल्लेबाजों काइल मेयर्स और ब्रेंडन किंग ने वेस्ट इंडीज को अच्छी शुरुआत दी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी हुई। मेयर्स तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 19 गेंदों पर 31 रन की आतिशी पारी खेल कर आउट हुए, जबकि ब्रेंडन ने दो चौकों और दो छक्कों के सहारे 31 गेंदों पर 34 रन पर अपना विकेट खोया।

अच्छी शुरुआत मिलने के बाद कप्तान पोलार्ड ने अंत में पारी को अच्छा फिनिश दिया। उन्होंने पॉवेल के साथ पांचवें विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी की। पोलार्ड ने जहां एक चौके और दो छक्कों की मदद से 25 गेंदों 41, वहीं पॉवेल ने एक चौके और चार छक्कों के सहारे 17 गेंदों पर 35 रन की विस्फोटक पारी खेली। दोनों बल्लेबाज नाबाद रहे। इंग्लैंड की तरफ से आदिल राशिद और लियाम लिविंगस्टोन को दो-दो विकेट मिले।

वेस्ट इंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर को पांच विकेट के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और पूरी सीरीज में बल्ले और गेंद दोनों के साथ सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत मेरे करियर की सबसे बड़ी वापसी : नडाल

मेलबोर्न, 31 जनवरी। दुनिया के नंबर पांच टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने रविवार को यहां दूसरी वरीयता प्राप्त रूस के डेनिल मेदवेदेव को हरा कर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष एकल का खिताब जीतने के बाद कहा कि यह मैच उनके करियर की सबसे बड़ी वापसी थी।

नडाल ने कहा, अगर आप हर संभव प्रयास करें और अपना सब कुछ दांव पर लगा दें तो आपकी जीत की संभावना ज्यादा होती है। मैं कह सकता हूं कि यह मेरे टेनिस करियर की सबसे बड़ी वापसी है। बेशक अंत में जीत ही इतिहास के पन्नों में दर्ज होती है, लेकिन जिस तरह से आप मैच जीतते हैं, खासतौर पर व्यक्तिगत भावनाओं के लिहाज से, वह अलग है। जिस तरह से मैंने आज रात इस ट्रॉफी को हासिल किया वह अविस्मरणीय था। निसंदेह यह मेरे टेनिस करियर के सबसे भावनात्मक मैचों में से एक था। यह जीत मेरे लिए बहुत मायने रखती है।

उल्लेखनीय है कि नडाल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष एकल के फाइनल में जबरदस्त वापसी करते हुए खिताब जीता था। वह पहले दो सेटों में रूसी प्रतिद्वंद्वी मेदवेदेव से 2-6, 6-7(5) से पिछड़ गए थे, लेकिन बाद में उन्होंने लगातार तीन सेट 6-4, 6-4, 7-5 से जीत कर 21वां ग्रैंड स्लैम पुरुष एकल खिताब जीतने वाले दुनिया के इकलौते टेनिस खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 2005 में 19 वर्ष की उम्र में फ्रेंच ओपन खिताब जीत कर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था।

नडाल ने 21वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने पर कहा, मेरे करियर के इस क्षण में एक और ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल करना शानदार है। बेशक मुझे पता है कि 21 एक विशेष संख्या है। मुझे पता है कि इसके क्या मायने हैं, लेकिन मेरी लिए आज का दिन अविस्मरणीय है। मैं अपने टेनिस करियर में एक और खास चीज हासिल करके भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। स्पैनिश खिलाड़ी ने प्रतिद्वंद्वी मेदवेदेव की प्रशंसा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि डेनियल एक महान चैंपियन हैं। उन्होंने हार को परिपक्व तरीके से स्वीकार किया और मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं, क्योंकि यह उनके लिए बहुत कठिन दिन है। मुझे पता है कि उस स्थिति में होना कितना कठिन है।

नडाल पांचवें स्थान पर बरकरार

रिकॉर्ड 21वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले स्पेन के राफेल नडाल सोमवार को जारी ताजा एटीपी रैंकिंग में अपने पांचवें स्थान पर बरकरार हैं। नडाल ने रविवार को मेलबोर्न में रूस के दानिल मेदवेदेव को पांच सेटों के संघर्ष में पराजित कर रिकॉर्ड 21वीं बार ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। इसके साथ ही वह सर्बिया के नोवाक जोकोविच और स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर से एक कदम आगे निकल गए हैं, जिनके 20-20 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। जोकोविच वीजा समस्या के कारण इस बार मेलबोर्न से बाहर रहे थे, लेकिन वह 11,015 अंकों के साथ नंबर एक स्थान पर कायम हैं। मेदवेदेव 10,125 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेब 7,780 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले यूनान के स्टेफानोस सितसिपास 7,170 अंकों के साथ चौथे स्थान पर बने हुए हैं। नडाल के खाते में 6,875 अंक हैं।

फेडरर, जोकोविच ने नडाल को दी बधाई

रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ने राफेल नडाल को रिकॉर्ड 21 वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए बधाई दी। 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले दिग्गज तिकड़ी फेडरर, जोकोविच और नडाल ने 20-20 खिताब जीते थे। फेडरर के घुटने की कई सर्जरी के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने और ऑस्ट्रेलिया से जोकोविच के कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण नहीं होने के कारण निर्वासन के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इसके साथ ही नडाल को 21 मेजर सिंगल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने का अवसर मिल गया। ऑस्ट्रेलियन ओपन का फ़ाइनल स्पैनियार्ड के लिए आसान नहीं था। नडाल ने दूसरे सेट से वापसी की जो उन्होंने अपने करियर में 15 साल में किसी ग्रैंड स्लैम में पहले कभी नहीं किया था।

मैत्री क्लब को हरा अरावली एकेडमी सेमीफाइनल

जयपुर 31 जनवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 24 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये नॉक आउट दौर के पहले क्वार्टर फाइनल मैच में अशोक सिंह 33 रन पर 4 विकेट की घातक गेंदबाजी तथा कार्तिक शर्मा 51 रन की महत्वपूर्ण अर्द्धशतकीय पारी की बदोलत अरावली क्रिकेट एकेडमी ने मैत्री क्रिकेट क्लब को 6 विकेट से हराकर सेमी फाईलन में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर अरावली ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया और उनके पहले 4 विकेट 40 रन बनते-बनते ही खो दिये जिसमें अशोक सिंह ने अकेले ने ही 4 विकेट लेकर मैत्री की पारी को संकट में ड़ाल दिया लेकिन ओपनर जयंत तांबी 54 रन, मनीष शर्मा 27 रन, पूनम पूनीया 18 रन, निशांत शर्मा 11 रन के साथ मिलकर स्कोर 33.2 ऑवर में ऑल आउट होने से पूर्व स्कोर 145 रन पहुचा दिया। अरावली की ओर से अशोक सिंह 33 रन पर 4 विकेट विशाल हर्ष 19 रन पर 2 विकेट कन्हैया स्वामी 34 रन पर 2 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें।

जवाबी पारी में अरावली ने भी अपने 4 विकेट 64 रन पर गवा दिये लेकिन मध्य क्रम में अजय गिगना 40 रन विकेट किपर बल्लेबाल कार्तिक शर्मा 51 रन नाबाद, दिनेश 30 रन नाबाद ने 5 वें विकेट पर 85 रनों की नाबाद साझेदारी निभा कर अपनी टीम का स्कोर 28.1 ऑवर में 4 विकेट पर 149 रन पहुच कर अपनी टीम को 5 विकेट से जीत दिलाकर सेमीफाईल में पहुचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच अशोक सिंह अरावली एकेडमी तथा जयंत तांबी मैत्री क्रिकेट क्लब रहे। **संक्षिप्त स्कोर :** मैत्री क्रिकेट क्लब 145 रन आल आउट 33.2 ओवर में, अरावली क्रिकेट एकेडमी 149 रन 4 विकेट खोकर 28.1 ओवर में।

पीआर श्रीजेश ने जीता 'वर्ल्ड गेम्स एथलीट ऑफ द ईयर 2021' का खिताब

लुसाने, स्विटजरलैंड, 31 जनवरी। पिछले साल टोक्यो ओलंपिक खेलों 2020 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की कांस्य पदक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्टार गोलकीपर पीआर श्रीजेश को 2021 के लिए 'द वर्ल्ड गेम्स एथलीट ऑफ द ईयर' चुना गया है। दवर्ल्डगेम्स.ओआरजी पर आयोजित वैश्विक प्रशंसक मतदान में श्रीजेश 127,647 वोटों के साथ 24 मजबूत उम्मीदवारों की सूची के शीर्ष पर रहे।

श्रीजेश यह पुरस्कार जीतने वाले दूसरे हॉकी खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले उनकी हमवतन एवं भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी ने 2019 में यह पुरस्कार जीता था। श्रीजेश ने पुरस्कार जीतने पर कहा, मैं इस पुरस्कार को जीतकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। सबसे पहले मुझे इस पुरस्कार के लिए नामांकित करने के लिए एफआईएच को एक बड़ा धन्यवाद। दुनिया भर के सभी भारतीय हॉकी प्रेमियों को भी धन्यवाद, जिन्होंने मुझे वोट दिया। नामांकित होना मेरा काम था, लेकिन बाकी का काम प्रशंसकों और हॉकी प्रेमियों ने किया।

एफआईएच हॉकी प्रो. लीग में भारत ने चीन को 7-1 से रौंदा

मस्कट, 31 जनवरी। टोक्यो ओलंपिक 2020 में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम ने सोमवार को यहां एफआईएच हॉकी प्रो लीग में शानदार पदार्पण किया। भारत ने अपने पहले मैच में पड़ोसी चीन को 7-1 से रौंद दिया।

मस्कट में पिछले चार दिनों में भारत और चीन के बीच यह दूसरी भिड़ंत थी, लेकिन दोनों के नतीजे समान निकले। इससे पहले 28 जरनवरी को 2022 महिला हॉकी एशिया कप के कांस्य पदक मैच में भी भारत ने चीन को 2-0 से धूल चटाई थी और आज के मैच में 7-1 से बड़ी जीत दर्ज की।

भारत ने मैच में शुरुआत से ही अपनी पकड़ बनानी शुरू की। रणनीति के तहत आक्रामक तरीके से खेलते हुए भारत ने फॉरवर्ड नवनीत कौर और मिडफील्डर नेहा गोयल के क्रमश: पांचवें और 12वें मिनट के दो शानदार गोलों से पहले क्वार्टर में 2-0 की बढ़त बना कर चीन पर दबाव बनाया। दूसरे क्वार्टर में हालांकि चीन ने मुस्तैदी दिखाई और यह क्वार्टर गोल रहित रहा। तीसरा क्वार्टर भी एक समय तक गोल रहित जाता दिख रहा था, लेकिन अनुभवी फॉरवर्ड वंदना कटारिया के 40वें मिनट में शानदार फील्ड गोल के जरिए 3-0 की बढ़त बना ली। चीन ने हालांकि पलटवार करते हुए 43वें मिनट में गोल करके बढ़त के अंतर को कम किया। इस प्रकार तीसरा क्वार्टर 3-1 के स्कोर पर समाप्त हुआ।

चौथे क्वार्टर की शुरुआत में पूरी तरह से दबदबा बनाया और एक के बाद एक गोल दागे, जिससे चीन को मैच में वापस आने का मौका हीं नहीं मिला। 47वें मिनट में सुशीला चानू ने चौथा, 48वें मिनट में शर्मिला देवी ने पांचवां, 50वें मिनट गुरजीत कौर ने छठा और 52वें मिनट में फिर से सुशीला ने सातवां गोल किया। शर्मिला को शानदार फील्ड गोल के 'प्लेयर ऑफ द मैच चुना' गया।

उल्लेखनीय है कि कोरोना संबंधित यात्रा प्रतिबंधों के कारण ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के प्रतियोगिता से हटने के बाद भारतीय महिला टीम को पहली बार एफआईएच हॉकी प्रो लीग में खेलने का मौका मिला था। टूर्नामेंट से पहले भारत के मुख्य कोच जेनेके शोपमैन ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग ने उनकी टीम को नियमित और उच्च गुणवत्ता वाली प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिलने के लिए खुशी जाहिर की थी।

दक्षिण अफ्रीका को हरा कर श्रीलंका पांचवें स्थान के प्लेऑफ मैच में

एंटीगा, 31 जनवरी। घातक गेंदबाजी और कप्तान दुनित वेललेज (113) के शानदार शतक की बदौलत श्रीलंका ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा अंदाज में 65 रन से हराकर आईसीसी अंडर-19 पुरूष विश्व कप 2022 के पांचवें स्थान के लिए होने वाले मैच के लिए क्वालीफाई किया। श्रीलंका ने टॉस जीत कर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और कप्तान दुनित वेललेज (113) के शानदार शतक और रानुदा सोमराथने (57) के अर्धशतक की बदौलत 50 ओवर में छह विकेट पर 232 रन का स्कोर बनाया। जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 37.3 ओवर में 167 रन पर ऑलआउट हो गई। दुनित ने नौ चौकों और चार छक्कों की मदद से 130 गेंदों पर 113 और रानुदा ने तीन चौकों और दो छक्कों के सहारे 70 गेंदों पर नाबाद 57 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से त्रेवीन मैथ्यू, शेवोन डेनियल और रवीन दी सिल्वा ने दो-दो, जबकि वानुजा सहान और दुनित वेललेज ने एक-एक विकेट लिया। दुनित शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए।

जयपुर में इस सीजन फिर होगा 16 गोल का पोलो टूर्नामेंट

जयपुर, 31 जनवरी। इस वर्ष भी जयपुर पोलो सीजन कोविड-19 महामारी और जयपुर में जनवरी माह में अत्यधिक ठंड पड़ने के कारण एक माह देरी से शुरू हो रहा है। राजस्थान पोलो क्लब में 1 फरवरी से शुरू होने जा रहा सीजन 27 फरवरी तक आयोजित होगा।। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस सीजन का मुख्य आकर्षण एक बार फिर से 16 गोल का ब्रिगेडियर एचएच महाराजा सवाई भवानी सिंह जयपुर ओपन टूर्नामेंट होगा। यह टूर्नामेंट 21 से 27 फरवरी तक होगा। यह टूर्नामेंट केरिसिल द्वारा स्पॉन्सर किया गया है। यह हाई-हैंडीकैप मैच पिछले वर्ष भी जयपुर ओपन चैंपियनशिप के तहत खेला गया था।

14-गोल का सिरमौर कप टूर्नामेंट 14 फरवरी से 20 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा।

महाराजा पद्मनाभ सिंह ने आगे बताया कि पिछले सीजन में मैच की सफलता और भारी उत्साह को देखते हुए, जयपुर पोलो सीजन में इस वर्ष पुन: लेडीज पोलो मैच आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य महिलाओं को हॉर्स पोलो के खेल में ज्यादा से ज्यादा हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसका आयोजन 26 फरवरी को प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन लेडीज पोलो के नाम से किया जाएगा।

राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप (8 गोल) 1 फरवरी से 6 फरवरी तक खेला जाएगा।

सीजन का दूसरा टूर्नामेंट महाराजा सवाई मान सिंह गोल्ड वास (10 गोल) का आयोजन 7 फरवरी से 13 फरवरी तक होगा। इसी तरह 14 फरवरी से 27 फरवरी तक आरपीसी कप (6 गोल) का आयोजन किया जाएगा। युवा प्रतिभाओं और नए पोलो खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए 28 फरवरी से 6 मार्च तक आउट ऑफ द हैट टूर्नामेंट भी होगा। खेले जाने वाले अन्य एजीबिशन मैच में एचएच राजमाता पद्मिनी देवी ऑफ जयपुर इंटरनेशनल शील्ड 19 फरवरी को होगा। महाराज पृथ्वी सिंह बारिया कप 12 फरवरी को, रघु सिन्हा माला माथुर मेमोरियल कप 5 फरवरी को होगा।

इस अवसर पर राजस्थान पोलो क्लब के ऑनरी सेक्रेटरी दिग्विजय सिंह और महाराज नरेंद्र सिंह भी उपस्थित थे। पद्मनाभ ने कहा कि "जैसा कि आपको ज्ञात है, जयपुर तेजी से देश में एक अठाणी पोलो डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। राजस्थान पोलो क्लब ने दिसंबर में भी 3 टूर्नामेंट्स आयोजित किए थे, जिन्हें शहर के पोलो प्रेमियों ने खूब सराहा था।

यूपी योद्धा बेंगलुरू बुल्स के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला

बेंगलुरु, 31 जनवरी। पीकेएल खेलने वाली जीएमआर समूह की अपनी फ्रेंचाइजी, यूपी योद्धा एक फरवरी को बेंगलुरू बुल्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले में जीत के लक्ष्य के साथ उतरेगी। वर्तमान में अंक तालिका में 7वें स्थान पर काबिज़ योद्धाओं का सामना दूसरे स्थान पर मौजूद बेंगलुरु बुल्स से है। यह मैच न केवल इस सीजन में यूपी योद्धा के लिए प्ले-ऑफ के सपनों को जीवित रखने के नज़रिये से महत्वपूर्ण होगा बल्कि दो लगातार हार के बाद उनके खोये हुए आत्मविश्वास को ऊपर उठाने में भी मदद करेगा।

अभी तक सुरेंद्र गिल यूपी योद्धा के लिए स्टार खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने कई मौकों पर महत्वपूर्ण अंक हासिल किए और टीम को बचाया है। उनके साथी रेडर प्रदीप नरवाल और श्रीकांत जाधव के अच्छे समर्थन के साथ उनके प्रदर्शन की काफी ज्यादा सराहना की जा रही है। यूपी योद्धा हालांकि आत्मविश्वास के साथ मैट पर उतरेगा क्योंकि पिछली बार जब दोनों टीमें आपस मे भिड़ी थीं, तो योद्धा ने बुल्स को 42-27 से रौंदा था। रेडर श्रीकांत जादव उस मैच के स्टार खिलाड़ी थे जिन्होंने सुरेंद्र गिल(5 अंक), सुमित(4 अंक) और नितेश कुमार (3 अंक) के सहयोग से अकेले 15 अंक प्राप्त किये थे। पीकेएल के इतिहास में दोनों टीमें दस बार एक-दूसरे के सामने आई हैं जिसमें योद्धा की चार बार जीत और छह बार हार हुई है। इस मैच में योद्धा, पुनेरी पलटन के खिलाफ मिली 38-44 की हार के बाद मैच में उतरेंगे, जबकि बेंगलुरु बुल्स, तमिल थलाइवाज पर 42-24 की करारी जीत के दम पर योद्धाओं से भिड़ेंगे।

मैच से पहले यूपी योद्धा के मुख्य कोच जसवीर सिंह ने कहा, प्ले-ऑफ के अपने सपनों को जीवित रखने के लिए आगामी मैच हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पिछले 2 मैचों में हुई गलतियों और कमियों को दूर करने के लिए लड़कों ने काफ़ी अधिक मेहनत की है।

डूबती नैया को बचाने के लिए संघर्ष करेंगे गोवा और ओडिसा

बैम्बोलिन, 31 जनवरी। एफसी गोवा जानती है कि उसके हाथ से समय निकला जा रहे हैं और हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 में उसकी डूबती नैया को आगामी मैच में जीत कुछ हद तक थामेगी। लेकिन मंगलवार को बैम्बोलिन स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में उसका सामना ओड़िसा एफसी के रूप ऐसे प्रतिद्वंदवी होगा, जो अपने अभियान को जीत की पटरी पर वापस लाने के लिए दृढ़ संकल्प है।

गोवा पिछले चार मैचों से जीत से दूर है और 14 मैचों में 14 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। कोच डेरिक परेरा की टीम अपने पिछले मैच में आकर्षक फुटबाल खेलने के बावजूद जमशेदपुर से हार गई थी। परेरा जानते हैं कि जीत की राह पर चलने के लिए उनके लड़कों मिलने वाले अवसरों को भुनाना होगा। अगर गोवा को प्लेऑफ में जगह बनानी है तो उसे अभी से मैच जीतने शुरू करने पड़ेंगे लेकिन उसके प्रतिद्वंद्वी ओड़िसा की स्थिति भी समान है। ओड़िसा 13 मैचों में पांच जीत और दो ड्रा से 17 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर है।

गोवा के लिए गोल नहीं करना एक बड़ी समस्या रही है, क्योंकि उसने सीजन में अन्य टीमों की तुलना में स्कोरिंग के अवसर बहुत बनाए और ज्यादा शॉट लगाने के प्रयास किए हैं। जमशेदपुर के खिलाफ पिछले मैच में गोवा के तीन शॉट गोलपोस्ट या क्रॉसबार में लगे, जो कि इस सीजन के मैच में सबसे ज्यादा है। कोच परेरा ने कहा, "हमारा इरादा हमेशा तीन अंक हासिल करना होता है और हम लड़ते रहेंगे। हम कभी हार नहीं मानेंगे।" उधर, ओड़िसा पिछला मैच हारने के बावजूद गोल कर रही है और देर से गोल करने की क्षमता से कोच किनो गार्सिया को खुश होना चाहिए। क्रिस्टियन जोनाथस भी पिछले मैच में गोल करने वालों में शामिल थे और वो इस सीजन में मैच के अंतिम 15 मिनट में ओड़िसा का नौवां गोल था। जोनाथस चार गोल कर चुके हैं और केवल अरिदाई कैबरेरा (5) ने ओड़िसा के लिए उनसे अधिक गोल किए हैं।

गार्सिया ने कहा, पिछले मैचों में हम अच्छा खेल रहे हैं। हम जीते नहीं या फिर अंक प्राप्त नहीं कर पाए लेकिन हमारा प्रदर्शन काफी अच्छा था। सकारात्मक बात यह है कि टीम ने उन चीजों को आजमाने में बहादुरी दिखाई है जिनकी ट्रेनिंग हमने की है। हम गेंद अपने नियंत्रण में रख करके ज्यादा मौके बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को उत्तराखण्ड में घर-घर जाकर चुनावी प्रचार किया। प्रचार के दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुये महंगाई के मुद्दे पर केन्द्र सरकार की जमकर आलोचना की और कहा कि, कांग्रेस ने तय किया है कि यदि हमारी सरकार बनी तो रसोई गैस के दाम 500 रु. से ऊपर नहीं होने दिए जाएंगे।

'बजट सत्र के प्रथम भाग में पैगसस मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं होगी'

सरकार और विपक्ष के बीच सर्वदलीय बैठक में इस मुद्दे पर सहमति बनी

नई दिल्ली, 31 जनवरी। केंद्र की मोदी सरकार संसद में पैगसस मुद्दे पर चर्चा कराने को फिलहाल तैयार नहीं है। सोमवार को सभी पार्टियों के साथ बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने ये जानकारी दी।

इसी के साथ एक बात स्पष्ट हो गई है कि मानसून सत्र की तरह ही संसद का बजट सत्र भी हंगामेदार हो सकता है। बता दें कि बजट सत्र की शुरुआत सोमवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के संसद के दोनों सदनों को संबोधित करने के साथ हो गई। सत्र 8 अप्रैल तक जारी रहेगा, जिसके बीच में एक महीने का ब्रेक भी होगा।

संसद के बजट सत्र में विपक्ष द्वारा पैगसस स्पाइवेयर का मुद्दा उठाए जाने के संबंध में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने सोमवार को कहा कि इस मुद्दे पर अलग से चर्चा की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि यह मामला

■ **सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि, बजट सत्र के पहले भाग में केवल बजट चर्चा और राष्ट्रपति का अभिभाषण कराने की ही परम्परा है।**

विचाराधीन है। उन्होंने कहा, "हमने विपक्ष से कहा है कि बजट सत्र के पहले भाग के दौरान हम केवल बजट और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा कर सकते हैं। इसलिए, एक अलग चर्चा करना संभव नहीं होगा। मामला अदालत के अधिकार क्षेत्र में है।"

सोमवार को ऑल-पार्टी मीट के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा, "कई पार्टियों ने पैगसस का मुद्दा उठाया है।

हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति मामले की जांच कर रही है। इसलिए (बजट सत्र के पहले भाग में) बजट से संबंधित मुद्दों को ही उठाया जाना चाहिए।" प्रहलाद जोशी ने कहा कि आज की सर्वदलीय बैठक में 25 दलों ने भाग लिया। उन्होंने कहा, "सरकार की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बजट सत्र के पहले भाग में केवल राष्ट्रपति का अभिभाषण और बजट पेश किया जाता है।"

'मैंने गांधी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी अंश के, किसी भी तरह से ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म या अन्य किसी ऑनलाइन सोशल मीडिया पर प्रदर्शन को निषिद्ध घोषित करने की माँग की गई थी। न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी तथा जे.के. महेश्वरी की बैंच ने कहा कि, ऐसा प्रतीत नहीं होता कि इस फिल्म में किसी नागरिक के मौलिक अधिकार का हनन हुआ है।

बैंच ने याचिकाकर्ता को यह छूट दी कि, वे अपनी शिकायत एवं परिवेदन को लेकर उच्च न्यायालय जा सकते हैं क्योंकि लगता है कि उनको इस बात को लेकर भारी चिंता है।

बहल ने प्रतिवादी को ये निर्देश दिये जाने की भी माँग की थी कि, फिल्म की पूरी विषयवस्तु सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों से हटा दी जाये। बहल ने कहा कि, फिल्म के निर्माता राष्ट्रपिता पर निशाना साध रहे हैं तथा महात्मा गांधी को बदनाम कर रहे हैं। वे सर्वोच्च न्यायालय उस समय गये, जब फिल्म निर्माताओं ने 22 जनवरी को इस फिल्म का ट्रेलर सभी लोगों के देखने के लिये जारी कर दिया था।

उन्होंने यह भी माँग की थी कि, फिल्म सैंसर बोर्ड या ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्मों पर रिलीज़ हो रही फिल्मों तथा मीडिया को नियंत्रित करने के लिये खास तौर से बने प्राधिकरण को भी इस संबंध में समुचित निर्देश दिये जायें। याचिका के अनुसार, यह फिल्म कल्याणी सिंह ने राइट्स मीडिया इन्टरनैशनल के बैनर तले बनाई है। यह नाथूराम गोडसे द्वारा की गई महात्मा गांधी की हत्या तथा उससे संबंधित अदालती कार्यवाही पर आधारित है।

याचिका में जोर देकर कहा गया है कि, यह फिल्म महात्मा गांधी की छवि को खराब करने तथा साथ ही नाथूराम गोडसे को महिमामंडित करने के उद्देश्य से बनाई गई है।

देहरादून में डोर-टू-डोर जनसम्पर्क किया पायलट ने

उनके साथ देहरादून में पर्यवेक्षक इंद्राज गुर्जर सहित कई स्थानीय नेता मौजूद थे

देहरादून, 31 जनवरी (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को देहरादून के चुनावी दौरे पर कहा कि साथियों उत्तराखण्ड में चुनाव प्रचार गति पकड़ रहा है। हम सभी कांग्रेस जन उत्तराखण्ड वासियों के बीच जाकर सिर्फ इतना कह सकते हैं कि मुद्दों को उजागर करना हमारा दायित्व है। जो मुद्दे उत्तराखण्ड के लोगों को छूते हैं, उनको रेखांकित कर सच्चाई बयां करना हमारा काम है। जनता निर्णय करेगी 14 तारीख को और मुझे पूरा भरोसा है सत्ता परिवर्तन का मन उत्तराखण्ड की जनता बना चुकी है।

उन्होंने कहा कि पिछले 5 साल से उत्तराखण्ड के अंदर एक ऐसी सरकार थी, इसका प्रभाव केंद्र में भी था उत्तराखण्ड में भी। सरकार बनाने के बाद भाजपा के नेतृत्व ने लगातार उत्तराखण्ड में बदलाव किया तो जनता के मन में सवाल उठता है कि आपने दो दो मुख्यमंत्री बदले तीसरे को मौका

■ **पायलट ने कहा, चुनाव जीतने के बाद भाजपा ने तीन बार मु.मंत्री बदले। सरकार स्थिर नहीं रही, बल्कि जोड़-तोड़ व खींचतान में ही समय निकाला।**

दिया। हर बार जो मुख्यमंत्री बदले, उसके क्या कारण थे। नाकामिया थी, करप्शन था, गर्वनेंस था, क्या मुद्दों को लेकर आपने एक के बाद एक मुख्यमंत्री बदले।

यानी ना तो सरकार स्थिर रही और जोड़-तोड़ और खींचतान में समय निकला। जबकि जनता को मतलब अपने विकास और प्रगति से है। इन 5 सालों में जैसे कि कई मुख्यमंत्री बोलते हैं भाजपा के डबल इंजन की सरकार सरकार है देहरादून और दिल्ली में।

इसी को देखते हुए कांग्रेस पार्टी ने वादा किया है कि कांग्रेस सरकार बनेगी तो गैस के सिलेंडर के दाम 500 से ज्यादा नहीं होने देंगे। बहुत बड़ी घोषणा है। आप कल्पना कीजिए जो गैस का सिलेंडर आज 1000,1100 रुपए का मिल रहा , वह क्यों मिल रहा है।

केंद्र में जब भाजपा की सरकार है हमें याद है जब मनमोहन सिंह जी की सरकार थी तो विपक्ष के भाजपा के नेता जब पैट्रोल डिजल के दाम में 25 पैसे बढ़ते थे, तो यह लोग हाहाकार मचाते थे। आज पैट्रोल- डीजल देसी घी से महंगा हो गया। 105-110 पहुंच गया। अब थोड़ी बहुत कटौती की है, जब चुनाव आए हैं। सवाल ये उठता है पैट्रोल-डीजल रसोई गैस सब्जी हर चीज महंगी होने के बावजूद राहत देने का काम सरकार ने नहीं किया।

इससे पहले सचिन पायलट ने देहरादून जाकर पलटन बाजार में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में डोर टू डोर जनसंपर्क किया और कांग्रेस को जीत दिलाने की अपील की। उनके साथ में देहरादून में पर्यवेक्षक राजस्थान के कांग्रेस विधायक इंद्राज गुर्जर सहित स्थानीय कांग्रेस नेता भी थे।

कांग्रेस....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियान को व्यक्तित्व आधारित पहल के रूप में देखा जा रहा है, वो भी ऐसे समय में जबकि पार्टी इन्फ्रास्ट्रक्चर कमजोर है तथा इसे परम्परागत रूप से मिलने वाला जातीय समर्थन बहुत पहले ही छिन्न-भिन्न हो चुका है। यह भी संभावित है कि 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले, पार्टी को बिहार में भी "शून्य" से शुरूआत करने की चुनौती का सामना करना पड़े।

बघेल को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होकर भाजपा के पीछे खड़ा हो गया था, जिससे भाजपा को बहुत लाभ हुआ तथा उसकी विधायक संख्या 47 से उछलकर 327 तक पहुँच गई थी। लेकिन इस बार भाजपा के खिलाफ बहुत नाखुशी एवं आक्रोश है। भाजपा चुनाव को हिन्दू बनाम मुस्लिम तक सीमित नहीं कर पाई है। जातियाँ इस चुनाव का महत्वपूर्ण कारक बनी हुई हैं, जो भाजपा के लिये अच्छी खबर नहीं है। बेरोजगारी, कोविड-कुप्रबन्धन, पेट्रोल-डीजल तथा आवश्यक वस्तुओं के दामों में भारी वृद्धि, ब्राह्मण-बनियों की नाराजगी, पिछड़े लोगों द्वारा पार्टी छोड़ना और इन सबसे ऊपर, केन्द्रीय नेतृत्व से आरएसएस की अप्रसन्नता- ये सब कारण मिलकर उत्तर प्रदेश में भाजपा के लिये भारी संकट खड़ा कर सकते हैं।

मंत्री मजीठिया की गिरफ्तारी पर 23 फरवरी तक रोक

नई दिल्ली, 31 जनवरी (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में आरोपी पंजाब के पूर्व मंत्री एवं शिरोमणि अकाली दल नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को अंतरिम राहत देते हुए 23 फरवरी तक याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी पर सोमवार को रोक लगा दी। मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना की

■ **मजीठिया ने कोर्ट में एफिडेविट पेश कर कहा है कि वे, चुनाव होते ही खुद अपनी पेशी कोर्ट के समक्ष दे देंगे।**

अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय खंडपीठ ने मजीठिया की अंतरिम जमानत की याचिका स्वीकार करते हुए उन्हें 24 फरवरी को निचली अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण और नियमित जमानत के लिए गुहार का मौका दिया।

पंजाब सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील पी. चिदंबरम ने दलीलें पेश करते हुए कहा मादक पदार्थों की तस्करी के इस धंधे के तार अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जुड़े हुए हैं। इस मामले में भारी मात्रा में रुपयों के लेन-देन हुए हैं, जिसमें मजीठिया ने बिचौलिए का काम किया। आरोपी इस मामले की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसलिए उसकी हिरासत में पूछताछ की आवश्यक है। चिदंबरम ने पीठ से कहा कि इतना ही नहीं, यह मामला पंजाब में नशे की गिरफ्त में आ रहे युवाओं के भविष्य से जुड़ा हुआ है, लिहाजा आरोपी मजीठिया की अंतरिम जमानत स्वीकार नहीं की जाए। पीठ ने उनके (पंजाब सरकार) इस अनुरोध को अस्वीकार करते हुए चिदंबरम से कहा कि वह राज्य सरकार को बताएं कि वह कोई ऐसी कार्रवाई न करें जिससे किसी प्रकार से चुनाव पूर्व विरोधियों पर प्रतिशोध कार्रवाई लगे। हालांकि, शीर्ष अदालत ने कहा कि आरोप है कि तस्करी से जुड़े होने के आरोप राजनीति से प्रेरित है।

ऊषा शर्मा बनीं राज्य की दूसरी महिला मुख्य सचिव

जून 2023 में पूरा होगा कार्यकाल

जयपुर, 31 जनवरी (का.प्र.)। प्रदेश की नई प्रसाशनिक मुखिया 1985 बैच की आई.ए.एस. ऊषा शर्मा होंगी। मुख्य सचिव पद से निरंजन आर्य के रिटायर होने के बाद कार्मिक विभाग ने आदेश जारी करते हुए ऊषा शर्मा को प्रदेश के नए मुख्य सचिव के रूप में नियुक्त किया है। इसके साथ ही ऊषा शर्मा को राजस्थान खान एवं खनिज निगम लिमिटेड उदयपुर के अध्यक्ष का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है। ऊषा शर्मा प्रदेश की दूसरी ऐसी महिला

■ **मुख्य सचिव पद से रिटायर होते ही निरंजन आर्य बने मुख्यमंत्री के सलाहकार।**

आई.ए.एस. हैं जो मुख्य सचिव बनी है। इससे पहले 2009 में कुशल सिंह राजस्थान की पहली महिला मुख्य सचिव बनी थी। इसी के साथ कार्मिक विभाग ने एक अन्य आदेश जारी करते हुए मुख्य सचिव पद से रिटायर हुए निरंजन आर्य को मुख्यमंत्री सलाहकार के पद पर नियुक्त किया है। कार्मिक विभाग ने एक साथ दो आदेश जारी करते हुए पहलेप्रदेश के नए मुख्य सचिव के लिए वरिष्ठ आईएएस ऊषा शर्मा के नाम का आदेश जारी किया, वहीं दूसरे आदेश में सेवानिवृत्त हुए मुख्य सचिव निरजंन

ऊषा शर्मा राजस्थान की दूसरी ऐसी महिला आई.ए.एस. हैं जो मुख्य सचिव बनी हैं। मुख्य सचिव ऊषा शर्मा विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी की करीबी रिश्तेदार हैं, वे लम्बे समय से केन्द्र में प्रतिनियुक्ति पर थीं।

आर्य का है, जिसमें उन्हें सेवानिवृत्ति के साथ ही मुख्यमंत्री सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है।

नवनियुक्त मुख्य सचिव ऊषा शर्मा के पति बीएन शर्मा भी आईएएस अधिकारी हैं और उन्हें रिटायर होने के बाद राज्य विनियामक आयोग में सदस्य बनाया गया था। विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ऊषा शर्मा के बहुत करीबी रिश्तेदार हैं। ऊषा शर्मा लंबे समय से केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर थी,जिन्हें राज्य सरकार के आग्रह पर रविवार को ही केंद्र सरकार ने उनके मूल कैडर में भेजने के रिलीव ऑर्डर जारी किए थे। केंद्र से रिलीव होने से पहले 1985 बैच की आईएएस ऊषा शर्मा केंद्र में युवा मामलात मंत्रालय में सचिव पद पर कार्यरत थी। इससे पहले वे आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया में महानिदेशक, केंद्रीय एआरडी में अतिरिक्त सचिव और पर्यटन मंत्रालय में अतिरिक्त महानिदेशक पर्यटन पद पर रह चुकी हैं। पिछली गहलोत सरकार में उषा पर्यटन विभाग में प्रमुख सचिव रह चुकी हैं। इसके अलावा वे यूडीएच सचिव, नागरिक उड्डयन सचिव, पर्यटन सचिव, उद्योग सचिव, जेडीसी और बूंदी और अजमेर कलेक्टर के रूप में राजस्थान सरकार में अपनी भूमिका निभा चुकी हैं। इनका सेवा कार्यकाल जून 2023 में पूरा होगा। मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए आईएएस निरंजन आर्य को मुख्यमंत्री सलाहकार नियुक्त किया गया है। आर्य ने कहा कि जो जिम्मेदारी दी है उसका निर्वहन करूंगा। किस विभाग का जिम्मा मुख्यमंत्री देंगे वो उनका अधिकार है, जो भी जिम्मा देंगे उसे पूरा करेंगे। आर्य ने कहा कि, सलाहकार बनने के बाद विभागवार जिम्मेदारी दी जाती है तो उसके अनुसार योजना क्रियान्विति करेंगे। सीएम के मैंडेट पर गुड गवर्नेंस को आगे बढाएंगे।

'एयर इण्डिया को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में है। भारत की प्रतिक्रिया की एक अन्य विशिष्ट खासियत यह है कि यह प्रतिक्रिया माँग-प्रबन्धन पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय, आपूर्ति-पक्ष के सुधारों पर ज्यादा जोर देती है।

स्मृति ईरानी ने छुये मुलायम सिंह के पैर

नई दिल्ली, 31 जनवरी (वार्ता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच संसद से केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की तस्वीर सुर्खियां बटोर रही है। बजट सत्र के दौरान सोमवार को मुलायम सिंह यादव संसद की सीढ़ियां उतर रहे थे, तभी वहां केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी आ गईं। सिंह को देखते ही वह उनकी ओर हाथ जोड़कर बढ़ीं और झुककर उन्हें प्रणाम किया। मुलायम ने भी उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। इसके बाद ईरानी खड़े होकर मुलायम के सीढ़ी उतरने का इंतजार करती नजर आईं।

'हम जहां ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

-लाखों रोजगार खत्म हो गये।

-84 प्रतिशत परिवारों की आय बहुत कम हो गई है।

-4.6 करोड़ लोग गरीबी की स्थिति में पहुँच गये हैं।

-वैश्विक भूख सूचकांक (ग्लोबल हंगर इन्डैक्स) में भारत 116 देशों में 104 वें स्थान पर है।

उन्होंने कहा कि, उनकी समझ के अनुसार, "यह समय पश्चाताप तथा (सोच एवं तरीके के) बदलाव के लिये है, डींग हाँकने तथा अपरिवर्तित रहने का नहीं।"

यूनियन बैंक को चौमूं महल टोल रोड प्राइवेट लिमिटेड से 157.83 करोड़ रूपये वसूलने के आदेश

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 31 जनवरी। यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया (यू.बी.आई.) को "डेट रिकवरी ट्राइब्यूलन" (डी.आर.टी.) ने "चौमूं महला टोल रोड प्राइवेट लिमिटेड" और उसके संबंधित

■ **डैट रिकवरी ट्रिब्युनल (डी.आर.टी.) ने यह आदेश देते हुए व्यवस्था भी दी कि, 157.83 करोड़ की बकाया राशि वसूलने के बाद अन्य बैंक, जिनको कम्पनी से बकाया राशि लेनी है, अपना-अपना धन बराबर हिस्सों में वसूल सकते हैं।**

व्यवसाय में 157.83 करोड़ रूपये वसूलने के आदेश दिये हैं। जयपुर स्थित डी.आर.टी. ने यू.बी.आई. बैंक के मैनेजर द्वारा दायर आवेदन पत्र पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिये।

इस मामले में आई.एल. एण्ड एफ.एस. ट्रस्ट कम्पनी लिमिटेड, पंजाब नैशनल बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया को भी "चौमूं महला टोल रोड प्राइवेट लिमिटेड" से लोन का बकाया नहीं दिये जाने की एवज में बड़ी राशि वसूलनी है। केवल स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया को ही इस कम्पनी से 105 करोड़ रूपये वसूलने हैं। डी.आर.टी. के आदेश अनुसार "यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया" द्वारा 157.85 करोड़ की राशि वसूलने के बाद सभी अन्य बैंक भी अपना धन बराबर हिस्सों में वसूल सकते हैं।

आदेश में बताया गया गया है कि यूनियन बैंक ने इस कम्पनी को बैंक की किश्त व ब्याज नहीं चुकाये जाने की स्थिति में 28 फरवरी 2018 में "नोन परफोरमिग एसिट" (एन.पी.ए.) घोषित कर दिया था। बैंक ने कई बार इस कम्पनी और इसके मालिकों को ब्याज चुकाने के लिए बोला था, परन्तु 30 अप्रैल 2021 तक कुल बकाया की रकम 157 करोड़ से भी अधिक हो गई थी। डी.आर.टी. ने आदेश दिया है कि इस कम्पनी की "गारंटी" देने वाले दो व्यवसायियों से भी बैंक के कर्ज की राशि वसूली जायेगी। इस मामले में यू.बी.आई. की तरफ से अधिवक्ता शशांक कासलीवाल पेश हुए थे।

आम सभाओं पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से 20 कर दी है। सुरक्षा से संबंधित अधिकारी-कर्मचारी इनमें नहीं गिने जायेंगे। जहाँ तक हॉल में होने वाली मीटिंगों का प्रश्न है, अब इस तरह की इनडोर मीटिंगों में वर्तमान सीमा 300 को बढ़ाकर 500 या हॉल की क्षमता का 50 प्रतिशत या एस.डी.एम.ए. द्वारा निर्धारित सीमा, जो भी कम हो, की अनुमति दे दी है। चुनाव आयोग के अनुसार रोड शो, पद-यात्रा, जुलूस, साईकिल/ बाइक/ वाहन रैलियाँ 11 फरवरी तक आयोजित की जा सकेंगी। आयोग ने कहा कि 8 जनवरी को व्यापक गाइडलाइन के अन्तर्गत लगाये गये शेष प्रतिबंध यथावत् जारी रहेंगे।

भण्डारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश तथा ओडिशा उच्च न्यायालयों में जज के रुप में नियुक्त किये जाने की सिफारिश की है। कोलिजियम ने न्यायमूर्ति भण्डारी के सम्बंध में अपना निर्णय 14 दिसम्बर को ही ले लिया था जिसे 29 जनवरी दोहराया गया है।

यूक्रेन ने रूस से अपनी सेना वापस बुलाने का आग्रह किया

मॉस्को, 31 जनवरी (वार्ता)। यूक्रेन ने रूस से अनुरोध किया है कि यदि वह युद्ध की स्थिति को बढ़ावा नहीं देने के लिए 'गंभीर' है, तो वह अपनी सीमाओं से अपने सैनिकों को वापस बुलाये और पश्चिमी देशों के साथ अपनी बातचीत जारी रखे।

यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने रविवार को कहा, यदि रूसी अधिकारी वास्तव में चाहते हैं कि एक नया युद्ध नहीं हो, तो रूस को राजनयिक संबंध जारी रखना चाहिए और यूक्रेन की सीमाओं और यूक्रेन के अस्थायी कब्जे वाले क्षेत्रों से सैन्य बलों को वापस बुला लेना चाहिए। कूटनीति ही मसले को हल करने का एकमात्र जिम्मेदार तरीका है। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रूस कहता रहा है कि उसका यूक्रेन पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है।

भाजपा और अन्नाद्रमुक का गठबंधन बिखर गया

चेन्नई 31 जनवरी (वार्ता)। भाजपा ने सोमवार को तमिलनाडु में अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से नाता तोड़ लिया और राज्य में 19 फरवरी को होने वाले शहरी स्थनीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया।

तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने आगामी शहरी निकाय चुनाव अकेले लड़ने की बात कहते हुए कहा कि अन्नाद्रमुक के साथ राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन जारी रहेगा और अन्नाद्रमुक केंद्र की भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की सहयोगी रहेगी।

इकोनॉमिक सर्वे इस बार रहस्यमय उलझन है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वित्त में 8.2 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है। कृषि और उसके सहयोगी सैक्टर्स वैश्विक महामारी से सबसे कम प्रभावित रहे हैं और इनमें पिछले वर्ष रही 3.6 प्रतिशत की वृद्धि के बाद वित्तीय वर्ष 2021-22 में 3.9 प्रतिशत की तेजी आना अनुमानित है, तथापि यह सैक्टर टैक्स फ्री है। लेकिन, वर्ष 2021-22 में सरकार की राजस्व प्राप्तियों में भारी इज़ाफे की वापसी हुई है।

वर्ष 2021-22 के बजट अनुमानों में केन्द्र सरकार की राजस्व प्राप्तियों में 9.6 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि मानी गई थी, लेकिन वर्ष 2021 के अप्रैल-नवम्बर माह के दौरान ही इनमें 67.2 प्रतिशत का इजाफा हो गया।

प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों का कलैक्शन भी उत्साहजनक रहा है और जुलाई 2021 से ही जी.एस.टी. का सकल मासिक कलैक्शन 1 लाख करोड़ के पार होता रहा है।

अत: इस प्रश्न का उत्तर जरूरी है कि, राजस्व की रिकवरी कैसे हुई। सर्विस सैक्टर में रिकवरी के लक्षण प्रकट हुए बिना ही जी.एस.टी. कलैक्शन में इजाफा हो रहा है। इसी तरह से उद्योग एवं निर्माण सैक्टर के महामारी पूर्व के स्तर तक भी ना आने के बावजूद, सरकार की राजस्व प्राप्तियां बढ़ रही हैं।

लेकिन सर्वे के समग्र स्वरूप एवं मूड को देखते हुए, कल आने वाला आम बजट आगामी चुनावों के मद्देनज़र कोई सुखद आश्चर्य और सौगात दे सकता है।

सर्वे अगले वर्ष, यानि की 2022-23 के लिए 8.5 प्रतिशत की वास्तविक आर्थिक वृद्धि की भविष्यवाणी करता है। वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान भारत की जी.डी.पी. में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि होना अनुमानित था, तथापि यह स्मरणीय है कि, यह प्रदर्शन जी.डी.पी. में गत वर्ष रहे संकुचन के बाद का है। अत: यह कुछ हद तक एक "बेस इफैक्ट" है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में आर्थिक वृद्धि के आशावाद का कारण वैक्सिनेशन की व्यापक कवरेज, सप्लाई साइड के सुधारों, नियमनों की सुगमता व निर्यातों की जबर्दस्त वृद्धि से मिले लाभ और परिसम्पत्तियों की खरीद में तेजी लाने के लिए सरकार की वित्तीय नीतियों का लचीलापन है।

सरकार के पास इस सहयोग को बनाए रखने और परिसम्पत्तियों पर किए जाने वाले व्यय को जरूरत पड़ने पर बढ़ाने के लिए वित्तीय क्षमता है। राजस्व में फिर से आयी मजबूत तेजी अतिरिक्त सहयोग प्रदान करने के लिए सरकार को आर्थिक साधन भी उपलब्ध करवाती है।

प्रमुख आर्थिक सलाहकार संजीव सान्याल इसको लेकर आश्वस्त थे कि, वैश्विक महामारी से उपजे आर्थिक संकट और इसके प्रति सरकार की बेहद महत्वपूर्ण और चुस्त प्रतिक्रिया से ही भारतीय अर्थव्यवस्था में आश्चर्यजनक रिकवरी हो सकीं।

सान्याल ने रेखांकित किया कि, वर्तमान संकटों के प्रति घिसी पिटी प्रतिक्रिया देने के बजाए सरकार ने वो उपाय किए जो इस प्रचंड महामारी से उत्पन्न विशेष समस्याओं का मुकाबला करने के लिए थे।

लेकिन, एक महत्वपूर्ण कारण यह है कि, ऐसे किन्हीं विशेष उपायों की बनिस्पत भारतीय अर्थव्यवस्था की अन्तर्निहित गतिशीलता और इसके अहम खिलाड़ियों ने उसे संकट से उबारा है।

भारत के स्टार्ट अप्स की शानदार आर्थिक वृद्धि के उदाहरण का हवाला दिया जा सकता है, जबकि अधिकांश देश इस मामले में निस्तेज बने हुए हैं।

अमेरिका और चीन के अलावा भारत में सर्वाधिक संख्या में नए स्टार्ट अप हैं और इनके कारोबार में वृद्धि हुई है।

भारत में स्टार्ट अप्स की संख्या पिछले छह वर्षों में प्रमुख रूप से बढ़ी है। वर्ष 2021-22 में नव मान्य स्टार्ट अप्स की संख्या में 14 हजार से अधिक का इजाफा हुआ, जबकि वर्ष 2016-17 में सिर्फ 733 स्टार्ट अप्स ही थे। अमेरिका और चीन के बाद, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम बन गया है। इसके अलावा वर्ष 2021 में 44 स्टार्टअप्स ने रिकॉर्ड संख्या में यूनिकॉर्न दर्जा हासिल किया, जिसके बाद भारत के यूनिकॉर्न की संख्या 83 हो गई है। इनमें से अधिकांश स्टार्ट अप्स सर्विस सैक्टर के हैं।

भारतीय उद्यमिता का यह मूल ज़ज्बा है, जो कि एक वृहद अर्थव्यवस्था में अपना काम कर रहा है।

कल पेश होने वाले आम बजट का मूल कर्त्तव्य और उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था के मनोभाव को समाप्त करना नहीं, बल्कि एक माहौल निर्मित करने में ऐसी सहायता प्रदान करना होना चाहिए, जो अर्थव्यवस्था की अन्तर्निहित गतिशीलता में और मजबूती ला सके।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600